हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

आरा, औरंगाबाद एवं दुमका से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

• रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 • आरा • मंगलवार • 30 दिसंबर 2025 • वर्ष 10 • अंक 236 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

किम जोंग उन ने फिर दिखाई ताकत, लॉन्ग रेंज की क्रूज मिसाइलों का किया परीक्षण

एजेंसी, प्योंगयांग । उत्तर कोरिया के तेज तर्रार नेता किम जोंग उन ने एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत दिखाते हुए लॉन्ग रेंज की क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है। यह परीक्षण रविवार को किया गया जिसमें मिसाइलें कोरियाई प्रायद्वीप के पश्चिमी समुद्र में उड़ान भरकर अपने लक्ष्य को सटीक रूप से भेदने में सफल रहीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किम जोंग उन मिसाइलों की उड़ान और लक्ष्य पर सही ढंग टारगेट को निशाना बनाने से संतुष्ट नजर आए। उन्होंने कहा कि देश की परमाणु क्षमता और उसकी तेज प्रतिक्रिया की नियमित जांच जिम्मेदार अभ्यास है, खासकर जब देश को विभिन्न सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ रहा हो। रिपोर्ट के मुताबिक किम जोंग उन ने दोहराया कि प्योंगयांग राज्य परमाणु युद्ध शक्ति के असीमित और निरंतर विकास के लिए सभी प्रयास जारी रखेगा। यह बयान ऐसे समय आया है, जब उत्तर कोरिया 2026 की शुरुआत में होने वाली अहम पार्टी कांग्रेस की तैयारी कर रहा है, जिसमें अगले पांच सालों के लिए देश की विकास योजना तय होगी। रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि मिसाइलें कहां से दागी गईं।

संघ की तारीफ पर राहुल गांधी ने दिग्विजय से दो टूक कहा- ये आपने ठीक नहीं किया

एजेंसी, नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की तारीफ करने को लेकर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर चुटकी ली है। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान यह वाकया सामने आया, जहां राहुल गांधी ने दिग्विजय सिंह से मुलाकात के दौरान उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी। सूत्रों के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान जब दोनों नेता आमने-सामने आए, तो राहुल गांधी ने दिग्विजय सिंह से हाथ मिलाते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, कल आपने गलत व्यवहार कर दिया। राहुल गांधी की इस टिप्पणी को सुनकर वहां मौजूद सोनिया गांधी और अन्य वरिष्ठ नेता अपनी हंसी नहीं रोक पाए। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच कुछ देर तक चर्चा भी हुई। विवाद की शुरुआत 27 दिसंबर को हुई, जब दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पुरानी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी नजर आ रहे हैं। तस्वीर साझा करते हुए दिग्विजय सिंह ने आरएसएस और भाजपा के अनुशासन की सराहना की थी।

पाक के विदेश मंत्री ने सच स्वीकारा कहा- ब्रह्मोस के सटीक निशाने से तबाह हुआ नूर खान एयरबेस

एजेंसी, इस्लामाबाद । भारत और पाकिस्तान के बीच मई 2025 में हुई संक्षिप्त लेकिन तीव्र सैन्य मुठभेड़ एक बार फिर वैश्विक चर्चा का केंद्र बन गई है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारतीय सेना के हमलों में उनका रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण नूर खान एयरबेस क्षतिग्रस्त हो गया था। यह स्वीकारोक्ति ऑपरेशन सिंदूर के ठीक सात महीने बाद आई है, जिसने पाकिस्तान के उन दावों की पोल खोल दी है जिनमें वह किसी भी बड़े नुकसान से इनकार करता रहा था। इस सैन्य टकराव की जड़ें 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले से जुड़ी हैं, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की जान ले ली थी। इस घटना के प्रतिशोध में भारत ने 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। भारतीय सेना ने सीमा पार पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में स्थित नौ प्रमुख आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। जब पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों के जरिए जवाबी कार्रवाई की कोशिश की, तो भारत ने और अधिक आक्रामक रुख अपनाते हुए ब्रह्मोस सुपरसॉनिक क्रूज मिसाइलों और उन्नत ड्रोनों से पाकिस्तानी एयरबेस पर सटीक प्रहार किए।

अरावली मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले पर रोक लगाई

एजेंसी, नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने अरावली मामले में अपने ही फैसले पर रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र सरकार और संबंधित राज्यों को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 21 जनवरी को होगी। अरावली पहाड़ियां दिल्ली से लेकर हरियाणा, राजस्थान और गुजरात तक में फैली हैं। तत्कालीन चीफ जस्टिस जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने अरावली की 100 मीटर वाली परिभाषा तय की थी। उस फैसले के खिलाफ देशव्यापी विरोध हुआ। उच्चतम न्यायालय ने विरोध प्रदर्शन के बाद इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया। न्यायालय ने कहा कि उच्चाधिकार विशेषज्ञ कमेटी का गठन होगा, जो मामले पर दोबारा विचार करेगी। इस

केंद्र व संबंधित राज्यों को नोटिस

मामले पर स्पष्टीकरण की जरुरत है। सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस आदेश के बाद केंद्र की भूमिका को लेकर काफी भ्रम है। इसे लेकर विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाई गई थी। विशेषज्ञों को कमेटी को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि इसे लेकर स्वतंत्र विशेषज्ञों की राय जानना जरुरी है।

कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाई कोर्ट से मिली जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

एजेंसी, नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने उन्नाव रेप मामले में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को ट्रायल कोर्ट की ओर से मिली उम्रकैद की सजा निलंबित करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने इस बात का अंदेशा जताया कि उच्च न्यायालय ने पॉक्सो एक्ट की धारा 5 के तहत लोकसेवक की जो व्याख्या की है, उससे लोकसेवक इससे बाहर हो जाएंगे। कोर्ट ने कहा कि इस कानून के तहत एक कांस्टेबल लोकसेवक हो सकता है, लेकिन विधायक इससे बाहर कैसे हो सकता है। सुनवाई के दौरान केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ये एक बच्ची के साथ रेप का डरावना मामला है। आरोपित के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 और पॉक्सो एक्ट की धारा 5 के तहत आरोप तय किए गए थे।

बोरसी के धुएं से दम घुटने पर नाना-नाती की मौत, तीन की हालत गंभीर

एजेंसी, नवादा

नवादा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत त्रिलोकी बिगहा गांव में ठंड से बचाव के लिए जलाई गई बोरसी जानलेवा साबित हुई। कमरे में फैले जहरीले धुएं से दम घुटने के कारण नाना-नाती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य परिजन बेहोश हो गए। सभी को सोमवार सुबह सदर अस्पताल नवादा लाया गया, जहां चिकित्सकों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीन का इलाज जारी है। इस हृदयविदारक घटना से गांव में शोक है। मृतकों मे 70 वर्षीय श्रीकांत यादव और उनके नाती एक वर्षीय आशीष कुमार है। घटना के संबंध में मृतक के एक अन्य नाती सूरज कुमार ने बताया कि रविवार की रात कड़ाके की ठंड से बचने के लिए एक ही कमरे में परिवार के पांच सदस्य सोए हुए थे। ठंड अधिक होने के कारण कमरे के भीतर बोरसी (अंगीठी) जलाई गई थी। रात भर कमरे का दरवाजा बंद रहने और पर्याप्त वेंटिलेशन न होने के कारण बोरसी से निकला धुआं कमरे में भरता चला गया। नींद में ही सभी लोग धुएं की चपेट में आ गए और बेहोश हो गए। सोमवार सुबह जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो परिजन को अनहोनी की आशंका हुई। आवाज लगाने पर भी अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद स्थानीय मिस्त्री को बुलाकर किवाड़ तुड़वाया गया। अंदर का दृश्य देख परिजन स्तब्ध रह गए—कमरे में श्रीकांत यादव, उनके नाती एक वर्षीय आशीष कुमार सहित सभी पांच लोग बेहोशी की हालत में पड़े थे। आनन-फानन में ग्रामीणों की मदद से सभी को नवादा सदर अस्पताल ले जाया गया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद श्रीकांत यादव और आशीष को मृत घोषित कर दिया। वहीं मृतक की पत्नी, बेटी और एक नन्ही बच्ची बेहोशी की हालत में भर्ती हैं। चिकित्सकों के अनुसार, तीनों की स्थिति गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है और उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट सहित आवश्यक उपचार दिया जा रहा है।

बिहार में शीतलहर का सितम जारी, एक जनवरी तक ठंड से राहत नहीं

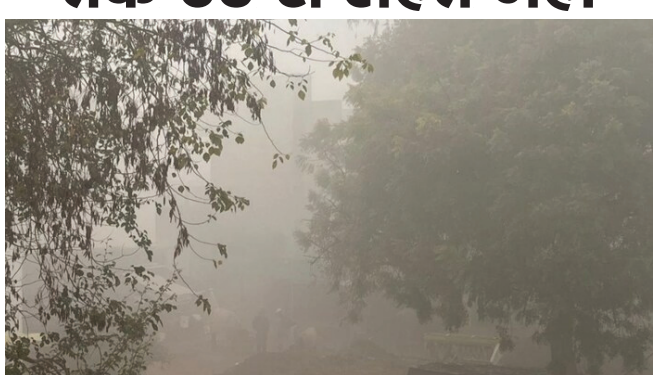

एजेंसी, पटना

बिहार में शीत लहर का सितम जारी है। पछुआ हवा ने कनकनी बढ़ा दी है। सुबह से लेकर शाम तक कोहरे का प्रकोप देखने को मिल रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने राज्य के कई जिलों में कोल्ड डे का अलर्ट जारी किया है। पूर्वानुमान के अनुसार एक जनवरी तक ठंड से कोई राहत की उम्मीद नहीं है। सोमवार को पटना सहित पूर्वी व पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, सिवान, छपरा, शिवहर, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, मधुबनी, दरभंगा, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, शेखपुरा, बक्सर, भोजपुर, अरवल, जहानाबाद, भभुआ, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, नालंदा में कोल्ड डे जैसे हालात बने रहने की संभावना है। बर्फीली हवा के कारण दिन और रात कनकनी का असर बना रहेगा। राज्य में सबसे ठंडा राजगीर रहा, जहां का न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। राजधानी का न्यूनतम तापमान 10.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राजधानी में सुबह के समय सौ मीटर की दृश्यता एवं 50 मीटर के साथ गयाजी में सबसे कम दृश्यता दर्ज हुई। राज्य का न्यूनतम तापमान 6.8-13.4 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। राज्य के छपरा, फारबिसगंज, बक्सर, औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे दर्ज हुआ। राजधानी पटना का अधिकतम तापमान 16.0 डिग्री सेल्सियस एवं 18.7 डिग्री सेल्सियस के साथ शेखपुरा में राज्य का सर्वाधिक अधिकतम तापमान दर्ज किया गया।

टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस के अचानक धधकने लगे दो कोच, एक बुजुर्ग यात्री की मौत

एजेंसी, विशाखापत्तनम

आंध्र प्रदेश के यालामंचिली रेलवे स्टेशन के पास सोमवार तड़के एक बड़ा रेल हादसा हो गया, जहां टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस की दो बोगियों में भीषण आग लग गई। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग यात्री की मौत हो गई है। पुलिस और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच के लिए दो फोरेंसिक टीमों को तैनात किया गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, आग लगने की सूचना रात करीब 12 बजकर 45 मिनट पर मिली। उस समय ट्रेन यालामंचिली के पास से गुजर रही थी। आग की लपटें सबसे पहले ट्रेन के लोको पायलट्स ने देखीं, जिसके बाद उन्होंने मुस्तैदी दिखाते हुए ट्रेन को तत्काल रोका। हालांकि, जब तक अग्निशमन सेवाएं मौके पर पहुंचतीं, आग की लपटों ने दो एसी कोच, बी-1 और एम-2 को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया था। जिस समय यह हादसा हुआ, बी-1 कोच में 82 और एम-2 कोच में 76 यात्री सवार थे। अफसोसजनक रूप से, बी-1 कोच में एक यात्री मृत पाया गया, जिनकी पहचान चंद्रशेखर सुंदरम के रूप में की गई है। हादसे के वक्त मौके पर घना कोहरा था, जिसने स्थिति को और भी चुनौतीपूर्ण बना दिया। चश्मदीदों ने बताया कि बोगियों में धुआं फैलते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। अंधेरे और कोहरे के कारण यात्रियों को कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, जिससे डर और भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। यात्री घबराहट में ट्रेन से उतरकर प्लेटफॉर्म की ओर भागे। आग बुझाने के लिए अनकपल्ली, एलमान्चिली और नक्कापल्ली से दमकल की टीमों को बुलाया गया, जिन्हें आग पर काबू पाने में घंटों मशक्कत करनी पड़ी।

शुरुआती जांच और रेलवे सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, ट्रेन अपने निर्धारित समय से लगभग 4 घंटे की देरी से चल रही थी।

पूर्व सीएम राबड़ी की अनुपस्थिति में रात में कैसे खाली हो गया बंगला, किसने दिए आदेश

एजेंसी, पटना

बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने पटना स्थित अपने आवास को खाली किया था। पटना स्थित 10 सर्कुलर स्थित सरकारी बंगले को खाली करने के बाद इसपर विवाद हो रहा है। अब जनता दल (यूनाइटेड) ने सवाल उठाया है कि आखिर रात के वक्त आवास को किसके आदेश से खाली कराया गया? जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने भवन निर्माण विभाग को लिखे खत में अनुरोध किया है कि वहां पहले से लगे पंखे, कोड टोंटी समेत इत्यादि अन्य सामानों की निगरानी करवाई जाए। जेडीयू प्रवक्ता की तरफ से जो खत भवन निर्माण विभाग को लिखी गई है उसमें कहा गया है कि मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक राबड़ी देवी के आवास को उनके परिवार की अनुपस्थिति में खाली कराया गया था। रात के वक्त लालू-राबड़ी की गैरहाजिरी में पिकअप वैन के जरिए आवास से गमले और पौधे बाहर ले जाए जा रहे थे। खत में आगे लिखा है कि भवन निर्माण विभाग यह स्पष्ट करे कि आवास परिसर में लगे गमले और पौधे उद्यान विभाग की संपत्ति हैं या निजी।

संक्षिप्त समाचार

इग्नू में जनवरी-2026 सत्र के लिए नामांकन शुरू, 31 जनवरी अंतिम तिथि

सहरसा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) ने जनवरी-2026 शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। क्षेत्रीय केंद्र सहरसा के निदेशक डॉ. मिर्जा नेहाल अहमद बेग ने बताया कि जो छात्र नियमित कॉलेज नहीं जा सकते या नौकरी के साथ पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए इग्नू एक बेहतरीन मंच है। इस बार यूजीसी के निर्देशानुसार सभी छात्र-छात्राओं को नामांकन से पहले 'DEB-ID' बनाना अनिवार्य होगा। छात्र 250 से अधिक पाठ्यक्रमों के लिए 31 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

सहरसाः बिजली विभाग का 'हथौड़ा', 918 बकायेदारों के कटे कनेक्शन, 50 पर केस दर्ज

सहरसा। नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने बकाया बिल वसूली और बिजली चोरी के विरुद्ध जिले में अब तक का सबसे बड़ा अभियान छेड़ दिया है। बिजली विभाग के सख्त रुख के कारण नवंबर माह में ही 918 बकायेदारों के कनेक्शन काट दिए गए हैं, जबकि बिजली चोरी के आरोप में 50 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सहरसा के कार्यपालक अभियंता ई. अमित कुमार ने बताया कि मुख्यालय के निर्देश पर दिसंबर से मार्च तक विशेष राजस्व वसूली अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए प्रत्येक प्रशाखा में तीन-तीन विशेष कर्मियों की नियुक्ति केवल लाइन काटने के लिए की गई है। दर्ज प्राथमिकी में सहरसा शहर से 3, सहरसा ग्रामीण से 30 और सौरबाजार से 17 मामले शामिल हैं। अभियंता ने आम जनता से अपील की है कि सरकार मुख्यमंत्री विद्युत सहायता योजना के तहत 125 यूनिट मुफ्त बिजली दे रही है, इसके बावजूद लोग पुराने बकाये का भुगतान नहीं कर रहे हैं और बिजली चोरी कर रहे हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन उपभोक्ताओं का दो माह से अधिक का बिल लंबित है, उनकी बिजली बिना किसी पूर्व सूचना के काट दी जाएगी। अब विभाग के कर्मी घर-घर जाकर बकाया राशि की जांच कर रहे हैं।

फसल विविधीकरण सीखने रांची रवाना हुए मधेपुरा के 20 प्रगतिशील किसान

सहरसा। जिले के किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक खेती से जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। सोमवार को मधेपुरा अनुमंडल के विभिन्न प्रखंडों से चयनित 20 प्रगतिशील कृषकों के दल को रांची स्थित 'मोबाइल एग्रीकल्चरल स्कूल एंड सर्विसेज' (MASS) के लिए रवाना किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक (आत्मा) रितेश रंजन ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। यह पांच दिवसीय राज्यबाह्य आवासीय प्रशिक्षण 29 दिसंबर 2025 से 2 जनवरी 2026 तक चलेगा। श्री रंजन ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को फसल विविधीकरण की उन्नत तकनीकों से अवगत कराना है ताकि वे अपनी आय बढ़ा सकें। दल का नेतृत्व उप परियोजना निदेशक रंजीत कुमार और सहायक तकनीकी प्रबंधक धनंजय कुमार पाण्डेय कर रहे हैं।

घायल मजदूर अखिलेश की मदद को आगे आया पान समाज

सहरसा। पिछले दो महीनों से अस्पताल में भर्ती गरीब मजदूर अखिलेश कुमार शर्मा के इलाज के लिए 'आंदोलन न्यूज' की पहल पर समाज आगे आया है। पैसे के अभाव में अखिलेश का ऑपरेशन रुका हुआ है और परिवार दाने-दाने को मोहताज है। डॉ. भुवन सिंह द्वारा इलाज में सहयोग के बीच इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. धनोज कुमार ने बताया कि पान समाज के युवाओं ने चंदा इकट्ठा करने का अभियान शुरू किया है। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की है कि मरीज की पत्नी काजल कुमारी के खाते में सीधे सहयोग राशि भेजें ताकि अखिलेश का सफल ऑपरेशन हो सके।

भीषण ठंड के बीच मधेपुरा में बांटे गए कंबल और चादर

कुमारखंड (मधेपुरा)। इलाके में पिछले चार दिनों से सूर्य के दर्शन नहीं हुए हैं, जिससे कड़ाके की ठंड और पछुआ हवा ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। इस आपदा की घड़ी में लक्ष्मीपुर चंडीस्थान पंचायत के महादलित बस्ती और पासवान टोला में राहत कार्य चलाया गया। युवा शक्ति के प्रखंड अध्यक्ष व भावी मुखिया प्रत्याशी राहुल कुमार के नेतृत्व में सोमवार को सैकड़ों जरूरतमंदों के बीच कंबल और चादर का वितरण किया गया। राहुल कुमार ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है। इस मौके पर किशोर यादव, राजकिशोर पासवान, और जावेद आलम सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बेगूसराय में गूंजे सहरसा की बेटी शेफालिका के गीत, मिली वाहवाही

सहरसा/बेगूसराय। राष्ट्रीय कवि संगम के सप्तम प्रांतीय अधिवेशन में सहरसा की कवयित्री और शिक्षिका शेफालिका झा ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं का दिल जीत लिया। बेगूसराय के वीणा वेंकट हॉल में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में शेफालिका ने जब अपनी पंक्तियां—"आज पुनः इस रस्ते से गुजरी तो पड़ी नजर, वही पुराना एक मंजिला छोटा सा इक घर" पढ़ीं, तो पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। 'सेल्फी वाली कनिया' की सफलता के बाद शेफालिका झा की इस नई प्रस्तुति की काफी सराहना हो रही है।

मधेपुराः कोहरे के कहर ने छीनी युवक की जिंदगी, मासूमों के सिर से उठा पिता का साया

मुरलीगंज (मधेपुरा)। सर्दियों के कोहरे और ठंड ने एनएच 107 पर एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। रविवार की रात करीब नौ बजे मुरलीगंज-मधेपुरा मार्ग पर रामपुर गांव के पास एक अनियंत्रित बाइक बिजली के पोल से टकरा गई। इस भीषण हादसे में पोखराम परमानंदपुर निवासी 35 वर्षीय श्याम कुमार की मौत हो गई, जबकि उनके बहनोई गुड्डू कुमार गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के अनुसार, मृतक श्याम कुमार अपने बहनोई गुड्डू कुमार (निवासी बनमनखी) के साथ जानकीनगर के विनोबा ग्राम से लौटकर अपने गांव जा रहे थे। इसी बीच रामपुर के पास ठंड और दृश्यता कम होने के कारण बाइक अनियंत्रित होकर पोल से जा टकराई। सूचना मिलते ही मुरलीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस से मधेपुरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने श्याम कुमार को मृत घोषित कर दिया। श्याम की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सबसे हृदयविदारक दृश्य तब दिखा जब श्याम के ढाई साल के मासूम बेटे ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। मृतक के पीछे पत्नी और एक साल की बेटी का भी रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है, फिलहाल किसी पक्ष से लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

भूमि विवादों का ऑन-द-स्पॉट होगा निपटारा, 31 दिसंबर को उपमुख्यमंत्री का 'जन कल्याण संवाद'

सहरसा/पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा 31 दिसंबर 2025 को सहरसा में 'भूमि सुधार जन कल्याण संवाद' के माध्यम से आम जनता की समस्याओं से रूबरू होंगे। विकास भवन के सामने स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम का उद्देश्य भूमि संबंधी सेवाओं को पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है।

प्रथम पाली (11:00 AM - 02:30 PM): इसमें सीधे आम लोगों से संवाद होगा। ऑनलाइन सेवाओं (दाखिल-खारिज, परिमार्जन प्लस, ई-मापी) में आ रही समस्याओं को सुना जाएगा। खास बात यह है कि कुछ चुनिंदा मामलों में अंचलाधिकारी और राजस्व कर्मचारी को पीड़ित के सामने बैठाकर मौके पर ही समाधान निकाला जाएगा।

द्वितीय पाली (03:30 PM - 05:00 PM): उपमुख्यमंत्री जिले के वरीय अधिकारियों और सभी राजस्व कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इसमें दाखिल-खारिज और 'अभियान बसेरा 2' की प्रगति की आंकड़ों के साथ समीक्षा की जाएगी। कार्यक्रम में अपनी शिकायत रखने के लिए सुबह 09:00 से 10:30 बजे तक अंचलवार काउंटर पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। उपमुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया है कि हर आवेदन को पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा ताकि भविष्य में भी इसकी ट्रैकिंग की जा सके।

केंद्रीय पुस्तकालय, संस्कृत विद्यालय एवं पार्क का बहुरेंगे दिन

निज संवाददाता। नवादा

डीएम ने प्रगति कार्य का किया निरीक्षण

नवादा जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश द्वारा नगर भवन परिसर, नवादा में अवस्थित केंद्रीय पुस्तकालय का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में पुस्तकालय भवन के निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति एवं शेष बचे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि पुस्तकालय से संबंधित शेष सभी कार्यों को ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि नए पुस्तकालय का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर उसका विधिवत संचालन प्रारंभ किया जाए। पुस्तकालय में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता एवं अध्ययन हेतु आने वाले विद्यार्थियों एवं आमजनों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान नगर भवन परिसर में स्थित जर्जर अवस्था में बने एंग्लो संस्कृत विद्यालय भवन का ध्वस्त करने का निर्देश जिला पदाधिकारी द्वारा दिया गया। साथ ही परिसर में निर्माणाधीन पार्क के कार्य को भी शीघ्र पूर्ण कराने हेतु संबंधित एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि नगर भवन परिसर को एक सुव्यवस्थित, उपयोगी एवं नागरिकों के लिए सुविधाजनक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस अवसर पर गोपनीय शाखा प्रभारी श्री राजीव कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद श्री सत्येन्द्र कुमार एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बलिदानी जवान के स्वजनों से मिले हिसुआ भाजपा विधायक अनिल सिंह, बंधाया ढांढस

शोकाकुल स्वजनों से मिलते विधायक एवं अन्य

निज संवाददाता। नरहट (नवादा)

सोमबार को हिसुआ विधानसभा के भाजपा विधायक अनिल सिंह बलिदानी आईटीबीपी जवान मनोज कुमार के घर छोटा शेखपुरा पहुच कर पीड़ित स्वजनों से मिलकर घटना पर दुख जताया। पीड़ित स्वजनों को सांत्वना दिया। कहा कि यह घटना काफी दुखद है इसकी छतिपूर्ती नही हो सकती।इसकी शहादत को भुलाया नहीं जा सकता। विधायक ने कहा कि इस दुख की मुश्किल घड़ी में हम आपके साथ हैं। विधायक ने शहीद मनोज कुमार के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। दिवंगत आत्मा के शांति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। ग्रामीणों एवं स्वजन पंकज गुप्ता, सुनील गुप्ता, प्रमोद गुप्ता आदि ग्रामीणों ने शहीद मनोज कुमार के नाम पर मीनापुर पुनौल पथ पर मीनापुर के पास गेट निर्माण एवं आदम कद प्रतिमा स्थापित करने की मांग रखी जिसको विधायक ने हर संम्भव पूरा करने का आश्वासन दिया। विधायक ने कहा कि हमारे फंड से प्रबधान होगा तो कराएंगे अगर नही होगा तो भी आपसी सहयोग से गेट निर्माण कार्य को कराया जाएगा। इस मौके पर भाजपा शेखपुरा प्रखण्ड अध्यक्ष अनिल राजवंशी, नरहट भाजपा प्रखण्ड अध्यक्ष नवीन कुमार, भाजपा नेता विवेकानंद, मुरारी मनोहर, उपमुखिया पंकज सिंह, संजय सिंह, बिगन सिंह, अरविंद पांडेय, गुजो सिंह समेत दर्जनों भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता ग्रामीण मौजूद थे।

बीस सूत्री बैठक में अधिकारियों की लापरवाही बेनकाब, जनसमस्याओं पर तीखी बहस

सरकार की योजनाओं के साथ जनहित को दें प्राथमिकताः अनीता

निज संवाददाता। वारिसलीगंज (नवादा)

वारिसलीगंज प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक नवनिर्मित प्रखंड कार्यालय में सोमवार को जनसमस्याओं को लेकर तीखी बहस देखने को मिली। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में ढिलाई, बैठकों से अधिकारियों की गैरहाजिरी और योजनाओं की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठे। बैठक में साफ संदेश दिया गया कि अब लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समिति अध्यक्ष सुमन कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन उपाध्यक्ष अजय राय एवं सचिव सह प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार ने किया। गत बैठक के निर्णयों की समीक्षा के दौरान कई विभागीय अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताई और इसे जनहित के प्रति उदासीनता करार दिया।

बैठक में विधायक श्रीमती अनीता कुमारी ने दो टूक कहा कि जनहित से जुड़े मामलों को हल्के में लेने की प्रवृत्ति पर रोक लगनी चाहिए। उन्होंने कहा, "यह चेतावनी नहीं है, लेकिन उम्मीद जरूर है कि अधिकारी और जनप्रतिनिधि मिलकर ईमानदारी से काम करें। योजनाएं कागजों में नहीं, जमीन पर दिखनी चाहिए।" बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, कृषि, नल-जल योजना, मनरेगा समेत वारिसलीगंज बाजार में लगने वाले लगातार जाम को लेकर सदस्यों ने नाराज़गी जताई। बाजार क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने को लेकर ठोस कार्ययोजना की मांग की गई। मकनपुर गांव में निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन में हो रही देरी को लेकर संबंधित विभाग से जवाब-तलब किया गया। साथ ही अन्य पंचायतों में बन रहे पंचायत सरकार भवनों की प्रगति और गुणवत्ता की समीक्षा की गई।

सात निश्चय योजना के तहत नल-जल आपूर्ति को लेकर सवाल उठे कि आखिर कितने गांव और वार्डों में वास्तविक रूप से शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड कार्यालय भवन के तैयार होने के बावजूद अब तक विधिवत चालू नहीं होने पर भी सदस्यों ने नाराज़गी जताई।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर संदेहः ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माणाधीन संपर्क पथ, पुल-पुलिया की गुणवत्ता में कमी की शिकायतें सामने आईं। सदस्यों ने स्पष्ट मांग की कि इन कार्यों की तकनीकी जांच कराई जाए। धान अधिप्राप्ति में किसानों को हो रही परेशानियों पर भी गंभीर चर्चा हुई और समस्या के त्वरित समाधान की मांग रखी गई।

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही पर सख्त रुखः प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसूताओं को दी जा रही पोषाहार सामग्री की एक्सपायरी डेट समाप्त होने का मामला सामने आते ही बैठक का माहौल गरमा गया। स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिए जाने पर विधायक ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यह गंभीर लापरवाही है और ऐसे मामलों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा की अब जवाबदेही तय होगी। बैठक में स्ट्रीट लाइट, मनरेगा कार्यों और विभिन्न पंचायतों में चल रही योजनाओं की समीक्षा के साथ यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि लोक कल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। जनसमस्याओं की अनदेखी करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी।बैठक में सदस्य रणविजय कुमार, श्री निवास, बम सिँह, नवीन कुमार, मिथलेश पासवान, मीरा कुमारी, चंदन कुमार, श्रवण पांडे सहित विभिन्न विभाग के अधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद थे।

अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम एवं मैनुअल स्कैवेंजर अधिनियम से संबंधित जिला स्तरीय समितियों की बैठक संपन्न

निज संवाददाता। नवादा

नवादा जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विगत बैठक की कार्यवाही के अनुपालन की समीक्षा के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला कल्याण पदाधिकारी ने जानकारी दी कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम से संबंधित नवादा जिले में विभागीय पोर्टल पर कुल 1477 कांड दर्ज हैं, जिनमें से 1465 कांडों में पीड़ितों/आश्रितों को प्रथम किस्त की अनुतोष राशि का भुगतान किया जा चुका है। जिला पदाधिकारी के निर्देशानुसार एक कांड में पीड़ित एवं उनके पिता के नाम में अंतर होने के कारण आवश्यक शपथ पत्र प्राप्त कर स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि अधिनियम के अंतर्गत सभी पेंशनधारियों को समय पर पेंशन का भुगतान किया जा रहा है। माह अक्टूबर, 2025 तक सभी पेंशनधारियों को पेंशन राशि का भुगतान कर दिया गया है।

बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि निदेशानुसार जिले के सभी प्रखंडों में पपेट शो के माध्यम से डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम एवं इसके तहत सजा के प्रावधानों का प्रचार-प्रसार किया गया है। साथ ही विकास मित्रों द्वारा किशोर-किशोरी समूह की बैठकों में महादलित टोलों में इस अधिनियम से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए हैं। जिला प्रशासन के फेसबुक पेज के माध्यम से भी लाइव प्रसारण कर आमजन को जानकारी दी गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत अब तक कुल 208 कांड दर्ज किए गए हैं, जिनमें 202 मामलों में स्वीकृति प्राप्त हुई है तथा 141 मामलों में भुगतान किया जा चुका है। दो मामलों में मुआवजा लेने से इंकार किया गया है तथा एक पीड़ित घर से बाहर है। पेंशन भुगतान से संबंधित कुल 49 पेंशनधारी हैं, जिन सभी को अक्टूबर माह तक पेंशन का भुगतान किया जा चुका है। विभागीय पोर्टल पर कुल 1565 कांड दर्ज हैं, जिनमें से 1490 कांडों में प्रथम किस्त का भुगतान किया गया है। दिनांक 24.12.2025 तक थाना से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर 56 पीड़ितों को यात्रा भत्ता/दैनिक भरण-पोषण की राशि उनके खातों में भुगतान की जा चुकी है।

इसके उपरांत मैनुअल स्कैवेंजर रोजगार निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक की समीक्षा की गई। जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि सीवरेज वर्करों का नियमित चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा है तथा सभी कार्यपालक पदाधिकारी इस विषय में संवेदनशील हैं। इस पर जिला पदाधिकारी ने नगर परिषद नवादा, नगर पंचायत वारिसलीगंज एवं नगर पंचायत हिसुआ के कार्यपालक पदाधिकारियों को समय-समय पर चिकित्सीय जांच सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

बैठक में यह भी बताया गया कि नगर परिषद नवादा, नगर पंचायत हिसुआ, वारिसलीगंज एवं रजौली में सीवर टैंक की सफाई हेतु एक-एक वाहन उपलब्ध कराया गया है। जिला पदाधिकारी ने लक्ष्य के अनुरूप आवश्यकतानुसार वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। आज की बैठक में अपर समाहर्त्ता श्री अनिल कुमार तिवारी, अनुमंडल पदाधिकारी नवादा श्री अमित अनुराग, ओएसडी श्री राजीव कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद नवादा श्री सत्येन्द्र प्रसाद वर्मा, जिला कल्याण पदाधिकारी श्री प्रकाश प्रियरंजन, विधायक रजौली के प्रतिनिधि, माननीय विधायिका वारिसलीगंज, थानाध्यक्ष अनुसुचित जाति/जनजाति नवादा, सामाजिक कार्यकर्ता नवादा के साथ-साथ अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चमकते बिहार के पीछे कचरे का काला सच, दम तोड़ता ग्रामीण स्वच्छता अभियान

अमावां पश्चिमी पंचायत में कचरा प्रबंधन फेल, जल स्रोत और उपजाऊ भूमि पर मंडराया जहरीला संकट

निज संवाददाता। रजौली

प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों को 'ओडीएफ' खुले में शौच मुक्त घोषणा करने में तो सफलता मिली, लेकिन ठोस और तरल कचरा प्रबंधन के मोर्चे पर ग्रामीण भारत आज भी पिछड़ा हुआ है। रजौली प्रखंड की अमावां पश्चिमी पंचायत इसका जीता-जागता उदाहरण है, जहां कचरा संग्रहण की व्यवस्थित प्रणाली न होने से गांवों के प्रवेश द्वार अब डंपिंग यार्ड बन चुके हैं।पिछले कुछ वर्षों में गांवों में भी डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों और सिंगल यूज प्लास्टिक का चलन बढ़ा है। शहरों की तर्ज पर गांवों में घर-घर कचरा उठाने की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। पूर्व में बीडीओ संजीव झा की पहल पर अमावां पश्चिमी में कचरा उठाव शुरू हुआ था, लेकिन निरंतरता के

गांव में सड़क किनारे फैला कचरे का अंबार

अभाव में यह योजना ठप पड़ गई। परिणामस्वरूप, ग्रामीण अब कचरा तालाबों के किनारे या खेतों की मेड़ों पर फेंकने को मजबूर हैं।

जल और जमीन पर गहराता खतराः कचरे के इन ढेरों से निकलने वाला जहरीला रसायन रिसकर भूजल में मिल रहा है, जिससे हैंडपंपों और कुओं का पानी प्रदूषित हो रहा है। इसके अलावा, मिट्टी में मिल रहे प्लास्टिक के सूक्ष्म कण खेतों की उर्वरकता को नष्ट कर रहे हैं, जो भविष्य में उपजाऊ भूमि को बंजर बना सकते हैं।ग्रामीणों के अनुसार स्वच्छ भारत मिशन के बावजूद धरातल पर संसाधनों और बजट की भारी कमी है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक पंचायतों को वित्तीय रूप से सशक्त कर क्लस्टर आधारित प्रोसेसिंग यूनिट्स नहीं बनाई जाएंगी, तब तक यह संकट दूर नहीं होगा। यदि समय रहते 'कचरे से कंचन' जैसे नवाचारों को नहीं अपनाया गया, तो यह प्रदूषण जल्द ही एक गंभीर स्वास्थ्य आपातकाल का रूप ले लेगा।

क्या कहते हैं अधिकारी : इस संबंध में बीडीओ संजीव झा ने कहा कि अमावां पश्चिमी पंचायत में लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत सफाईकर्मियों की नियुक्ति है और साफ-सफाई का काम भी हो रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि किसी टोले या वार्ड में सफाई कार्य बाधित है,तो जांच करवाकर शीघ्र ही कचरे का निस्तारण शुरू किया जाएगा।

मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव में कवियों एवं साहित्यकारों ने अपने काव्य पाठ्य से श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

निज संवाददाता। कौआकोल

प्रखण्ड के सोखोदेवरा गांव अवस्थित ऐतिहासिक लोकनायक जयप्रकाश नारायण आश्रम परिसर के राजेन्द्र भवन में अशोक स्मृति संस्थान हिसुआ,नवादा के बैनर तले मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव का आयोजन किया गया। जिसका विधिवत उदघाटन हिसुआ के विधायक अनिल सिंह,गोविंदपुर विधानसभा के निवर्तमान विधायक मोहम्मद कामरान,हिलसा के पूर्व विधायक डॉ० उषा सिन्हा,ग्राम निर्माण मण्डल के प्रधानमंत्री अविन्द कुमार,शिक्षाविद डॉ० आरपी साहू,डॉ० शशिभूषण प्रसाद,साहित्यकार नरेंद्र सिंह,वीणा मिश्रा,कवि ओंकार शर्मा आदि ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर देश एवं विदेश के विभिन्न हिस्सों से आये कवियों एवं साहित्यकारों ने एक से बढ़कर एक कविता,गजल एवं साहित्य से जुड़े पाठ्य को पठन कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मगही साहित्यकार नरेंद्र प्रसाद सिंह एवं संचालन कवि ओंकार शर्मा ने किया। जबकि कार्यक्रम में लोगों ने एक स्वर से लोकनायक जयप्रकाश नारायण को नमन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक के रूप में मौजूद हिसुआ विधायक अनिल सिंह ने कहा कि साहित्यकार समाज का दर्पण होते हैं। वह हमेशा समाज को जोड़ने का काम करते हैं। पूर्व विधायक मोहम्मद कामरान ने कहा

♦ कार्यक्रम में कवियों एवं साहित्यकारों को किया गया सम्मानित

कि इस तरह के कार्यक्रम से लोगों को अच्छी अच्छी जानकारियां हासिल होती है। उन्होंने कहा कि मानव जाति ने इतिहास में बहुत कुछ निर्माण किया है। लेकिन साहित्य का निर्माण उसके जीवन को विकसित करने में सबसे बड़ा योगदान है। ग्राम निर्माण मण्डल के प्रधानमंत्री अरविन्द कुमार ने जेपी आश्रम के इतिहास एवं ग्राम निर्माण मण्डल के कार्यों का विस्तार से लोगों को जानकारी दी तथा कहा कि आज जेपी जी के बनाये राह पर उनकी संस्था गांवों में कार्य कर रही है। कवि शैलेन्द्र प्रसुन्न ने कहा

कि साहित्य ही साहित्य को मनुष्य बनाया तथा समस्त बन्धनों से मुक्त किया। मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव के संयोजक ओंकार शर्मा ने मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव के भूमिका पर विस्तृत चर्चा किया। नव नालंदा महाविहार की शोध छात्रा वर्षा कुमारी 'वसी' ने अपनी स्वरचित कविता 'प्रेम नहीं अब लव होता है,परिणय पूर्व संसर्ग होता है'। नामक कविता पढ़कर आज समकाल में जो प्रेम की स्थिति बनी हुई है उस स्थिति से अवगत कराया। 'जल जाती है मेरी रोटियां' शीर्षक नामक कविता पढ़कर स्त्रियों के कारुणिक अवस्था का यथार्थता से अवगत करवाया। युवा कवि अनमोल कुमारी वीर रस में अपनी कविता 'गांव बचाना होगा हमको अगर ये देश बचाना होगा' की प्रस्तुति से लोगों को ऊर्जानवित किया और साथ हीं गांव की महिमा मंडन में अपने काव्यों के माध्यम से लोगों को झुमाया।बधनन्जय कुमार बबलू ने खामोशी है वहां पे,न जाने ये क्यों शोर था गजल प्रस्तुत कर लोगों को वाह वाह करने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर अन्य अतिथियों,कवियों एवं साहित्यकारों में अविनाश पांडेय, डॉ० विभा रानी श्रीवास्तव, नवादा उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि कैलाश विश्वकर्मा, रक्तवीर जितेंद्र प्रताप जीतू, देवेंद्र विश्वकर्मा, वीणा मिश्रा, बिहार बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष लालकेश्वर राम आदि ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कवियों,साहित्यकारों एवं समाजसेवियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया।

संक्षिप्त समाचार

14223/14224 राजगीर-वाराणसी बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस 08 मार्च, 2026 से वाराणसी के बजाए चलेगी बनारस से

हाजीपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु राजगीर और वाराणसी के मध्य चलने वाली गाड़ी सं. 14223/14224 राजगीर-वाराणसी-राजगीर बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस का टर्मिनल परिवर्तन किया जा रहा है । 08 मार्च, 2026 से बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस वाराणसी के बजाए बनारस स्टेशन से नये नंबर के साथ परिचालित की जाएगी जिसका विवरण निम्नानुसार है। 08 मार्च, 2026 से टर्मिनल परिवर्तन के उपरांत गाड़ी सं. 14224 वाराणसी- राजगीर बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस परिवर्तित गाड़ी संख्या 15138 के साथ बनारस-राजगीर बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस बनारस से 20.15 बजे प्रस्थान कर पूर्व निर्धारित समय एवं स्टेशनों पर रूकते हुये अगले दिन 06.00 बजे राजगीर पहुँचेगी । इसी तरह गाड़ी सं. 14223 राजगीर-वाराणसी बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस 09 मार्च, 2026 से परिवर्तित गाड़ी संख्या 15137 के साथ राजगीर-बनारस बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस राजगीर से 21.35 बजे प्रस्थान कर पूर्व निर्धारित समय एवं स्टेशनों पर रूकते हुये अगले दिन 07.15 बजे बनारस पहुँचेगी।

एक देशी कट्टा व दो कारतूस के साथ 4.10ग्राम गांजा बरामद

मसौढ़ी! भगवानगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने शनिवार को अवैध हथियार और मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए इलाके में छापेमारी की।इस दौरान पुलिस ने एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और करीब 4.10ग्राम गांजा बरामद किया है।हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहा। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है और नशे व अपराध के खिलाफ पुलिस की सख्ती का संदेश गया है.भगवानगंज थाना को गुप्त सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के काजीचक गांव स्थित के पेटी बिगहा टोला पर स्वर्गीय डोमन यादव के पुत्र विकाश कुमार द्वारा नशीले पदार्थों की तस्करी की जाती है.सूचना की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने तत्काल एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया।टीम ने पूरे मामले में गोपनीयता बरतते हुए पहले इलाके की निगरानी की और फिर सही समय पर छापेमारी की कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम जब संदिग्ध स्थान पर पहुंची तो वहां से एक देशी कट्टा,दो जिंदा कारतूस और 4.10ग्राम गांजा बरामद हुआ।बरामद हथियार और मादक पदार्थों को मौके पर मौजूद गवाहों की उपस्थिति में विधिवत जब्त किया गया। हालांकि, पुलिस के पहुंचने की भनक लगते ही आरोपी फरार हो गया।आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।पुलिस आसपास के इलाकों में दबिश दे रही है और संभावित ठिकानों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आरोपी को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर कानून के शिकंजे में लाया जाएगा।

चलती ट्रेन से गिरा युवक गंभीर जख्मी

मसौढ़ी! पटना गया रेलखंड के छोटकी मसौढ़ी व तिनेरी हॉल्ट के बीच चलती ट्रेन से गिर कर एक 18वर्षीय जख्मी हो गया.घटना सूचना पर मौके पर पहुंची स्थानीय 112 व तारेगना जीआरपी पुलिस ने जख्मी युवक को अनुमंडल अस्पताल ले गए, जख्मी युवक की पहचान कादिरगंज थाना क्षेत्र के बी गांव निवासी बुंदेला प्रसाद 18वर्षीय पुत्र दीपू कुमार के रूप में हुई है.वही घटना की सूचना पर परिजन भी पहुंच चुके थे. उसके बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया।

मसौढ़ी पुलिस ने बिना चालान के पकड़ा अवैध बालू लदा हाइव ट्रक

खनन विभाग ने का लगाया 9,01,175 जुर्माना

मसौढ़ी! थाना की पुलिस ने रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर रेलवे गुमटी के पास से बिना चलान के अवैध बालू खनन कर बालू लदा एक हाइवा को जब्त किया है.जहां हाइवा चालक को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है. हाइवा ट्रक चालक की पहचान गया जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र के चिपका बिगहा गांव निवासी देवकुंड यादव के पुत्र दिनेश कुमार के रूप में की गई है.थानाध्यक्ष विवेक भारती ने बताया कि बिना चालान वाले ट्रैक्टर के चालक दिनेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है.गिरफ्तार चालक को जेल भेज दिया गया है.अवैध बालू लदे ट्रैक्टर की सूचना खनन विभाग को दे दी गयी,जिसके बाद खनन विभाग के अधिकारी गोविंद कुमार ने बताया कि अवैध बालू लदे एक हाइवा ट्रक पकड़े जाने का प्रतिवेदन खनन विभाग को दिया है.बिना चालान वाले हाइवा ट्रक के विरुद्ध अवैध खनिज पदार्थ के ढुलाई को लेकर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गई.जबकि बिना चालान वाले बालू लदे ट्रक पर 9,01,175 जुर्माना किया गया है।

चौक-चौराहों पर अलाव की कराई व्यवस्था

मसौढ़ी! नगर परिषद प्रशासन द्वारा रात्रि में कड़ाके की ठंड को देखते हुए नगर के विभिन्न चौक-चौराहों पर अलाव जलाई गई।अलाव जलाने के बाद राहगीरों एवं जरूरतमंद लोगों को अलाव से थोड़ी बहुत राहत मिली।वहीं अलाव की विधि व्यवस्था को देखने के लिए वार्ड पार्षद उज्ज्वल कुमार ने देर संध्या नगर के विभिन्न चौक चौराहों पर पहुंच कर निरीक्षण किया.वार्ड पार्षद उज्ज्वल कुमार ने बताया कि शहरवासियों के मांग पर वं अधिक ठंड को देखते हुए रात्रि में नगर परिषद की मदद से अलाव जलाई गई. शहर के चौक चौराहा पर अलाव जलाने की व्यवस्था की गई.उन्होंने बताया कि जब तक ठंड रहेगी, तब तक चयनित जगहों पर अलाव की व्यवस्था को लेकर तैयारी की गई है। ताकि ठंड में जरूरतमंदों को अलाव मिल सकें। उन्होंने कहा कि जब तक कड़ाके की ठंड रहेगी।तब तक चयनित जगहों पर अलाव सुबह-शाम व्यवस्था कराने के लिए संबंधित कार्यों को निर्देशित किया गया है,ताकि आवश्यकता पड़ने पर जरूरतमंदों को रहात मिल सके।

रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

हाजीपुर। वैशाली में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में करीब 60 वर्षीय एक अधेड़ व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। यह घटना हाजीपुर–मुजफ्फरपुर रेलखंड पर स्थित बेनीपट्टी पीरापुर हाल्ट के पास की है। हादसे की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। मृत व्यक्ति की अब तक पहचान नहीं हो सकी है, जबकि उसका क्षत-विक्षत शव रेलवे ट्रैक के पास पड़ा हुआ मिला। बताया जा रहा है कि सुबह करीब चार बजे रेलवे पुलिस की पेट्रोलिंग टीम ने स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, ट्रैक के किनारे एक अज्ञात अधेड़ का शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हालत में पड़ा हुआ था, जिससे प्रथम दृष्टया ट्रेन से कटने की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर जुटने लगे। घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान पुलिस को मृत व्यक्ति की चप्पल बेनीपट्टी पीरापुर हाल्ट के पास ही पड़ी मिली। वहीं शव ट्रैक से कुछ दूरी पर क्षत-विक्षत अवस्था में मिला, जिससे मामला और भी संदिग्ध हो गया है। पुलिस का कहना है कि शव की हालत इतनी खराब है कि फिलहाल उसकी पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा है। स्थानीय लोगों और पुलिस दोनों की ओर से आशंका जताई जा रही है कि यह मामला महज दुर्घटना का नहीं, बल्कि आत्महत्या का भी हो सकता है। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जब तक शव की शिनाख्त नहीं हो जाती और परिजनों से संपर्क नहीं होता, तब तक किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही रेल पुलिस के साथ-साथ गोरौल थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। यह जानने की कोशिश की जा रही है कि मृत व्यक्ति सुबह-सुबह ट्रैक के पास कैसे पहुंचा और क्या किसी ने उसे वहां जाते देखा था।

वैशाली में कालाबाजारी–भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन

सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने झंडा-बैनर लेकर निकाला जुलूस, कहा- बिना रिश्वत हो काम

निज संवाददाता। हाजीपुर

वैशाली प्रखंड कमेटी के तत्वावधान में एक विरोध प्रदर्शन और जुलूस निकाला गया। प्रखंड सचिव सिंघेश्वर भगत और जिला कमेटी सदस्य रामनाथ राय के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने इसमें हिस्सा लिया। कार्यकर्ता वैशाली हाई स्कूल के निकट से झंडा-बैनर के साथ जुलूस के रूप में निकले। जुलूस के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'इंकलाब जिंदाबाद' और पार्टी के नारे लगाए। उन्होंने प्रशासनिक भ्रष्टाचार, जन-कल्याण योजनाओं में गड़बड़ी और जनसमस्याओं के समाधान की मांग की।

यूरिया की कालाबाजारी पर रोक को प्रोटेस्ट: प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में यूरिया की कालाबाजारी पर रोक, थाना और प्रखंड कार्यालयों में घूसखोरी बंद करना, बिना नोटिस विस्थापन रोकना, हाथियों से फसल क्षति पर नियंत्रण, राशन में घटतौली और खराब अनाज के वितरण पर अंकुश लगाना शामिल था। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार समाप्त करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीद शुरू करने, स्वास्थ्य केंद्रों पर दवा और डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी पर रोक लगाने तथा महिला एवं बाल सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। जुलूस मुख्य मार्ग से होते हुए थाने के सामने से गुजरा और अंत में प्रखंड कार्यालय पहुंचा। यहां यह एक सभा में परिवर्तित हो गया। सभा की अध्यक्षता सिंघेश्वर भगत ने की, जबकि संचालन रामनाथ राय ने किया।

सभा को संबोधित करते हुए जिला कमेटी के वरिष्ठ सदस्य डॉ. राजेंद्र शर्मा ने जनकल्याणकारी योजनाओं को बिना किसी रिश्वत के लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने हाथियों के उपद्रव को रोकने, राशन दुकानों पर निगरानी बढ़ाने और जनता की अन्य मांगों को तत्काल पूरा करने की मांग की। राज्य कमेटी सदस्य इंद्रदेव राय, जिला सचिव ललित कुमार घोष और शिक्षा बचाओ कमेटी के राज्य संयोजक रामप्रीत राय ने भी सभा को संबोधित किया।

पूंजीवादी व्यवस्था में गरीब, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग प्रभावित: उन्होंने कहा कि पूंजीवादी व्यवस्था में गरीब, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग प्रभावित होता है, जबकि पूंजीपति वर्ग लाभान्वित होता है। उन्होंने इस विषमता को दूर करने के लिए जनांदोलनों को तेज करने और क्रांतिकारी रास्ता अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर रामबाबू भक्त, शिवनाथ कुमार, लक्ष्मण राय, रवि रंजन पासवान, गणेशी पासवान, मोहम्मद मुस्लिम, मोमिना खातून, गेनिया देवी और रघुवीर भगत सहित कई अन्य कार्यकर्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

ससुरालियों के कहने पर पुलिस ने पीटा, जमीन-जायदाद पर थी नजर

निज संवाददाता। हाजीपुर

वैशाली के देसरी थाना क्षेत्र के उफरौल गांव में 28 वर्षीय प्रीतेश कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि पत्नी के मायके चले जाने और ससुराल वालों के कहने पर पुलिस द्वारा पिटाई किए जाने के बाद प्रीतेश ने यह कदम उठाया।

प्रीतेश की पत्नी ने घर पर बुलाई थी पुलिस: परिजनों के अनुसार, बुधवार को प्रीतेश की पत्नी ने घर पर पुलिस को बुलाया था। इसके बाद पुलिस ने प्रीतेश की पिटाई की। इसी घटना के बाद रात में उन्होंने फांसी लगा ली, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान रामदयाल सिंह के पुत्र के रूप में हुई है।

ससुराल पक्ष से चल रहा था विवाद: प्रीतेश की शादी लगभग तीन साल पहले कटिहार में हुई थी। उनकी एक साल की मासूम बेटी भी है। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष से उनका विवाद चल रहा था। पत्नी ने अपने पिता, भाई और अन्य लोगों को बुलवाकर देसरी पुलिस से अपने पति को पिटवाया था। इसके बाद वह बेटी को लेकर अपने मायके कटिहार चली गई थीं।

पति को अपने साथ मायके में रहने को कह रही थी पत्नी: बताया जा रहा है कि मृतक की पत्नी ससुराल में नहीं रहना चाहती थीं और पति को अपने साथ मायके में रहने के लिए कह रही थीं, जो प्रीतेश को पसंद नहीं था। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रीतेश की जमीन-जायदाद पर ससुराल वालों की बुरी नीयत थी। मृतक के 65 वर्षीय पिता रामदयाल सिंह ने बताया कि उनकी बहू का व्यवहार ठीक नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी समधन ने ही अपनी बेटी के व्यवहार को बिगाड़ा था।

पिता बोले-पोती को लेकर मायके चली गई बहू: उन्होंने कहा कि बहू ने अपने भाई और पिता को बुलवाकर देसरी पुलिस से उनके बेटे को पिटवाया और पोती को लेकर मायके चली गई, जिसके बाद प्रीतेश ने यह कदम उठाया। प्रीतेश छह बहनों में इकलौता भाई था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। मृतक के पिता अपने बेटे के शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए पहुंचे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिंदा मां को मृत दिखाकर बेटे ने बेच दी जमीन, पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

निज संवाददाता। हाजीपुर

हाजीपुर में एक चौंकाने वाले मामले में, एक बेटे पर अपनी जीवित मां को मृत दिखाकर लाखों रुपए की जमीन बेचने का आरोप लगा है। पीड़ित कैलाश देवी ने आरोप लगाया है कि उनके बड़े बेटे ने धोखाधड़ी से उनकी जमीन बेच दी। न्याय के लिए पहले हरिलोचनपुर सुक्की थाने में शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद, कैलाश देवी अपने छोटे बेटे नंद किशोर सिंह के साथ हाजीपुर न्यायालय पहुंचीं। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वैशाली के पुलिस अधीक्षक को प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई का निर्देश दिया। इस आदेश के बाद, 12 सितंबर को नगर थाना, हाजीपुर में मामला दर्ज किया गया।

बिहार सरकार को इस जमीन का लगान भी देती रहीं: प्राथमिकी के अनुसार, कैलाश देवी उर्फ कैलसिया देवी खाता संख्या 529, खेसरा नंबर 325 और जमाबंदी संख्या 1252 में दर्ज जमीन की वैध मालिक हैं। वह नियमित रूप से बिहार सरकार को इस जमीन का लगान भी देती रही हैं। आरोप है कि कैलाश देवी के बड़े बेटे नवल किशोर सिंह ने गांव के अरुण कुमार सिन्हा के साथ मिलकर यह साजिश रची। उन्होंने 3 जुलाई 2025 को हाजीपुर जिला निबंधन कार्यालय में एक फर्जी बिक्री विलेख तैयार कराया। इस विलेख में कैलाश देवी को मृत दर्शाया गया, जबकि वह जीवित थीं। इस फर्जी रजिस्ट्री की डीड संख्या 7523 है।

हाजीपुर जिला निबंधन कार्यालय की भूमिका भी संदेह के घेरे में: इस पूरे प्रकरण में हाजीपुर जिला निबंधन कार्यालय की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। आरोप है कि रजिस्ट्री के दौरान न तो दस्तावेजों की सही तरीके से जांच की गई और न ही स्थल सत्यापन किया गया। कातिब, गवाह, पहचानकर्ता, विक्रेता और क्रेता की मिलीभगत से यह फर्जी रजिस्ट्री पूरी कराई गई। 'पेशा काश्तकारी' दिखाकर इस धोखाधड़ी को वैध रूप देने का प्रयास किया गया।

गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही: पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनमें कातिब रंजीत सिंह की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है, और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। नगर थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए चार आरोपियों में कैलाश देवी का बड़ा बेटा और विक्रेता नवल किशोर सिंह, क्रेता अरुण कुमार सिन्हा, मौदह बुजुर्ग निवासी पहचानकर्ता सुनील भगत और गवाह रामबाबू सहनी शामिल हैं।

ईस्ट सेंट्रल रेलवे प्रमोटी ऑफिसर्स एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा और पारिवारिक मिलन समारोह संपन्न

निज संवाददाता। हाजीपुर

ईस्ट सेंट्रल रेलवे प्रमोटी ऑफिसर्स एसोसिएशन (ECRPOA) की वार्षिक आम सभा (AGM) एवं पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन सोमवार ऑफिसर क्लब, महेन्द्रू घाट, पटना में किया गया। इस अवसर पर मुख्यालय सहित विभिन्न मंडलों से बड़ी संख्या में प्रमोटी ऑफिसर्स की उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम बेहद सार्थक, यादगार और प्रेरणादायी बन गया। वार्षिक आम सभा के दौरान सिविल, पर्सनल, अकाउंट्स, स्टोर्स तथा सिग्नल-टेलीकॉम विभागों से जुड़े प्रमोटी ऑफिसर्स की पदोन्नति में आ रही बाधाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही सभी विभागों में वरिष्ठ स्केल में एड-हॉक पदोन्नति की मांग को प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से पदोन्नति प्रक्रिया में विलंब से अधिकारियों में असंतोष बढ़ रहा है, जिसका शीघ्र समाधान आवश्यक है। बैठक में इंडियन रेलवे प्रमोटी ऑफिसर्स फेडरेशन (IRPOF) के सलाहकार एच.सी. यादव और बी.के. दास, पूर्व अध्यक्ष पी.आर. सिंह और जे.पी. सिंह, वर्तमान अध्यक्ष दीपक राज राय तथा महासचिव अमित जैन ने प्रमोटी ऑफिसर्स से जुड़ी समस्याओं पर अपने विचार और बहुमूल्य सुझाव रखे। सभी वक्ताओं ने संगठनात्मक एकजुटता पर जोर देते हुए अधिकारों के लिए सामूहिक प्रयास को जरूरी बताया। बैठक के उपरांत पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यरत अधिकारी, सेवानिवृत्त सहयोगी और उनके परिजन शामिल हुए। सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुए इस आयोजन ने संगठन और परिवारों के बीच आपसी जुड़ाव को और मजबूत किया। कार्यक्रम के अंत में ईस्ट सेंट्रल रेलवे प्रमोटी ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद पासवान और महासचिव रविंद्र कुमार राज ने सभी सदस्यों के सक्रिय सहयोग और सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वार्षिक आम सभा और पारिवारिक मिलन समारोह में दिखाई गई एकता, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा संगठन को नई दिशा और संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

वेतन वृद्धि को लेकर सफाई कर्मचारियों ने की हड़ताल

निज संवाददाता। मसौढ़ी

स्थानीय नगर परिषद के सफाईकर्मियों ने सोमवार को अपने वार्ड में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, कचरा उठाव एवं नियमित सफाई का कार्य ठप रहा.सफाई नहीं होने के कारण शहर के विभिन्न इलाकों में गंदगी का अंबार लग गया है और कई स्थानों पर कूड़ा सड़क पर बिखरा हुआ है.सफाई कर्मियों द्वारा वेतन वृद्धि को लेकर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण,कचरा उठाव एवं नियमित सफाई का कार्य ठप रहा. हालांकि एजेंसी ठेकदार से वार्ता के बाद हड़ताल समाप्त कर दिया गया।बताया जाता है कि नगर परिषद के गांधी मैदान में सफाई कर्मी एकजुट होकर सभी ने वेतन वृद्धि को लेकर सोमवार को वार्ड में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, कचरा उठाव एवं नियमित सफाई का कार्य बंद कर दिया. जिससे काम बाधित हो गया. कर्मियों ने बताया कि हमलोग वर्षों से 310 रुपए हाजिरी पर कार्य करते आ रहे हैं। महंगाई को देखते हुए हमलोगों का वेतन नहीं बढ़ाया जा रहा है।कम से कम हमलोगों की हाजिरी500 रुपए की जाए.वही सफाई कर्मी के हड़ताल की सूचना पर पहुंचे सफाई एजेंसी वाले ने सफाईकर्मियों से वार्ता शुरू किया।सफाईकर्मियों की मांग पर बहुत जल्द सहानुभूति पूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। इसके बाद सफाई कर्मियों ने हड़ताल को समाप्त कर दिया.

नवी मुंबई से सोना लूट के आरोपी मुजफ्फरपुर से अरेस्ट, बिहार एसटीएफ, मुंबई क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

निज संवाददाता। मुजफ्फरपुर

बिहार एसटीएफ और मुंबई क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने नवी मुंबई में हुई करोड़ों की सोना लूट के मामले में मुजफ्फरपुर से दो आरोपियों अरेस्ट किया है। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी बेला थाना क्षेत्र से की गई है। आरोपियों के पास से बिहार एसटीएफ और मुंबई क्राइम ब्रांच ने लूटे गए कई आभूषण भी बरामद किए गए हैं। घटना नवी मुंबई के नेरुल स्थित 'संगम गोल्ड ज्वेलर्स' (सेक्टर-42 सी-वुड) से संबंधित है। बीते 22 दिसंबर 2025 को अपराधियों ने इस शोरूम में धावा बोलकर लगभग 2 करोड़ 62 लाख 26 हजार रुपए मूल्य के सोने के आभूषण लूट लिए थे। इस वारदात के बाद नवी मुंबई के एनआरआई सागरी पुलिस स्टेशन में कांड संख्या 469/25 भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज किया गया था।

वारदात को अंजाम देकर मुजफ्फरपुर आ गए थे आरोपी: वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपनी पहचान छिपाने के लिए बिहार भाग गए थे। मुंबई क्राइम ब्रांच ने तकनीकी सर्विलांस और वैज्ञानिक जांच के आधार पर बिहार एसटीएफ से संपर्क किया। सूचना मिली कि आरोपी मुजफ्फरपुर के बेला थाना क्षेत्र में छिपे हुए हैं। इसके बाद, दोनों राज्यों की पुलिस टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संयुक्त छापेमारी की और घेराबंदी कर दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान रामानंद यादव उर्फ आनंद यादव और रामजन्म गोंड के रूप में हुई है। रामानंद यादव उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जबकि रामजन्म उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का रहने वाला है।

आरोपियों के पास से लूट के आभूषण बरामद: गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की और तलाशी ली, तो उनके पास से लूट का काफी सामान बरामद हुआ।

पूर्व रेलवे

जीईएम बोली सं.: जीईएम/2025/बी/7030947, दिनांक: 22.12.2025, मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्व रेलवे वर्कशॉप, काँचरापाड़ा, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, पिन-743145 द्वारा जीईएम के माध्यम से खुली निविदा के जरिए 03 (तीन) वर्ष की अवधि के लिए पूर्व रेलवे, काँचरापाड़ा की रेलवे कॉलोनियों, ऑफिसर्स क्लब और सबऑर्डिनेट रेस्ट हाउस की देखरेख हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा मूल्य:** रु. 5,69,09,676.81 जीएसटी 18% सहित। **बयाना राशि:** रु. 4,34,550/-, **निविदा कागजात की लागत:** रु.0.00, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 12.01.2026 को 14.00 बजे। निविदा कागजात और संपूर्ण विवरण वेबसाइट www.gem.gov.in पर उपलब्ध है।
MISC-340/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

मुजफ्फरपुर में 10 डिग्री पहुंचा न्यूनतम तापमान, ठिठुरन बढ़ी, कोल्ड डे की स्थिति

निज संवाददाता। मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में लगातार ठंड बढ़ रही है। सुबह और रात में ठिठुरन बढ़ गई है मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को जिले का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मंगलवार तक कोल्ड डे की स्थिति बनी रह सकती है। पहाड़ी इलाकों में हो रही लगातार बर्फबारी का असर मैदानी क्षेत्रों में साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। इसका सीधा प्रभाव मुजफ्फरपुर के मौसम पर पड़ा है, जहां कनकनी वाली पछुआ हवा सिहरन पैदा कर रही है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटे में तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन ठंड का असर अधिक महसूस किया जा रहा है। सुबह के समय हल्की ठंड और ठंडी हवा के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश की कोई संभावना नहीं जताई गई है, लेकिन ठंड का प्रभाव फिलहाल बना रहने की संभावना है।

आज से 1 जनवरी तक 8वीं तक के सभी सरकारी, निजी स्कूल बंद: बढ़ती ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाया है। जिलाधिकारी के आदेश पर 29 दिसंबर से 1 जनवरी तक जिले के सभी सरकारी, निजी और मान्यता प्राप्त स्कूलों में नर्सरी से आठवीं कक्षा तक की पढ़ाई पर रोक लगा दी गई है। आदेश का उद्देश्य छोटे बच्चों को ठंड से होने वाली बीमारियों से बचाना बताया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नौवीं कक्षा और उससे ऊपर की कक्षाएं पूर्व निर्धारित समय के अनुसार संचालित होंगी, जबकि स्कूल प्रबंधन को आदेश का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील: मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले कुछ दिनों तक सुबह-शाम ठंड का असर जारी रह सकता है।

GOVT. OF BIHAR
BIHAR COMBINED ENTRANCE COMPETITIVE EXAMINATION BOARD
I.A.S. Association Building, Near Patna Airport, Patna-14.
Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

UNDER GRADUATE MEDICAL ADMISSION COUNSELLING (UGMAC)-2025 for MBBS/ BDS/ B.V.Sc. & A.H. in Govt. Medical / Dental / Veterinary Colleges and Private Medical / Dental Colleges of Bihar

Adv. No.- BCECEB(UGMAC)-2025/30 Dated 29.12.2025

Notice for Online Special Stray Vacancy Round Counselling

विज्ञापन संख्या- BCECEB(UGMAC)-2025/29 दिनांक 19.12.2025 के क्रम में UGMAC-2025 से सम्बन्धित सभी अभ्यर्थियों / सम्बन्धित संस्थानों / सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.12.2025 को पर्षद के वेबसाईट पर उपलब्ध कराई गई UGMAC-2025 की Special Stray Vacancy Round Counselling का Provisional Seat Allotment Result में तकनीकी त्रुटी पाये जाने के कारण वापस लेते हुए संशोधित Provisional Seat Allotment Result पर्षद के वेबसाईट पर आज दिनांक 29.12.2025 को उपलब्ध करा दी गयी है।

अभ्यर्थी Counselling portal के माध्यम से पुन: Revised Provisional Seat Allotment Order download करेंगे तथा अपने Revised Provisional Seat Allotment Order पर छपे Reporting Centre पर विस्तारित तिथि अनुसार Document Verification की प्रक्रिया पूरी करेंगे।

उक्त के आलोक में Special Stray Vacancy Round Counselling हेतु Document Verification/ Admission की तिथि extend करते हुए निम्नवत् विस्तारित की जाती है;

क्र.	कार्यक्रम	विस्तारित तिथि
i.	Special Stray Vacancy Round Revised Provisional Seat Allotment Result publication date .. :	**29.12.2025**
ii.	**Downloading of Revised Allotment order** (Special Stray Vacancy Round) ..... :	**29.12.2025** to **31.12.2025**
iii.	**Last Date of Documents Verification and Admission** (Special Stray Vacancy Round) ..... :	**31.12.2025**

2. वैसे अभ्यर्थी, जो दोनों, अर्थात जो पूर्व प्रकाशित Seat Allotment Result के साथ-साथ Revised Seat Allotment Result में सम्मिलित हैं और दिनांक 29.12.2025 को Document Verification करा कर Admission ले चुके हैं, उन्हें पुन: Document Verification/ Admission कराने की आवश्यकता नहीं है, उनका नामांकन valid रहेगा।

3. सम्बन्धित सभी अभ्यर्थी, जो document verification करा कर नामांकन नहीं लिए हैं, अपना Revised Allotment Order पुन: download कर Reporting centre पर उपस्थित हो कर Document Verification / Admission कराना सुनिश्चित करेंगे।

4. पूर्व प्रकाशित विज्ञापन संख्या-BCECEB(UGMAC)-2025/27 दिनांक 11.12.2025 एवं 2025/29 दिनांक 19.12.2025 की अन्य शर्तें / नियम यथावत् रहेंगी।

परीक्षा नियंत्रक

संक्षिप्त समाचार

काराकाट पुलिस ने हत्या के प्रयास के आरोपी प्रेमशंकर तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

काराकाट/ रोहतास। रोहतास जिले के काराकाट थाना क्षेत्र के गोडारी बुढ़वा महादेव के पास जमकर मारपीट की घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि इस मारपीट में गंभीर चोटें लगने के कारण गोडारी निवासी स्वर्गीय राजू तिवारी के पुत्र मनीष कुमार तिवारी ने हत्या के प्रयास का आवेदन दिया। इसके आधार पर कांड संख्या 556/25 दर्ज कर मुख्य आरोपी, स्वर्गीय राम मूर्ति तिवारी के पुत्र प्रेमशंकर तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। घटना की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि बुढ़वा महादेव स्थल पर दोनों पक्षों के बीच जमकर झड़प हुई, जिसमें हत्या के प्रयास जैसी साजिश रची गई। मनीष कुमार तिवारी के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी प्रेमशंकर को हिरासत में ले लिया। जांच पूरी होने पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। दूसरे पक्ष से भी काउंटर एफआईआर दर्ज हुई है। प्रेमशंकर तिवारी की माता राम कुमारी कुंअर ने काराकाट थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें गोडारी निवासी स्वर्गीय राजू तिवारी के पुत्र मनीष कुमार तिवारी उर्फ बिगु और पवन तिवारी उर्फ ललटू तिवारी को आरोपी बनाया गया। राम कुमारी ने आरोप लगाया कि इन दोनों ने उनके बेटे पर मारपीट की। इस पर भी मारपीट की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने स्पष्ट किया कि प्रेमशंकर तिवारी की गिरफ्तारी जांच के आधार पर हुई है। दोनों पक्षों के अन्य मामलों की जांच जारी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पैसे और पांच बकरियां जलकर राख

पिपरा, (सुपौल)। थाना क्षेत्र की तुलापट्टी पंचायत स्थित लाल पट्टी (वार्ड-2) में रविवार की रात शॉर्ट सर्किट ने एक परिवार की खुशियां और उम्मीदें उजाड़ दीं। अचानक लगी भीषण आग में गुलाब मंडल का घर जलकर राख हो गया। इस हादसे में न केवल घर का सारा सामान जल गया, बल्कि पांच बकरियों की मौत हो गई और अपनी जान जोखिम में डालकर मवेशियों को बचाने गई गृहस्वामी की पत्नी भी बुरी तरह झुलस गई। पीड़ित गुलाब मंडल ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी के ऑपरेशन के लिए बैंक से 10 हजार रुपये निकालकर घर में रखे थे। आग की लपटों ने उन पैसों के साथ-साथ एक साइकिल, मोबाइल और अनाज समेत घर का सारा कीमती सामान खाक कर दिया। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरा घर आग की आगोश में समा गया। जब घर में आग लगी, तो मवेशियों को बचाने के प्रयास में गुलाब मंडल की पत्नी सीता देवी गंभीर रूप से झुलस गईं। वहीं, एक गाय की बाछी भी आग की चपेट में आने से घायल हो गई है। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जिससे आसपास के अन्य घर जलने से बच गए। घटना की सूचना मिलने के बाद जब तक दमकल की टीम पहुंची, ग्रामीण आग बुझा चुके थे। घटना की जानकारी मिलने पर पिपरा सीओ उमा कुमारी ने कहा कि हल्का कर्मचारी को मौके पर भेजकर नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया गया है। सरकारी नियमानुसार पीड़ित परिवार को जल्द ही सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि परिवार की आर्थिक स्थिति और बेटी के इलाज की जरूरत को देखते हुए उन्हें विशेष मदद दी जाए।

सहरसा सेल टैक्स ऑफिस में निगरानी का धावा, 75 हजार घूस लेते चपरासी गिरफ्तार, साहब पर भी आरोप

सहरसा। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग ने सोमवार को सहरसा में बड़ी स्ट्राइक की है। सेल टैक्स विभाग (राज्य कर संयुक्त आयुक्त कार्यालय) में तैनात चपरासी शंकर कुमार को 75 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। हैरानी की बात यह है कि पीड़ित ने सीधे तौर पर बड़े अधिकारी की संलिप्तता का आरोप लगाया है। सिमरी बख्तियारपुर के टायर व्यवसायी सिराजुल होदा का बैंक अकाउंट विभाग ने मार्च 2025 में फ्रीज कर दिया था। व्यवसायी का आरोप है कि 12 लाख के बकाये को पहले 'मानवीय भूल' बताया गया और फिर उसे रफा-दफा करने के लिए घूस की मांग की गई। व्यवसायी के मुताबिक, राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रवीण कुमार ने ही उसे चपरासी शंकर से मिलकर पैसे देने को कहा था। निगरानी डीएसपी पवन कुमार (द्वितीय) के नेतृत्व में 15 सदस्यीय टीम ने सोमवार को कार्यालय में जाल बिछाया। जैसे ही चपरासी ने घूस की रकम थामी, टीम ने उसे दबोच लिया। हाथ धुलवाते ही घोल का रंग गुलाबी हो गया, जो रिश्वत की पुष्टि करता है। फिलहाल अधिकारी की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

सहरसाः विकास की पटरी पर दौड़ा जिला 28 वर्षों का 'जाम' अब होगा खत्म

सहरसा। कोसी क्षेत्र के हृदयस्थल सहरसा के लिए 2025 का साल विकास की नई इबारत लिख रहा है। दशकों से जिस क्षण का शहरवासियों को इंतजार था, वह बुधवार को हकीकत में बदल गया। शहर के बीचों-बीच बंगाली बाजार स्थित रेलवे समपार संख्या 31 पर बहुप्रतीक्षित रेलवे ओवरब्रिज (ROB) का निर्माण कार्य आखिरकार शुरू हो गया है। यह परियोजना सहरसा के धैर्य की परीक्षा जैसी रही है। इसका शिलान्यास पहली बार तत्कालीन रेल राज्य मंत्री दिग्विजय सिंह ने किया था। इसके बाद साल 2005 में लालू प्रसाद यादव और 2014 में अधीर रंजन चौधरी ने भी इसकी आधारशिला रखी थी। लेकिन तकनीकी अड़चनों और टेंडर रद्द होने के कारण यह प्रोजेक्ट फाइलों में ही दबा रहा। अब 143 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से यह ब्रिज सहरसा की लाइफलाइन बनेगा। निर्माण एजेंसी को 30 महीने का समय दिया गया है, जिसे 2 साल के भीतर ही तेज गति से पूरा करने का लक्ष्य है। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार, सहरसा में जन कल्याणकारी योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक बुधवार और गुरुवार को विभिन्न विभागों (ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, जीविका, कृषि और पथ प्रमंडल) के अधिकारी सीधे प्रखंडों में जाकर योजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। इस पहल से भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है और विकास की किरण समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है। बहरहाल, सहरसा अब केवल आंदोलनों का केंद्र नहीं, बल्कि विकास का गवाह बन रहा है। 28 साल का लंबा इंतजार खत्म होना इस बात का प्रतीक है कि दृढ़ इच्छाशक्ति से बड़ी से बड़ी बाधा दूर की जा सकती है।

कड़ाके की ठंड के बीच सांसद प्रतिनिधि ने आश्रय स्थल का किया औचक निरीक्षण, प्रचार-प्रसार के दिए निर्देश

सिमरी बख्तियारपुर,(सहरसा)। क्षेत्र में पड़ रही कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए बीती रात सिमरी बख्तियारपुर नगर परिषद क्षेत्र स्थित रैन बसेरा (आश्रय स्थल) का भाजपा नेता व सांसद प्रतिनिधि रितेश रंजन ने औचक निरीक्षण किया। रात के वक्त अचानक हुए इस निरीक्षण से आश्रय स्थल के कर्मियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान श्री रंजन ने आश्रय स्थल में मौजूद व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने वहां साफ-सफाई, कंबल, बिस्तर, पेयजल और सुरक्षा व्यवस्था की पड़ताल की। साथ ही, वहां ठहरे हुए जरूरतमंद लोगों से बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की हकीकत जानी।

सूचना के अभाव पर जताई चिंता : सांसद प्रतिनिधि ने इस बात पर गंभीर चिंता व्यक्त की कि आश्रय स्थल की जानकारी आम जनमानस तक सही ढंग से नहीं पहुंच पा रही है। उन्होंने कहा, "इस आश्रय स्थल का लाभ जरूरतमंदों को तभी मिलेगा जब उन्हें इसके बारे में पता होगा। वर्तमान में बहुत कम लोगों को इसकी जानकारी है।"

प्रमुख स्थानों पर लगेंगे सूचना बोर्ड : रितेश रंजन ने नगर परिषद प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि जल्द से जल्द रेलवे स्टेशन, टेंपो स्टैंड, अस्पताल, प्रमुख चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर आश्रय स्थल से संबंधित सूचना बोर्ड लगवाए जाएं। इन बोर्डों पर हेल्पलाइन नंबर भी अंकित किया जाए ताकि कोई भी असहाय व्यक्ति ठंड के मौसम में इस सुविधा से वंचित न रहे।

आगे भी जारी रहेंगे निरीक्षण : उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की मंशा है कि कोई भी बेसहारा व्यक्ति ठंड में खुले आसमान के नीचे रात न बिताए। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर पूरी सजगता जरूरी है। श्री रंजन ने चेतावनी देते हुए कहा कि व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए इस तरह के औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे। इस मौके पर वैश्य समाज के अनुमंडल अध्यक्ष सुमित गुप्ता, सुभाष चंद्रा, रौशन राज, शंकर कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

अगरेड़ में जलभरी के साथ हुई श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की शुरुआत

रजनी कान्त पाण्डेय

बिक्रमगंज /रोहतास । रोहतास जिला अंतर्गत सूर्यपुरा प्रखंड के अगरेड़ गांव में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की जलयात्रा का अलौकिक दृश्य बहुत ही अद्भुत दिखाई पड़ रहा था। भारत के महान मनीषी संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज के तत्वाधान में सोमवार से श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की जल यात्रा के साथ शुरुआत हुआ। सुबह के लगभग 10:00 बजे से प्रवचन पंडाल में सभी यजमान सहित भक्त श्रद्धालु दिव्य अलौकिक पीले वस्त्र पहनकर के हाथ में कलश लिए पहुंचे हुए थे। जल यात्रा की शुरुआत वैदिक मंत्रोंच्चार के साथ शुरू हुआ। भारत के अलग-अलग क्षेत्र से आए दिव्य महापुरुष, विद्वान, संत, महात्मा की उपस्थिति में जलयात्रा के साथ श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ प्रारंभ हुआ।

इस भव्य जलयात्रा में रथ, ऊंट, हाथी, घोड़ा सैकड़ों की संख्या में आगे आगे कतार वध होकर के चल रहे थे। अगरेड़ गांव से जल यात्रा मां यक्षिणी भवानी भलुनी धाम के लिए निकाली गई। जिसमें हजारों हजार की संख्या में महिलाएं, पुरुष, बच्चे, बच्चियों सहित बुजुर्ग लोगों ने भी बढ़-चढ़ कर कलश यात्रा में हिस्सा लिए। सभी लोग कतार में होकर भगवान श्रीमन नारायण के नाम का जयकारा लगाते हुए आगे की तरफ बढ़ रहे थे। जल यात्रा में बहुत से श्रद्धालु भक्त अपने-अपने वाहनों से भी कतार में होकर के चल रहे थे। जिसमें सैकड़ो की संख्या में दो पहिया एवं चार पहिया वाहन से भी बहुत से श्रद्धालु भक्त शामिल हुए। मां भलुनी भवानी से लेकर अगरेड़ गांव तक भक्त श्रद्धालुओं की लंबी कतार दिखाई पड़ रही थी। मानो पूरा क्षेत्र यज्ञमय हो गया है। इस अवसर पर भारत के महान मनीषी संत श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि यज्ञ से प्रकृति, समाज, संस्कृति, संस्कार, सभ्यता, मानव का कल्याण होता है। यज्ञ हमारे जीवन के साथ-साथ संपूर्ण विश्व के लिए मंगलकारी है। जिससे पूरे ब्रह्मांड में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मौके पर आयोजन समति के गुप्त नाथ पाण्डेय ,नंदकुमार दुबे, जनार्दन पाण्डेय, रविंद्र चौबे, विमल पाण्डेय, अक्षय पाण्डेय, नंद जी पांडेय, भुनेश्वर पाण्डेय, कमलेश पांडेय, मुन्ना पाण्डेय, अखिलेश दुबे, पिंटू पांडेय, लक्ष्मी कान्त पाण्डेय, राजभूषण पाण्डेय, अभय पाण्डेय, उपेंद्र पांडेय, नोखा जिला परिषद मेलू मिश्रा, प्रियरंजन दुबे उर्फ बड़क बाबा, संदीप पाण्डेय, पप्पु पाण्डेय ,नीतीश और पाण्डेय ने दिया।

मारपीट व चली गोली मे आधा दर्जन घायल, 16 गिरफ्तार

निज संवाददाता। कोचस (रोहतास)

थाना क्षेत्र के अमैसीडीहरा गांव मे समोसे उधार ना देने पर रविवार की देर रात दो पक्षो मे जमकर मारपीट हुई जिसमें मारपीट मामले में दोनों पक्ष के आधा दर्जन घायल हो गए। घटना के बारे में बताया जाता है कि रविवार की देर शाम अमैसीडीहरा गांव मे एक ग्राहक ने समोसे के दुकान से समोसे उधार मांगा जहां दुकानदार ने उधार देने से इनकार कर दिया तभी समोसा खरीदने गए ग्राहक ने दुकानदार से तू में मैं शुरू कर दिया, तू तू मै मै के साथ बात बढ़ती गई और मामला मारपीट तक पहुंच गया, इतना ही नहीं बल्कि एक पक्ष के लोगों के द्वारा एक दर्जन चक्र गोलियां भी चलाई गई, जिसमें आधा दर्जन घायल होने की सूचना प्राप्त हो रही है। घटना के बाद इसकी सूचना थाने को दी गई जहां पुलिस पहुंचते ही स्थिति नियंत्रण हुआऔर भगदड़ मच गई। वही दोनों पक्ष के लोग थाने पर पहुंच एक दूसरे के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई जहां पुलिस ने आवेदन ले मामले की छान बिन कर कानूनी कार्रवाई करते हुए दोनो पक्ष के 16 लोगो को गिरफ्तार किया है। इसकी पुष्टि करते थाना अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि समोसे को लेकर उपजे विवाद में मारपीट के साथ गोली चली जिसमें आधा दर्जन लोग घायल हुए। इस घटना में कुल 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी मे एक पक्ष के सुमन कुमार, रितेश कुमार, राम अवध चौधरी, दिनेश चौधरी, पिंटू चौहान, राजेश चौहान हरेंद्र सिंह और अमर चौधरी शामिल है जबकि दूसरे पक्ष से पप्पू कुमार बच्चा सिंह, सुरेश सिंह, रतन यादव, मुन्ना कुमार, कुश सी सिंह, अशोक कुमार सिंह, और पिंटू सिंह शामिल है। ये सभी ग्राम अमैसीडीहरा थाना कोचस जिला रोहतास के बताए गए हैं। वहीं पुलिस गिरफ्तारी बात कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अग्रतर कार्रवाई कर रही है।

परसिया के पर्चाधारकों ने भूमि पर कब्जा दिलाने का किया मांग

लाभुकों ने अंचल कार्यालय को दिया आवेदन

निज संवाददाता। राजपुर

क्षेत्र के परसिया गांव में वर्ष 2000 में बन्दोबस्त भूमि के पर्चाधारकों ने भूमि पर कब्जा दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को अंचल कार्यालय पहुंच अंचलाधिकारी को आवेदन प्रदान किया. लाभुकों ने बताया कि गृह स्थल के लिए सरकार से बन्दोबस्त दो डिसमिल भूमि बहुत दिन पहले मिल हुआ है,लेकिन भूमि पर कब्जा दुसरे लोग किये बैठे हैं. पांच छः वर्ष हो गये हैं.अंचल कार्यालय दौडते दौडते हम सभी थक चुके हैं.समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर हम सभी गरीब पर्चाधारक क्या करें ?

सरकार ने गृह स्थल योजना अंतर्गत हरिजन एवं कमजोर वर्गों के लिए आनाबाद बिहार सरकार भूमि का वितरण किया है.जिसका रसीद भी कट रहा है. उन्होंने कहा कि बन्दोबस्त भूमि खाता संख्या 70,खेसरा 190,104 अन्तर्गत लाभुक नरेश पासवान, बिजेंद्र पासवान,सम्भू पासवान व अन्य हैं.आवेदकों ने अंचलाधिकारी से बन्दोबस्त भूमि पर कब्जा दिलाने की गुहार लगाई है. मामले में अंचलाधिकारी पिंटू कुमार चौधरी ने बताया कि बंदोबस्त भूमि पर दखल कब्जा के लिए पर्चाधारकों ने आवेदन उपलब्ध कराया है.जल्द हीं स्थल निरीक्षण करके भूमि का पैमाईस करते हुए बन्दोबस्त भूमि पर दखल कब्जा दिलाया जायेगा.

गोदा रंगमन्नार विवाहोत्सव को लेकर संतो को किया गया सम्मानित

निज संवाददाता। राजपुर

गोदा रंगमन्नार विवाहोत्सव को लेकर सोमवार को क्षेत्र के अमरपुर गांव स्थित भगवान जगन्नाथ जी मठ पहुंच समाजसेवियों द्वारा साधु-संतों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया. मौके पर मौजूद सेवानिवृत्त शिक्षक समाजससेवी श्यामजी तिवारी, संतोष सोनी, बडन दुबे ने बताया कि धनुर्मास की शुरुआत 15 दिसंबर से हुआ है.इस अवसर पर जगन्नाथ मठ पर भगवान रंगनाथ एवं गोदा जी का विवाहोत्सव मनाया जा रहा है.जिसका समापन 14 जनवरी को विवाह कार्य के उपरांत होगा.

प्रतिदिन सुबह में पोंगल प्रसाद लोगों के बीच वितरण हो रहा है.घनघोर ठंढ पडना शुरू हो गया है.ऐसे में साधु-संतों को गर्म वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया.

उन्होंने कहा कि गोदा देवी माता लक्ष्मी का अवतार मानी जाती हैं एवं रंगनाथ जी भगवान विष्णु के स्वरूप हैं.दोनों के विवाहोत्सव को धनुर्मास के रूप में मनाये जाने की परंपरा है.यह उत्सव गोदा देवी के भगवान को पति रूप में पाने के व्रत और भगवान विष्णु का उनसे विवाह करने के वचन को पूरा करने का प्रतीक है.

ऐसा माना गया है कि गोदा देवी विवाह उपरांत श्री रंगनाथ जी के विग्रह में विलीन हो गई थी. मौके पर डिहरी ऑन सोन मठ के संत त्रिदंडी रंगनाथाचार्य, पवना पवार के साधु विजय सिंह जी,संत बिलास उर्फ बंगाली डाक्टर, बीरेन्द्र जी,मदनमोहन तिवारी,शनि वर्मा समेत अन्य मौजूद रहे.

थाने में वीडियो बनाने पर महिला को चेतावनी, बिना अनुमति सोशल मीडिया पर अपलोड करने पर मांगी माफी

निज संवाददाता। हाजीपुर

वैशाली के एक थाना परिसर में बिना अनुमति मोबाइल से वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने का मामला सामने आया है। इस प्रकरण में पुलिस ने संबंधित महिला को थाने बुलाकर कड़ी चेतावनी दी है। महिला ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी है। मामले को लेकर पुलिस प्रशासन ने इसे नियमों और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन बताया है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने जारी की विज्ञप्तिः पुलिस अधीक्षक कार्यालय, वैशाली की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया है कि महिला ने बिना किसी पूर्व अनुमति के थाना परिसर और वहां तैनात पुलिस कर्मियों का वीडियो रिकॉर्ड किया। इसके बाद उक्त वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रील के रूप में अपलोड कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि इस तरह की गतिविधियां थाना परिसर की सुरक्षा और गोपनीयता को प्रभावित कर सकती हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार थाना परिसर एक संवेदनशील स्थान होता है, जहां की गतिविधियां, संरचना और पुलिसकर्मियों की तैनाती सार्वजनिक करना सुरक्षा की दृष्टि से उचित नहीं है। बिना अनुमति वीडियो या फोटो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर साझा करने से कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दे उत्पन्न हो सकते हैं और असामाजिक तत्व इसका दुरुपयोग कर सकते हैं। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने संबंधित महिला को थाने बुलाया। वहां उसे विधिसम्मत तरीके से पूरे मामले की जानकारी दी गई और उसके कृत्य को नियमों के विरुद्ध बताया गया। पुलिस अधिकारियों ने महिला को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि भविष्य में इस तरह की गलती दोहराने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाने में पूछताछ के दौरान महिला ने अपनी गलती स्वीकार की और कहा कि उसने अनजाने में यह वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर डाल दिया। महिला ने अपने कृत्य पर पश्चाताप जताते हुए पुलिस और आमजन से माफी मांगी। पुलिस के अनुसार महिला के व्यवहार और पश्चाताप को देखते हुए मामले में नरमी बरती गई।

बंध पत्र भरवाकर छोड़ा गयाः प्रारंभिक जांच और महिला द्वारा माफी मांगे जाने के बाद पुलिस ने उससे बंध पत्र (बॉन्ड) भरवाया। इसके बाद उसे चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह एक चेतावनी स्वरूप की कार्रवाई है, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस तरह के नियम उल्लंघन से बचे।

थाना कर्मियों को भी दिए गए निर्देशः इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने थाना कर्मियों और पदाधिकारियों को भी आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। सभी थानों को कहा गया है कि थाना परिसर में किसी भी व्यक्ति द्वारा अनाधिकृत रूप से वीडियो या फोटो बनाने पर तत्काल रोक लगाई जाए और नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाए।

आमजन से पुलिस की अपीलः वैशाली पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और गोपनीयता का सम्मान करें। किसी भी पुलिस परिसर, सरकारी कार्यालय या संवेदनशील स्थान पर फोटो या वीडियो बनाने से पहले संबंधित अधिकारियों से अनुमति लेना अनिवार्य है।

बिना अनुमति वीडियो बनाना दंडनीय अपराधः पुलिस ने साफ किया है कि बिना अनुमति वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करना दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। इससे न केवल व्यक्ति स्वयं कानूनी परेशानी में पड़ सकता है, बल्कि पुलिस की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है।

नियमों के पालन की जिम्मेदारी सभी कीः पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पुलिस जनता की सेवा और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहती है, लेकिन कानून और नियमों का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। सोशल मीडिया के दौर में जिम्मेदार व्यवहार अपनाना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी तरह की गलतफहमी या सुरक्षा जोखिम से बचा जा सके।

पूर्णिया को मिला डबल इंजन विकास का भरोसा

निज संवाददाता। पूर्णिया

बिहार सरकार के उद्योग मंत्री सह पथ निर्माण विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल के सोमवार को पूर्णिया पहुंचने पर भाजपा जिलामंत्री नूतन गुप्ता ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने पूर्णिया विधानसभा क्षेत्र के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण सड़क निर्माण मांगें भी मजबूती से रखीं। भाजपा जिलामंत्री नूतन गुप्ता ने मंत्री डॉ. जायसवाल से हरदा से रानीपतरा दीवानगंज को जोड़ने वाली सड़क की चौड़ाई बढ़ाने तथा एनएच-31 और एनएच-131 को आपस में जोड़ने वाले पथ निर्माण की मांग की। उन्होंने कहा कि इस सड़क के बन जाने से पूर्णिया विधानसभा क्षेत्र की कई पंचायतें और गांव सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ जाएंगे, जिससे आम लोगों की आवाजाही आसान होगी और क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

पूर्णिया में बिछ रहा सड़कों का जालः नूतन गुप्ता ने कहा कि पूर्णिया में तेजी से सड़कों का जाल बिछ रहा है, जिससे शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक यातायात सुगम हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रहे डॉ. दिलीप जायसवाल को जब से पथ निर्माण विभाग की जिम्मेदारी मिली है, तब से वे पूर्णिया सहित पूरे बिहार में सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए लगातार सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि सीमांचल सहित पूरे बिहार में जिस तरह से सड़कें बन रही हैं, वह आने वाले समय में विकास की नई तस्वीर पेश करेगी।

सड़कों के साथ-साथ उद्योगों का भी विस्तारः भाजपा जिलामंत्री नूतन गुप्ता ने कहा कि डॉ. दिलीप जायसवाल के पास उद्योग और पथ निर्माण—दोनों महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी है, जिससे पूर्णिया, सीमांचल और पूरे बिहार के विकास की रफ्तार और तेज होगी। उन्होंने कहा कि मंत्री डॉ. जायसवाल के नेतृत्व में उद्योगों का जाल बिछाया जा रहा है, ताकि बिहार के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल सके। "घर-घर रोजगार और हर हाथ में काम" के संकल्प को साकार करने की दिशा में सरकार मजबूती से आगे बढ़ रही है।

मेडिकल कॉलेज के सामने फुटओवर ब्रिज की सौगातः नूतन गुप्ता ने बताया कि मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल द्वारा पूर्णिया मेडिकल कॉलेज के सामने फुटओवर ब्रिज निर्माण की घोषणा की गई है। इस घोषणा से शहरवासियों और जिलेवासियों में खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा कि फुटओवर ब्रिज के निर्माण से लाइन बाजार क्षेत्र में जाम की गंभीर समस्या से राहत मिलेगी और आम नागरिकों के लिए सड़क पार करना सुरक्षित व सुगम होगा।

मंत्री डॉ.जायसवाल के प्रति जताया आभारः भाजपा जिलामंत्री नूतन गुप्ता ने उद्योग मंत्री सह पथ निर्माण मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार के उद्योग नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे और सड़क नेटवर्क मजबूत होने से राज्य का समग्र विकास सुनिश्चित होगा।

सियासी संकेत साफः पूर्णिया को सड़क और उद्योग—दोनों मोर्चों पर मिल रही यह सक्रियता आने वाले दिनों में सीमांचल के विकास की रफ्तार को कई गुना बढ़ाने का संकेत दे रही है।

संक्षिप्त समाचार

गयाजी के चंदौती में जमीन कब्जा करने का आरोप, पुलिस पर दबंगों को संरक्षण देने की शिकायत

गयाजी। गयाजी शहर के चंदौती थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर पुलिस पर गंभीर आरोप लगे हैं। अगरेली गांव निवासी सुरेश यादव ने आईजी क्षत्रनिल सिंह से न्याय की गुहार लगाई है। जमीन पर जबरन कब्जा कराने का भी आरोप लगाया है। सुरेश यादव का कहना है कि उनकी जमीन मौजा नेयाजीपुर में है। खाता संख्या 298, प्लॉट संख्या 214, रकवा करीब 6 डिसमिल है। इस जमीन को लेकर सिविल कोर्ट में वाद संख्या 482/2021 विचाराधीन है।

हालांकि वर्षों से जमीन पर काबिज हैं और खेती कर रहे हैं। लेकिन जमीन सड़क किनारे होने के कारण भू-माफियाओं की नजर इस पर है। भू-माफिया गलत कागजात के सहारे पुलिस की मदद से जमीन कब्जाने की कोशिश कर रहे हैं। 10 दिसंबर 2025 को थाना प्रभारी अनिल चौधरी सशस्त्र बल के साथ जमीन पर पहुंचे और जबरन नापी कराने लगे। गांव के लोगों ने विरोध किया तो पुलिस को लौटना पड़ा। इसके बाद 24 दिसंबर 2025 को एक बार फिर दरोगा सौरव कुमार राय कई पुलिसकर्मियों और कथित गुंडों के साथ जमीन पर पहुंचे। आरोप है कि इस दौरान विरोध करने पर दरोगा ने सुरेश यादव को केस में फंसा कर जेल भेजने की धमकी दी। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों और दबंगों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एग्रीमेंट के बाद भी रजिस्ट्री नहीं कियाः जानकारी के मुताबिक सुरेश यादव ने परिस्थितिवश अपनी जमीन बेच दी थी। कुछ साल बाद उसी जमीन को खरीदने के लिए उस व्यक्ति से एग्रीमेंट ले लिया। आरोप है कि जमीन खरीदने के लिए करीब 20 लाख रुपए भी दिए। लेकिन उस व्यक्ति ने जमीन किसी और को बेच गिया। इसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच तनातनी चल रही है। सुरेश यादव का कहना है कि हमसे करार हुआ था। उस मुताबिक हमें जमीन रजिस्ट्री करनी चाहिए थी, लेकिन विपक्ष ने ऐसा नहीं किया। अब न पैसा वापस कर रहा हा और न ही जमीन की रजिस्ट्री।

पुलिस ने जांच की बात कहीः इस संबंध में चंदौती थानाध्यक्ष का कहना है कि मामले की जांच चल रही है। फिलहाल इस मसले पर कुछ नहीं कहा जा सकता है।

राजगीर में शिक्षा-पर्यटन के साथ अब खेलों की नई पहचान

40 हजार दर्शक क्षमता वाला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, बेहतर कनेक्टिविटी से बढ़ी सुविधा

नालंदा। ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी राजगीर के लिए वर्ष 2025 कई मायनों में यादगार रहा है। प्राचीन काल से बौद्ध धर्म और ऐतिहासिक विरासत के लिए विश्व प्रसिद्ध यह शहर अब खेलों के क्षेत्र में भी अपनी नई पहचान बना रहा है। शिक्षा और पर्यटन के गढ़ के रूप में पहचाने जाने वाले इस नगर ने खेल जगत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। इस वर्ष अगस्त-सितंबर में आयोजित पुरुष हॉकी एशिया कप राजगीर के लिए एक ऐतिहासिक क्षण साबित हुआ। एशिया की आठ शीर्ष टीमों ने यहां प्रतिस्पर्धा की, जिससे राजगीर अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर उभरकर सामने आया। इससे पहले नवंबर 2024 में महिला एशियाई हॉकी चैंपियनशिप और अगस्त 2025 में एशिया रग्बी अंडर-20 सेवन्स चैंपियनशिप ने भी राजगीर को अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के विश्वसनीय केंद्र के रूप में स्थापित किया है।

विश्वस्तरीय क्रिकेट स्टेडियम की तैयारीः लगभग 40 हजार दर्शक क्षमता वाला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम यहां बनकर तैयार हो चुका है। यह स्टेडियम वर्ष 2026 में खेल जगत में एक नया अध्याय जोड़ने की तैयारी में है। इस अत्याधुनिक सुविधा से राजगीर को बिहार की खेल राजधानी के रूप में पहचान मिलने की उम्मीद है।

देश का अनूठा खेल विश्वविद्यालयः 29 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने बिहार खेल विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया था। यह देश का पहला ऐसा परिसर है जहां खेल विश्वविद्यालय और अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर एक साथ स्थित है। वर्ष 2025 में इस विश्वविद्यालय को यूजीसी की मान्यता मिली, जिससे शैक्षणिक सत्र 2025-26 से नियमित पाठ्यक्रम शुरू होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। एशियन हॉकी फेडरेशन की मान्यता और हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया से हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा मिलना राजगीर के लिए बड़ी उपलब्धि रही है। खेल परिसर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम सहित 24 से अधिक इनडोर एवं आउटडोर खेलों की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

बेहतर कनेक्टिविटी से बढ़ी सुविधाः रेलवे और हवाई संपर्क के मामले में भी 2025 राजगीर के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण का काम शुरू हुआ है। राजगीर से मुंबई और अहमदाबाद जैसे महानगरों के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू हुई, जिससे न केवल राजगीर बल्कि नालंदा और आसपास के जिलों के लोगों को भी बड़ी सुविधा मिली है। राजगीर-बख्तियारपुर और राजगीर-तिलैया रेलखंड के दोहरीकरण को केंद्र सरकार की स्वीकृति मिल चुकी है।

पर्यटकों का केंद्र बना पक्षिशालाः खेल के अलावा पर्यटन के क्षेत्र में भी राजगीर की चमक बरकरार रही है। यहां की पक्षीशाला देखने के लिए लाखों सैलानी पहुंच रहे हैं, जो राजगीर की पर्यटन क्षमता को और मजबूत कर रहा है।

घर के बाहर खड़ी गाड़ी में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने 30 मिनट पर पाया काबू

पीड़ित बोला- नशेड़ियों ने आग लगाई

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा के लहेरी इलाके के खानकाह मोहल्ले में सोमवार दोपहर घर के बाहर खड़ी एक कार में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि आग पर काबू पाने की कोशिश विफल हो गई। एक शख्स घर से बाल्टी में पानी लेकर आग पर काबू पाने की कोशिश करता दिखा, लेकिन उसकी कोशिश नाकाम रही। सूचना के बाद जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी आती कार पूरी तरह जल गई। कार में आग लगने, आग पर स्थानीय लोगों के बाद फायर ब्रिगेड की ओर से काबू पाए जाने के वीडियो सामने आया है। खानकाह मोहल्ला निवासी अरमान उल्लाह उर्फ राजू की यह गाड़ी (जाइलो) करीब एक महीने से उनके घर के पास खड़ी थी। दोपहर के समय अचानक वाहन में आग की लपटें उठने लगीं। आसपास के लोगों ने जैसे ही धुआं और लपटें देखीं, तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। हालांकि, स्थानीय लोगों के प्रयास नाकाफी साबित हुए और आग तेजी से पूरी गाड़ी में फैल गई।

आधे घंटे की मशक्कत के बाद दमकल ने आग पर काबू पायाः सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम को मौके पर बुलाया गया। लेकिन जब तक अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा, तब तक गाड़ी लगभग जलकर खाक हो चुकी थी। दमकल कर्मियों ने करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक वाहन महज टिन के ढांचे में तब्दील हो चुका था।

पीड़ित का आरोपः संदिग्ध गतिविधियों का अड्डाः घटना को लेकर कार के मालिक मोहम्मद अमानुल्लाह ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनके घर के आसपास के इलाके में नशाखोरों और जुआरियों का अड्डा बना रहता है। पिछले कुछ समय से इस क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियां बढ़ी हैं। मोहम्मद अमानुल्लाह ने बताया कि फिलहाल फोन पर पुलिस से मामले की शिकायत की है, थाना जाकर लिखित शिकायत दूंगा। मुझे साजिश के तहत आग लगाए जाने का शक है। अरमान ने बताया कि करीब एक महीने पहले उनके घर से मोटरसाइकिल की चोरी हो चुकी है। इसके अलावा, इसी चार पहिया वाहन से बैटरी भी चोरी हो चुकी थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि घटना से कुछ समय पहले कुछ संदिग्ध व्यक्ति गाड़ी को खोलने का प्रयास कर रहे थे। उन्हें शक है कि इन्हीं लोगों ने जानबूझकर गाड़ी में आग लगाई है। वहीं, इस मामले में लहेरी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बेलागंज में सरकारी पोखर की खुदाई पर रंगदारी का आरोप

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र में सरकारी योजना के तहत चल रहे पोखर और आहर खुदाई कार्य में रंगदारी और धमकी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रौना पोखर की खुदाई करा रहे ठेकेदार फर्म के डायरेक्टर रनजीत कुमार ने थानाध्यक्ष बेलागंज को आवेदन देकर असामाजिक तत्वों पर सरकारी काम रुकवाने और पांच लाख रुपए रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। आवेदन के मुताबिक लघु सिंचाई विभाग, गया द्वारा रौना पोखर और आहर कार्य की खुदाई के लिए फर्म को अधिकृत किया गया है। एकरारनामा संख्या 142F2/2025-26 दिनांक 1 अगस्त 2025 के तहत काम चल रहा था। इसी दौरान रौना टोला महादेव बिगहा गांव का रहने वाला उमा सिंह कार्यस्थल पर पहुंचा।

मुंशी को काम बंद करने की धमकी दीः आरोप है कि उमा सिंह ने ट्रैक्टर चालक, पोकलेन ऑपरेटर और मुंशी को काम बंद करने की धमकी दी। कहा गया कि ठेकेदार को बुलाओ और पांच लाख रुपये रंगदारी दिलवाओ। पैसा नहीं देने पर काम नहीं होने देने की चेतावनी दी गई। यही नहीं, दोबारा बिना अनुमति काम शुरू करने पर मशीनरी जलाने और कर्मचारियों को गोली मारने की धमकी भी दी गई।

फर्म के डायरेक्टर का दावा है कि आरोपी का आपराधिक इतिहास है। बिहार और झारखंड के कई थानों में उसका नाम थाने में दर्ज बताया गया है। धमकी के बाद से मजदूरों में दहशत है। काम पूरी तरह ठप हो गया है। सरकारी योजना पर असर पड़ रहा है।

नाबालिग ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, खुद से बड़ी उम्र की लड़की से करता था प्यार

निज संवाददाता। गयाजी

नालंदा में एक नाबालिग ने सोमवार को फांसी लगा खुदकुशी कर ली। मामला चण्डी थाना क्षेत्र के जैतीपुर गांव का है। मृतक पटना जिला के बाढ़ थाना क्षेत्र के सरहन गांव के रहने वाला छोटेलाल पंडित का बेटा (16) सुजीत कुमार है। फिलहाल वह अपने बड़े भाई के साथ चण्डी थाना क्षेत्र के जैतीपुर मोड़ के पास किराए के कमरे पर रह रहा था। घटना के सम्बन्ध में मृतक के भाई सहनी कुमार ने बताया कि वह काम के सिलसिले में चण्डी बाजार गया हुआ था। मकान मालिक ने फोन कर कहा कि भाई ने फांसी लगा ली है। जब तक लौट कर वापस आया तब तक वहां मौजूद लोगों ने शव को फंदे से उतार कर जमीन पर लिटा दिया था।

परिजन आत्महत्या के कारणों के बारे में कुछ बोलने से बच रहेः फिलहाल परिजन आत्महत्या के कारणों के संबंध में कुछ भी बताने से

आठवीं क्लास में पढ़ाई करता था

परहेज कर रहे हैं। सुजीत अपने बड़े भाई के साथ बचपन से ही जैतीपुर गांव के पास रहता था। वह फिलहाल आठवीं कक्षा में एक निजी स्कूल में पढ़ाई कर रहा था और भाई के साथ पंचर की दुकान पर हाथ बंटाता था। संजय का बड़ा भाई जैतीपुर मोड़ पर ही पंचर की दुकान लगाता है। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि किशोर अपने से बड़ी उम्र की लड़की से प्यार करता था। हालांकि लड़की उसे इग्नोर कर रही थी, जिससे आहत होकर किशोर ने फांसी लगा खुदकुशी कर ली।

चण्डी थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि प्रेम प्रसंग में किशोर ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। शव को पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार की भाजपा ने निंदा की

गयाजी में नेताओं ने हिंसा, हत्या और प्रताड़ना को अमानवीय कृत्य बताया, कहा- ये चिंताजनक है

निज संवाददाता। गयाजी

गया में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने सोमवार को बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों, हिंसा, हत्या और प्रताड़ना की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। भाजपा नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने इन घटनाओं की निंदा करते हुए इन्हें मानवता के विरुद्ध अमानवीय कृत्य करार दिया।

डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को योजनाबद्ध तरीके से निशाना बनाया जा रहा है, जो चिंताजनक है। उन्होंने निर्दोष हिंदुओं पर हमले, मंदिरों को नुकसान पहुँचाने, जबरन पलायन और भय का वातावरण बनाने को सभ्य व लोकतांत्रिक समाज के सिद्धांतों के विपरीत बताया।

पंकज मिश्रा बोले- हिंदुओं के साथ ऐसा व्यवहार दुर्भाग्यपूर्णः मिश्रा ने यह भी उल्लेख किया कि हिंदू समाज शांति, सहिष्णुता और भाईचारे में विश्वास

करता है तथा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना का पालन करता है। इसके बावजूद हिंदुओं के साथ इस प्रकार का व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा नेताओं ने भारत सरकार से मांग की है कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कूटनीतिक स्तर पर ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाना चाहिए, ताकि बांग्लादेश सरकार पर अल्पसंख्यकों की रक्षा का दबाव बनाया जा सके।

कार्यसमिति सदस्य बोले- बांग्लादेश के निर्माण में भारत की भूमिका को वे भूल रहेः इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता ने बांग्लादेश को उसके निर्माण में भारत के ऐतिहासिक योगदान की याद दिलाई।

उन्होंने कहा कि भारत ने बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, इसलिए बांग्लादेश सरकार और समाज की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह हिंदू समुदाय की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा करे। इस विरोध प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता, संतोष ठाकुर, राणा रणजीत सिंह, गोपाल प्रसाद यादव, डॉ. अशोक कुमार, सुनील मिश्रा, श्याम किशोर मिश्रा, सुधीर कुमार, दिनेश कुमार, नवलेश सिंह, महेश यादव, मंटू कुमार, बबलू गुप्ता, विजय प्रसाद उर्फ काला नाग सहित कई भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित थे। भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार नहीं रुके, तो इस मुद्दे को और व्यापक स्तर पर उठाया जाएगा।

गयाजी में बर्फीली ठंडी हवा ने बढ़ाई परेशानी

7.4 डिग्री दर्ज किया गया न्यूनतम तापमान, अभी और 2 दिन रहेगी कड़ाके की ठंड

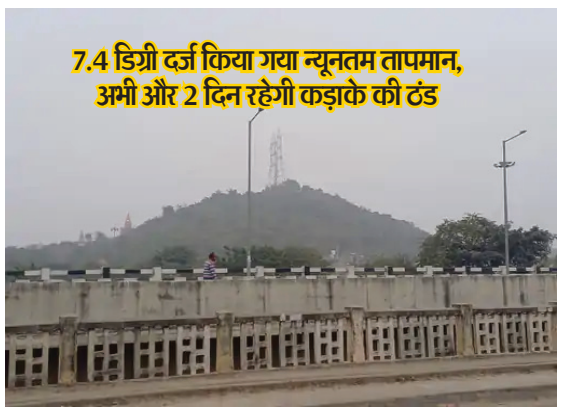

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी में बर्फीली पछुआ से कनकनी बढ़ गई है। बढ़ती ठंड की वजह से लोग घरों में दुबक गए हैं। जरूरी कामकाज पर ही लोग बाहर आ रहे हैं। सोमवार यानी आज कोल्ड डे जैसे हालात बने हुए हैं। सुबह 7.4 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। सुबह-सुबह जिले में हल्का कोहरा छाया रहा। तीन दिनों से नदारद धूप, आसमान में बादल ने मिलकर लोगों का जनजीवन को बेहाल कर दिया है। फिलहाल गयाजी के लोग अलाव, गर्म कपड़े और धूप की आस में दिन काट रहे हैं।

सामान्य से 7 डिग्री नीचे गया अधिकतम तापमानः गयाजी में अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 7 डिग्री नीचे 17.7 डिग्री तक पहुंच गया। उत्तरी-पश्चिमी दिशा से करीब 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सर्द हवा चल रही है। यही वजह है कि ठंड का असर कम नहीं हो रहा है। हालांकि, शनिवार के मुकाबले न्यूनतम तापमान में करीब दो डिग्री की बढ़ोतरी रविवार को दर्ज की गई।

शनिवार को 4 सालों में सबसे कम न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया थाः अधिकतम तापमान में भी हल्का सुधार हुआ, लेकिन राहत न के बराबर रही। शनिवार को गया का न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री दर्ज किया गया था, जो पिछले चार सालों में सबसे कम रहा। बेशुमार ठंड का सिलसिला शनिवार से ही बना हुआ है। शनिवार रात करीब 10.30 बजे से ही हल्का कुहासा छा गया था। सुबह करीब 7.30 बजे तक कोहरे का असर बना रहा। आसमान में धुंध और बादलों की मौजूदगी ने धूप को कमजोर कर दिया। कनकनी की वजह से घर में भी लोग असहज महसूस कर रहे हैं।

अगले दो दिनों तक ठंड का कहर रहेगा जारीः मौसम वैज्ञानिक एसके पटेल के मुताबिक सोमवार को भी कड़ाके की ठंड से राहत की उम्मीद नहीं है। देर रात से सुबह तक हल्का कोहरा छा सकता है। सर्द पछुआ और कनकनी का असर बना रहेगा। उन्होंने बताया कि 30 दिसंबर को पर्वतीय इलाकों में एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से 30 या 31 दिसंबर से हवा की दिशा बदल सकती है। तब धूप बेहतर निकलेगी और दिन में ठंड से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, इसके दो-तीन दिन बाद फिर ठंड के तेवर तेज होने के आसार हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता।

5वीं तक की कक्षाएं 31 तक बंदः ठंड को लेकर जिले की 5वीं तक की कक्षाएं 31 तक बंद कर दी गईं है। वहीं इस कड़ाके की ठंड में भी पांचवीं कक्षा से ऊपर की कक्षाएं बंद नहीं की गई हैं। जानकारी हो कि डीएम शशांक शुभंकर की ओर से 25 दिसंबर को जारी आदेश के अनुसार 28 दिसंबर तक पांचवीं तक की कक्षाओं को बंद किया गया था। इसे अब 31 तक कर दिया गया है।

महाबोधि महाविहार का वार्षिक कैलेंडर—2026 जारी, एरियल व्यू से लेकर दीक्षा लेते भिक्षुओं की तस्वीर, डीएम बोले- बोधगया को तस्वीरों में उतारने की कोशिश

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी कलेक्ट्रेट में सोमवार को महाबोधि महाविहार का वार्षिक कैलेंडर-2026 जारी किया गया। डीएम सह बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शशांक शुभंकर ने कैलेंडर का औपचारिक विमोचन किया। उन्होंने कहा कि ये कैलेंडर सिर्फ तारीखों का दस्तावेज नहीं, बल्कि बोधगया की आत्मा को तस्वीरों में उतारने की एक कोशिश है। बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से तैयार कैलेंडर में महाबोधि मंदिर की भव्यता, बोधिवृक्ष की पवित्रता, निरंजना नदी की शांति और बौद्ध अनुष्ठानों की गरिमा को दर्शाया गया है। पिछले कुछ सालों में बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति के नेतृत्व में मंदिर विकास को लेकर कई अहम काम किए गए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर महाबोधि मंदिर के लिए नया कार्यालय भवन बनाया गया। मंदिर और कार्यालय परिसर को सौर ऊर्जा से जोड़ने का काम हुआ। दिव्यांग और बुजुर्ग श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए मंदिर परिसर में रैंप का विस्तार कराया गया, ताकि व्हीलचेयर से भी सहज दर्शन हो सके।

कैलेंडर के पहले पेज पर महाबोधि मंदिर की तस्वीरः कैलेंडर के पहले पेज पर महाबोधि मंदिर की तस्वीर है। साथ ही साल 2026 में होने वाले प्रमुख आयोजनों की संक्षिप्त जानकारी दी गई है। जनवरी के पेज पर गर्भगृह में विराजमान भगवान बुद्ध की दिव्य प्रतिमा दिखाई देती है। फरवरी में मंदिर शिखर और उस पर सुशोभित छत्र की आभा दर्शाई गई है। मार्च के पृष्ठ पर

एलईडी रोशनी में नहाया महाबोधि मंदिर रात की भव्यता बिखेरता नजर आता है। अप्रैल में मंदिर परिसर का एरियल व्यू है, जिसमें हरियाली और निरंजना नदी का सौंदर्य साफ झलकता है।

मई में बोधिवृक्ष के नीचे आयोजित पवित्र कठिन चीवर दान समारोह को स्थान मिला है। जून के पृष्ठ पर निरंजना नदी के पूर्वी तट से दिखता महाबोधि मंदिर और जल में पड़ती उसकी परछाईं मन मोह लेती है। जुलाई में बोधिवृक्ष की जड़ें और बिछू फूल दिखाए गए हैं। अगस्त में उसी वृक्ष की टहनियों पर उगते नए कोपल जीवन के नये चक्र का संकेत देते हैं। सितंबर के पृष्ठ पर बोधिवृक्ष के नीचे श्वेत वस्त्र धारण किए विदेशी नागरिक श्रामणेर दीक्षा लेते दिखते हैं। अक्टूबर में रत्न चंक्रमण चैत्य को दर्शाया गया है। नवंबर में ऊपरी तल्ले पर विराजमान बोधिसत्व की प्रतिमा और दिसंबर में मुख्य प्रवेश द्वार से दिखता महाबोधि मंदिर साल का समापन करता है।

मामा ने गर्लफ्रेंड के लिए कराई भांजे की हत्या, सिर-पैर काटा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के 30 साल के अभिषेक की हत्या मोबाइल की किस्त को लेकर नहीं, बल्कि मामा के अवैध संबंध के कारण हुई। दरअसल, मामा का किसी महिला से अफेयर था, जिसकी जानकारी अभिषेक को थी और वो अक्सर अपने मामा को धमकी देता था कि मामी को अफेयर की बात बता देगा। ब्लैकमेलिंग के कारण ही उसकी हत्या हुई। 23 दिसंबर से लापता अभिषेक की लाश 26 दिसंबर की देर रात आरोपियों की निशानदेही पर बरामद किया गया था। सिर और पैर गायब था, केवल धड़ मिला। हाथ प्लास्टिक की रस्सी से बंधे थे, फिर जैकेट में बांध कर प्लास्टिक के बोरे में बंद कर दफनाया गया था। तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मास्टरमाइंड की तलाश थी, जिसे रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मृतक के मामा और हत्या के मास्टरमाइंड संतोष को गिरफ्तार किया है।

मामा की गर्लफ्रेंड से बात करता था अभिषेकः संतोष के मुताबिक, अभिषेक मेरी गर्लफ्रेंड से बातचीत करता था। वो मुझे बार-बार ब्लैकमेल करता था कि मैं मामी को इस बारे में सबकुछ बता दूंगा। संतोष ने ये भी बताया कि मैं अपने भांजा अभिषेक के साथ मिलकर साइबर फ्रॉड का काम भी करता था। इसमें पैसे के लेनदेन को लेकर अभिषेक मुझसे झगड़ा करता था। संतोष के मुताबिक, इन दोनों वजहों से मैंने 2 लाख रुपए में 3 लोगों को भांजे अभिषेक की हत्या की सुपारी दी, इसके बाद उसकी निर्मम तरीके से हत्या करा दी। पहले अभिषेक की जांघ में गोली मारी गई। फिर हेक्सा ब्लेड से उसके दोनों पैरों को घुटने से ऊपर से काटकर अलग किया, फिर सिर को धड़ से अलग कर दिया।

4 साल से मामा के साथ रहकर काम कर रहा थाः अभिषेक कहलगांव थाना क्षेत्र के मकसपुर का रहने वाला था। वो नाथनगर के मसकन बरारीपुर में अपने मामा संतोष दास के यहां 4 साल से रहकर उसके कपड़े के कारोबार को संभाल रहा था। 23 दिसंबर की शाम 7 बजकर 35 मिनट पर अभिषेक अपने मामा संतोष के घर से निकला। घर से बाहर निकलने के बाद अभिषेक राधे और ऋतिक के बुलाने पर गया था। चूंकि हत्याकांड में शामिल राधे और ऋतिक से अभिषेक पहले से परिचित था। इसलिए उनके साथ ऑटो में बैठकर दोगच्छी की ओर चला गया। राधे और ऋतिक उसे ये कहकर ले गए थे कि एक बर्थडे पार्टी में जाना है। आरोपियों में शामिल राधे ऑटो ड्राइवर है, जबकि दूसरा ऋतिक पहले ऑटो चलाता था। बाद में छोड़ दिया था। अभिषेक की पहले ऋतिक से ही दोस्ती हुई थी।

पुलिस को ऑटो वाले को पैसे देने की झूठी कहानी बताई थीः हत्याकांड के सामने आने के बाद आरोपी के मामा ने पुलिस को दिए बयान में कहा भी था, '23 दिसंबर को भांजा अभिषेक कुमार घर से निकला था। जाते समय उसने कहा कि ऑटो वाले को पैसे देकर आ रहे हैं। उसका कुछ 150 रुपए बाकी था। जब वापस नहीं लौटा था तो उसको फोन किया तो उसने कहा कि थोड़ी देर में आ रहे हैं। ठंड का समय था मेरी आंख लग गई।

12.55 करोड़ के वियर का शिलान्यास

निज संवाददाता। बांका

बांका के धोरैया विधानसभा क्षेत्र के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के तहत विधायक मनीष कुमार ने धोरैया प्रखंड अंतर्गत पटवा एवं अहीरों के बेलीगाछ में वियर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सोमवार की दोपहर धोरैया प्रखंड में आयोजित कार्यक्रम में लघु जल सिंचाई विभाग द्वारा लगभग 12 करोड़ 55 लाख रुपये की लागत से बनने वाले वियर का शिलान्यास किया गया।

परियोजना से क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था को मिलेगी मजबूतीः इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और किसानों को खेती में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मनीष कुमार ने कहा कि धोरैया विधानसभा के किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की सिंचाई संबंधी दिक्कतों को दूर करना उनकी प्राथमिकता रही है और उसी का परिणाम है कि आज इतनी बड़ी लागत से वियर निर्माण की योजना धरातल पर उतर रही है। विधायक ने अपने पूर्व कार्यकाल का जिक्र करते हुए बताया कि उस दौरान लगभग 1200 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कर आवागमन व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया था। वहीं वर्तमान कार्यकाल में मुख्य रूप से किसानों की सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ माह पूर्व उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर धोरैया विधानसभा की सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एक ज्ञापन सौंपा था, जिसका सकारात्मक परिणाम आने वाले दिनों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को लेकर गंभीर हैं विधायकः वहीं जदयू किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मुकेश सिंह उर्फ विनोद सिंह ने कहा कि विधायक मनीष कुमार लगातार क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को लेकर गंभीर हैं।

बीड़ी नहीं देने पर पोते ने दादा को पीटा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक पोते ने बीड़ी न मिलने पर अपने 93 वर्षीय दादा सीताराम मंडल को लाठी-डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोपी ने घर में आग भी लगा दी। घायल वृद्ध को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल (मायागंज) में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। यह घटना सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे नाथनगर थाना क्षेत्र के पुरानी सराय गांव में हुई। परिजनों के अनुसार, पोता रोहित मंडल अपने दादा सीताराम मंडल से बीड़ी मांगने पहुंचा था। दादा ने पहले दो बार उसे बीड़ी दे दी, लेकिन तीसरी बार देने से मना कर दिया। इसी बात से नाराज होकर रोहित ने अपने दादा पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

बुजुर्ग की पत्नी बोली- पोता नशे का आदी हैः वृद्ध की पत्नी ननकी देवी ने बताया कि उनका पोता रोहित मंडल नशे का आदी है और अक्सर घर में झगड़ा करता रहता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीड़ी न मिलने पर रोहित ने सीताराम मंडल के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें पहुंचाईं। मारपीट के बाद भी उसका गुस्सा शांत नहीं हुआ और उसने घर में आग लगा दी, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने नाथनगर थाना पुलिस को जानकारी दी। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी पोता रोहित मंडल फरार हो चुका था। पुलिस ने घायल सीताराम मंडल को तुरंत इलाज के लिए मायागंज अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

बिजली कंपनी के इंजीनियर का बेटा सॉल्वर गैंग का मेंबर

निज संवाददाता। भागलपुर

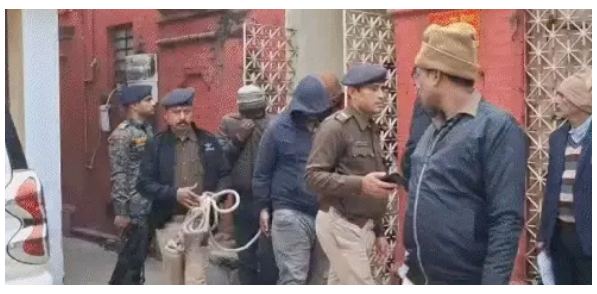

बिहार के बिजली कंपनी के चीफ इंजीनियर का बेटा सॉल्वर गैंग के साथ मिलकर भागलपुर के हबीबपुर में ऑनलाइन एग्जाम सेंटर चला रहा था। जिले में 3 दिन पहले यानी शुक्रवार को पुलिस ने सॉल्वर गैंग का खुलासा किया था। इस मामले में एक अभ्यर्थी समेत 7 लोगों की गिरफ्तारी की गई थी। पुलिस की कार्रवाई के बाद जिस एग्जाम सेंटर में अभ्यर्थी को एग्जाम दिलाया गया था, उसके मालिक को पुलिस ने रविवार को अरेस्ट किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 30 साल के अनुपम के रूप में हुई है। पुलिस ने अनुपम सौरभ की गिरफ्तारी पटना स्थित उसके घर से की गई। अनुपम भागलपुर के सबौर में डाटबाट स्थित अंग इंस्टीट्यूट का मालिक है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से 20 हजार रुपए का बॉन्ड भरवाकर अनुपम को छोड़ दिया गया।

पटना के जिम में सॉल्वर गैंग के सरगना से हुई थी अनुपम की मुलाकातः सिटी एसपी शुभांक मिश्रा ने बताया कि अनुपम सौरभ बिजली कंपनी के चीफ इंजीनियर का बेटा है। वो पटना में एक जिम में एक्सरसाइज करने जाया करता था, वहीं उसकी मुलाकात सॉल्वर गैंग के सरगना मुकेश से हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी तो मुकेश ने अनुपम को ऑनलाइन परीक्षा का सेंटर भागलपुर में खोलने का ऑफर दिया। मुकेश ने अनुपम सौरभ को लालच दिया कि एग्जाम सेंटर में एक दिन की परीक्षा के 40 हजार रुपए तक मिलते हैं। अगर महीने में 20 दिन भी एग्जाम हो गए तो 40 हजार के लिहाज से 8 लाख रुपए आएंगे। इसमें खर्च मात्र 2 लाख रुपए का आएगा। फिर हम दोनों बाकी बचे 6 लाख में से 3-3 लाख रुपए का बंटवारा कर लेंगे। अनुपम ने पुलिस को बताया कि मैं इसी लालच में आ गया था। इसके बाद मैं मुकेश के इशारों पर काम करने लगा। मुझे बाद में पता चला कि मुकेश प्रतियोगी परीक्षा में पास करवाने वाले सॉल्वर गैंग का सरगना है। अनुपम ने बताया कि एग्जाम पास कराने वाले अभ्यर्थियों से 10 लाख से लेकर 25 लाख रुपए तक लिया जाता था।

सॉल्वर गैंग के सरगना मुकेश अब तक फरार, तलाश जारीः भागलपुर पुलिस के मुताबिक, सॉल्वर गैंग का सरगना मुकेश अब तक फरार है। वो झारखंड का सिम बदल-बदल कर उपयोग करता है, इसी कारण पुलिस उसकी लोकेशन तक नहीं पहुंच पा रही है। पुलिस ने बताया कि पूर्णिया, गया, मुजफ्फरपुर समेत अन्य जिलों में भी मुकेश के लिंक को खंगाला जा रहा है।

अब जानिए, मामला क्या है, कैसे सॉल्वर गैंग का खुलासा हुआः शुक्रवार को दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबल बहाली एग्जाम देने के लिए उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से आए छात्र का अपहरण हो गया था। पुलिस ने तत्काल एक्शन लेते हुए ढाई घंटे के अंदर छात्र को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छुड़ा लिया। छात्र की बरामदगी के बाद इंटरस्टेट सॉल्वर गैंग का खुलासा हुआ था, जो कई साल से बिहार के एग्जाम सेंटर को ठिकाना बनाकर पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों की प्रतियोगी परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों से 10 से 25 लाख रुपए की वसूली कर रहे थे।

फॉरेन लैंग्वेज की पढ़ाई होगी बेगूसराय में

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय में जल्द ही फॉरेन लैंग्वेज की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। इसको लेकर आज एसबीएसएस कॉलेज में समिति के संयोजक-सह-प्रधानाचार्य डॉ. अवधेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें द डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेन लैंग्वेज के विस्तार केन्द्र एवं दिनकर चेयर ऑफ रिसर्च सेंटर एंड द इन्क्यूबेशन सेंटर पर चर्चा हुई। बैठक में समिति के बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार, तेघड़ा विधायक रजनीश कुमार, सीनेट सदस्य डॉ. सुरेश प्रसाद राय एवं जीडी कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. भूपेन्द्र नारायण शामिल हुए। जबकि विधायक डॉ. विनय कुमार चौधरी, सीनेट सदस्य विजय कुमार एवं नोडल अधिकारी अमृत कुमार झा ऑनलाइन शामिल हुए।

जीडी कॉलेज के परित्यक्त ओल्ड होस्टल की साफ-सफाईः बैठक में डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेन लैंग्वेज के विस्तार केन्द्र के लिए पावर हाउस रोड में स्थित जीडी कॉलेज के परित्यक्त ओल्ड होस्टल का चयन किया गया। इसके साथ ही सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जितने स्थान पर पहले छात्रावास बना था, उस जगह को छोड़कर डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेन लैंग्वेज का विभाग एवं छात्रावास बनाया जाए। इसके साथ ही दिनकर चेयर ऑफ रिसर्च सेंटर एंड इन्क्यूबेशन सेन्टर के लिए भी पावर हाउस रोड में ही स्थित जीडी कॉलेज के परित्यक्त ओल्ड होस्टल का चयन किया गया है। इसके साथ ही डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेन लैंग्वेज के विस्तार केन्द्र एवं पहले से बने छात्रावास से अलग दिनकर चेयर ऑफ रिसर्च सेंटर एवं इन्क्यूबेशन सेंटर बनाने का निर्णय लिया गया। तत्काल शुरू करने के लिए चयनित स्थल जीडी कॉलेज के परित्यक्त ओल्ड होस्टल की साफ-सफाई कराने का निर्णय लिया गया। इसके लिए पेड़ को हटाने के लिए वन विभाग एवं अन्यकार्य के लिए संबंधित विभाग से अनुमति ली जाएगी। इसके लिए ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय द्वारा एसबीएसएस कॉलेज के प्राचार्य को अधिकृत किया गया है। डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेन लैंग्वेज एवं दिनकर चेयर ऑफ रिसर्च सेंटर एंड द इन्क्युवेसन सेंटर के भवन निर्माण के लिए समिति एवं ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से करने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया है। तत्काल यहां होने वाले खर्च का भुगतान एसबीएसएस के प्राचार्य करेंगे। भुगतान जीडी कालेज के प्राचार्य करेगें। बैठक में नगर विधायक कुंदन कुमार ने सभी मुद्दों पर विस्तारित से चर्चा की। समिति के संयोजक डॉ. अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि आज का दिन बेगूसराय के लिए उपलब्धि भरा एवं ऐतिहासिक है। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा, मंडल अध्यक्ष लाल बहादुर महतों, रुपेश कुमार, कॉलेज के धीरज कुमार, समीर कुमार, सलित कुमार, भानू चौधरी, तकनिकी सहायक महाशंकर वर्मा एवं अमित कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

उपजाऊ जमीन अधिग्रहण का किसानों ने किया विरोध

निज संवाददाता। बांका

- धोरैया विधायक मनीष कुमार को सौंपा आवेदन, आजीविका बचाने की गुहार

बांका के रजौन प्रखंड अंतर्गत खैरा मोड़ के समीप जीवनचक, नरीपा और खैरा मौजा की उपजाऊ कृषि भूमि के संभावित अधिग्रहण के विरोध में दर्जनों किसानों ने राजावर चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी समस्याओं को लेकर स्थानीय विधायक मनीष कुमार को एक आवेदन सौंपा। किसानों ने स्पष्ट मांग की है कि उनकी कृषि भूमि को अधिग्रहण से बचाया जाए, क्योंकि यह उनकी आजीविका का एकमात्र साधन है। उन्होंने बताया कि इस भूमि पर पीढ़ियों से खेती की जा रही है और उनके परिवार इसी पर निर्भर हैं।

एथेनॉल या सौर ऊर्जा की फैक्ट्री स्थापित करने को लेकर सर्वेः तीनों मौजा के किसान राजीव सिंह, राजकुमार सिंह, वशिष्ठ नारायण, अमोद सिंह, रोहित रंजन, प्रेम सागर, मनोरंजन सिंह, कमलेश सिंह, मुनेश्वर सिंह, उदय सिंह, नीलेश कुमार और घनश्याम सिंह सहित अन्य ने विधायक को अपनी पीड़ा से अवगत कराया। उन्हें जानकारी मिली है कि क्षेत्र में एथेनॉल या सौर ऊर्जा की फैक्ट्री स्थापित करने के उद्देश्य से इन मौजा की जमीन का सर्वे कराया गया है। किसानों ने आवेदन में बताया कि यह भूमि अत्यंत उपजाऊ है, जहां से प्रसिद्ध कतरनी चूड़ा और चावल का उत्पादन होता है। यदि भूमि का अधिग्रहण होता है, तो वे भूमिहीन हो जाएंगे और उनके सामने भुखमरी जैसी गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

''औद्योगिक इकाई की स्थापना से पर्यावरण को नुकसान पहुंचेगा'': किसानों ने यह भी आशंका जताई कि औद्योगिक इकाई की स्थापना से पर्यावरण को नुकसान पहुंचेगा। प्रस्तावित स्थल से आवासीय क्षेत्र मात्र 300 से 400 मीटर की दूरी पर है, जिससे स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

भविष्य में पेयजल संकट गहराने की आशंकाः इसके अतिरिक्त, भूमि अधिग्रहण से अनाज उत्पादन में कमी आएगी, मवेशियों के चारे की समस्या खड़ी होगी और पशुपालन व दुग्ध उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा। खेत, डांड़, बांध और खोरिया समाप्त होने से सिंचाई व्यवस्था और भू-जल स्तर भी प्रभावित होगा, जिससे भविष्य में पेयजल संकट गहराने की आशंका है।

उग्र आंदोलन करने की दी चेतावनीः किसानों ने सुझाव दिया कि यदि फैक्ट्री बनानी ही है तो उसे बंजर या कम उपजाऊ भूमि पर स्थापित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जबरन जमीन अधिग्रहण की कोशिश की गई, तो वे उग्र आंदोलन करने को विवश होंगे। विधायक मनीष कुमार ने किसानों की समस्याएं सुनीं और दूरभाष पर जिला अधिकारियों से बात की।

विधायक मनीष कुमार ने डीआरएम से की मुलाकात

निज संवाददाता। बांका

धोरैया विधायक मनीष कुमार ने रविवार शाम मालदा मंडल के डीआरएम मनीष गुप्ता से मुलाकात की। उन्होंने बांका के धोरैया विधानसभा क्षेत्र की रेलवे से संबंधित समस्याओं को लेकर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। इस दौरान विधायक ने रजौन प्रखंड के पुनसिया रेलवे हॉल्ट और धौनी रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म के विकास के साथ-साथ महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की मांग प्रमुखता से उठाई। विधायक मनीष कुमार को सूचना मिली थी कि डीआरएम मंदार आने वाले हैं। उन्होंने डीआरएम को अपने क्षेत्र के पुनसिया हॉल्ट पर आने के लिए आमंत्रित किया था। हालांकि, डीआरएम मंदार से लौटते समय संझा हॉल्ट पहुंच गए। इसकी जानकारी मिलते ही विधायक अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ संझा रेलवे हॉल्ट पहुंचे। वहां उन्होंने बुके देकर डीआरएम का स्वागत किया और ज्ञापन सौंपा।

विकास और प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग कीः ज्ञापन में विधायक ने पुनसिया रेलवे हॉल्ट और धौनी रेलवे प्लेटफॉर्म को लंबा करने, उनके विकास और प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग की। इनमें कविगुरु एक्सप्रेस, पटना–दुमका एक्सप्रेस और अगरतल्ला–देवघर एक्सप्रेस प्रमुख रूप से शामिल हैं।

कविगुरु एक्सप्रेस के ठहराव की मांगः विधायक ने बताया कि कविगुरु एक्सप्रेस के ठहराव की मांग इलाके के लोग लंबे समय से कर रहे हैं। इस ट्रेन के रुकने से क्षेत्र में व्यापार, बाजार और आवागमन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय लोगों को सुविधा होगी। उन्होंने डीआरएम को यह भी बताया कि धौनी रेलवे स्टेशन और पुनसिया हॉल्ट से धोरैया विधानसभा क्षेत्र के अलावा गोड्डा, कहलगांव और अमरपुर के लोग भी लाभान्वित होते हैं। इसलिए इन स्टेशनों का विकास और ट्रेनों का ठहराव क्षेत्रीय दृष्टिकोण से अत्यंत आवश्यक है।

ठहराव और स्टेशन विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगाः डीआरएम मनीष गुप्ता ने विधायक की बातों को गंभीरता से सुना। उन्होंने सकारात्मक आश्वासन दिया कि धौनी और पुनसिया हॉल्ट पर ट्रेनों के ठहराव और स्टेशन विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। इस पहल के लिए क्षेत्र के लोगों ने विधायक मनीष कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह, किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मुकेश सिंह उर्फ विनोद सिंह, मीडिया सेल के जिलाध्यक्ष अंजनी चौधरी, एमएलसी प्रतिनिधि संजय पंडित और मुखिया प्रवीण सिंह सहित कई कार्यकर्ता व स्थानीय लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

इंडस स्पॉटिंग क्लब बी की धमाकेदार जीत,आयुष इलेवन को सात विकेट से हराया

अररिया। अररिया कालेज स्टेडियम में 35वां भागीरथी गंगा जिला क्रिकेट लीग मैच कांसम ट्राफी के आठवें लीग मैच में सोमवार को इंडस स्पोर्टिंग क्लब बी ने आयुष इलेवन के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज की। इंडस की इस जीत के सबसे बड़े नायक अमन राज रहे, जिन्होंने पहले गेंदबाजी में दो विकेट चटकाए और फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 25 गेंदों में 83 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर अपनी टीम को 10.1 ओवर में ही जीत दिला दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयुष इलेवन की शुरुआत सधी हुई रही। फैजल हुसैन के 43 रन और शुभम अग्रवाल के 20 रन ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन इंडस स्पोर्टिंग क्लब के गेंदबाजों के आगे मध्यक्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। पूरी टीम 27.3 ओवरों में 128 रनों पर ऑल-आउट हो गई। इंडस की ओर से अमन कुमार और श्रवण कुमार ने 3-3 विकेट झटके, जबकि अमन राज ने 2 महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल कीं। 129 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडस स्पोर्टिंग क्लब बी ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। सलामी बल्लेबाज अमन राज ने मैदान के चारों ओर चौकों-छक्कों की बरसात करते हुए विपक्षी गेंदबाजों को बेबस कर दिया। उन्होंने 332 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए महज 25 गेंदों में 83 रन बनाए। उनका साथ उज्ज्वल कुमार ने 26 रन बनाकर बखूबी निभाया। आयुष इलेवन के गेंदबाज सुदर्शन, मनोज और बदरुज्जमा को 1-1 सफलता तो मिली, लेकिन वे रनों की रफ्तार को नहीं रोक सके। रोमांचक मुकाबले में गोपाल झा और सुमित आनंद ने अंपायर की भूमिका निभाई, जबकि स्कोरिंग की जिम्मेदारी गौरव कुमार ने संभाली। मैच के अंत में मुख्य अतिथि ने अमन राज को उनके शानदार हरफनमौला प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य ओम प्रकाश जयसवाल, नितेश कुमार झा, अनामी शंकर, अश्वनी कुमार , ग्राउंड्स मैन राजेश कुमार आदि मौजूद थे।

दो दिवसीय उत्सव कार्निवल का रंगारंग कार्यक्रम के बीच चेयरमैन, वाइस चेयरमैन ने किया शुभारंभ

अररिया। फारबिसगंज के तेरापंथ भवन मैदान में तेरापंथ महिला मंडल और कनिया मंडल की ओर से आयोजित दो दिवसीय उत्सव कार्निवल का सोमवार को रंगारंग कार्यक्रम के बीच शुभारम्भ किया गया।मुख्य पार्षद वीणा देवी,उप मुख्य पार्षद नूतन भारती के साथ तेरापंथ महासभा के संवाहक अनूप बोथरा,उपासिका सुधा बोथरा,अध्यक्ष महेंद्र बैद,सचिव मनोज भंसाली आदि ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उत्सव कार्निवल में मुख्य आकर्षण का केंद्र तरह-तरह के फूड स्टॉल ,गेम स्टॉल एवं शॉपिंग स्टॉल है,जिसे शहर के चर्चित व्यवसायियों द्वारा लगाया गया है।कार्निवल में 40 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। कार्यक्रम में समाज के सभी वरिष्ठ एवं सभी संस्थाओं के पदाधिकारी भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और महिलाओं को आगे लाने का प्रयास है।कार्निवल दोपहर दो बजे से रात्रि नौ बजे तक चलेगा। कार्निवल को लेकर बच्चों और महिलाओं में अति उत्साह देखा गया। स्थानीय सभा के अध्यक्ष महेंद्र बैद एवं मंत्री मनोज भंसाली ने कार्यक्रम के सफलतापूर्वक उद्घाटन पर महिला मंडल व कन्या मंडल को बधाई दी और इसे नारी सशक्तिकरण की मिसाल बताया।कार्यक्रम में सहभागी रहे सभी स्पॉन्सर को महिला मंडल व कन्या मंडल द्वारा सम्मानित किया गया। उद्घाटन के समय महासभा संवाहक अनूप बोथरा,उपासिका सुधा बोथरा,मुख्य पार्षद वीणा देवी,उप मुख्य पार्षद नूतन भारती, सभाध्यक्ष महेन्द्र बैद, मंत्री मनोज भंसाली, महिला मंडल अध्यक्षा समता दुग्गड, मंत्री कल्पना सेठिया,तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष आशीष गोलछा, मंत्री पंकज नाहटा, छोटू बैद, दीपक समदरिया, भास्कर महनोत,अंजू बैद, समता बोथरा, सविता महनोत, सपना महनोत, बबीता डागा, सोनू पटावरी, ममता डागा,सोनू गोलछा, शैलेश बैद, पीयुष डागा, विकास डागा, जीतू बोडर,आशीष गोलछा,पंकज नाहटा,संजय सुराना,गौरव जैन, आदर्श गोयल,निशांत गोयल,पवन अग्रवाल, कुणाल केडिया, बछराज राखेचा,बुलबुल यादव,अंजनी गौतम,राजकुमार लढ़ा आदि मौजूद थे।

बॉर्डर यूनिटी कप क्रिकेट में नागरिक एकादश ने एसएसबी को हराया

अररिया। एसएसबी 56 वीं बटालियन की ओर से बथनाहा में बॉर्डर यूनिटी कप के तहत सोमवार को नागरिक एकादश और एसएसबी के बीच प्रदर्शनी मैच खेला गया,जिसमें नागरिक एकादश की टीम ने एसएसबी को पराजित कर कप पर कब्जा जमाया।नागरिक एकादश की ओर से जोगबनी के सामाजिक कार्यकर्ता राहुल चौधरी के नेतृत्व में नागरिक एकादश की टीम उतरी। एसएसबी की ओर से टीम का नेतृत्व कमांडेंट शाश्वत कुमार ने की।एसएसबी की टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया।पहले बल्लेबाजी करने उतरी नागरिक एकादश की टीम ने कुल 15 ओवर में सात विकेट खोकर 108 रन बनाए। 108 रन का लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसएसबी की टीम 13 ओवर में मात्र 70 रन पर ऑल आउट हो गई और जोगबनी टीम 38 रनों से मैच जीत लिया। विजेता टीम को एसएसबी के डीआईजी विवेक कुमार माथुर ने कप्तान राहुल चौधरी को ट्रॉफी प्रदान किया। मौके पर एसएसबी कमांडेंट शाश्वत कुमार ने 4 जनवरी को जोगबनी बोर्डर से जोगबनी थाना तक तिरंगा यात्रा निकाले जाने का ऐलान करते हुए अधिक से अधिक संख्या में लोगों से भागीदारी की अपील की। मौके पर एसएसबी 56वीं वाहिनी के कमांडेंट आईपीएस शाश्वत कुमार,द्वितीय कमान अधिकारी संजीव कुमार समेत बड़ी संख्या में एसएसबी के अधिकारी और जवान मौजूद थे,जो लगातार दोनों टीमों के खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ा रहे थे।

सांसद ने अपने जन्म दिवस पर जरूरतमंदों के बीच किया कंबल का वितरण

अररिया। सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने अपने जन्मदिन को सेवा, संवेदना और सामाजिक दायित्व के रूप में मनाते हुए शुभचिंतकों द्वारा श्रीधाम वृंदावन में केक काटकर मंदिर परिसर में मौजूद गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण किया। अररिया स्थित आवास पर साथी कार्यकर्ताओं द्वारा केक कटवाकर उन्हें जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। वहीं देर रात अररिया कोर्ट रेलवे स्टेशन परिसर में राहगीरों एवं जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण कर जन्मदिन की खुशी साझा की गई, जिसमें अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मौके पर सांसद ने मां काली के अनन्य भक्त, गुरुदेव नानू बाबा जी के आवास पर जाकर उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया। दिनभर आवास पर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने जन्मदिन को उत्सव के रूप में मनाते हुए इस विशेष दिन को और भी यादगार बनाया, जिसके लिए सांसद ने सभी के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। जन्मदिन के खास मौके पर जिला भाजपा अध्यक्ष आदित्य नारायण झा के नेतृत्व में जिला भाजपा कार्यालय में विशेष आयोजन किया गया, जिसमें नरपतगंज विधायक श्रीमती देवंती यादव की उपस्थिति रही। सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए गरीब एवं असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण अभियान चलाया। इसके तहत अररिया स्थित आवास तथा जिला सदर अस्पताल, अररिया में मरीजों एवं जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि जनता का स्नेह, आशीर्वाद और सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने जन्मदिन पर मिल रही अपार शुभकामनाओं के लिए अररिया जिले के समस्त जिलावासियों, कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों एवं समर्थकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया तथा जनसेवा के संकल्प को और दृढ़ करने की बात कही।

एम्बुलेंस में मरीज के बजाय गांजा,480 किलो गांजा के साथ दो कारोबारी गिरफ्तार

अररिया। भारत नेपाल सीमा क्षेत्र में इन दिनों बड़े पैमाने पर गांजा की तस्करी हो रही है और गांजा की तस्करी के लिए तस्करों के द्वारा नित्य नए हथकंडे अपनाए जाते हैं।ऐसे ही एक हथकंडे के तहत भारत नेपाल सीमा क्षेत्र जोगबनी के मुख्य बॉर्डर के पास नेपाल परिक्षेत्र में एक एम्बुलेंस को जब रात को नेपाल पुलिस ने रोक कर उनकी तलाशी लेनी शुरू की तो नेपाल पुलिस की आंखे चौंधिया गई।एम्बुलेंस में मरीज के बजाय भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया।एम्बुलेंस की जब पूरी तलाशी ली गई तो उसके अंदर से 16 पैकेट में कुल 480 किलो गांजा बरामद किया गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

50 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर?

देशभर में लाखों बच्चे अगर परीक्षाओं में विफल हो रहे हैं, तो इसकी वजह क्या है? क्या इसे गंभीर चुनौती मान लेने भर से इस समस्या का निवारण हो जाएगा? क्या यह जानने का प्रयास नहीं होना चाहिए कि शिक्षा में गुणवत्ता आखिर कहां कम रह गई और इसकी वजह क्या थी? विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा नहीं मिल पा रही है, तो जाहिर है कि पूरी व्यवस्था को अब दुरुस्त करने की जरूरत है। केवल चिंता जता देने और सतही कदम उठा लेने भर से काम नहीं चलेगा।फिलहाल तथ्य यही है कि देश में दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में हर वर्ष करीब पचास लाख विद्यार्थी विफल हो रहे हैं। इनमें अधिकतर विद्यार्थी पढ़ाई छोड़ देते हैं। खासतौर से लड़कियां विद्यालय नहीं लौटतीं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लड़के परिवार का बोझ उठाने के लिए काम करने लग जाते हैं। यह शिक्षा व्यवस्था की नाकामी तो है ही, वहीं शिक्षित भारत बनाने के लक्ष्य पर भी आघात है। इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की विफलता बताती है कि विद्यालयी शिक्षा को हम गंभीरता से नहीं ले रहे। अब केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इसे गंभीर चुनौती मानते हुए ऐसे विद्यार्थियों को दोबारा मुख्यधारा से जोड़ने की पहल की है। इसके तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह विद्यार्थियों तक पहुंचे और उन्हें पढ़ाई बीच में न छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करे। मगर सच यह है कि पिछले कई वर्षों से शिक्षा के दूरगामी लक्ष्यों पर ध्यान नहीं दिया गया है। सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों का अभाव किसी से छिपा नहीं है। कई राज्यों में तो कहीं-कहीं एक या दो शिक्षकों के भरोसे विद्यालय चलने की खबरें आई हैं। आए दिन शिक्षकों को शिक्षण कार्य से अलग दूसरे कार्यों में लगा दिया जाता है। मध्याह्न भोजन योजना से लेकर जनगणना, आधार सत्यापन और चुनावी कार्य में उन्हें उलझाए रखना कोई नई बात नहीं। ऐसे में बच्चों को शिक्षा देने का मूल कार्य प्राय- हाशिये पर चला जाता है। उनका पाठ्यक्रम तक पूरा नहीं होता और वे पढ़ाई में निरंतर पिछड़ते चले जाते हैं। देश में ऐसा परिदृश्य बन रहा है, तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है।

इंसाफ केवल होना नहीं, दिखना भी चाहिए

एक ओर महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगाम नहीं लग पाना आज भी एक बड़ी चुनौती है, वहीं कानूनी नुक्तों का फायदा उठा कर बलात्कार जैसे जघन्य अपराध के दोषी को भी कई बार रियायत दे दी जाती है। संभव है कि कानून की किसी व्याख्या के मुताबिक, अदालत में बलात्कार के दोषी सिद्ध हुए व्यक्ति को जमानत का पात्र समझा जाए, लेकिन इससे पीड़ित महिला के लिए न्याय सुनिश्चित किए जाने की प्रक्रिया गंभीर रूप से बाधित होती है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार के मामले में वर्ष 2019 में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को उम्रकैद की सजा हुई थी। अदालत ने भारतीय दंड संहिता के तहत बलात्कार के मामले और बच्चे-बच्चियों के यौन शोषण से सुरक्षा के कानून 'पाक्सो' में गंभीर यौन हिंसा के प्रावधानों के मुताबिक सजा दी थी। तब यह घटना देश भर में व्यापक चिंता और आक्रोश का कारण बनी थी। मगर अब दिल्ली हाई कोर्ट ने सेंगर की सजा को निलंबित करने का आदेश दे दिया। इस संदर्भ में एक अहम तथ्य यह है कि दोषी सिद्ध होने के बाद निचली अदालत ने साफ कहा था कि सेंगर को जीवन भर जेल में रहना होगा। जाहिर है, अपराध की गंभीरता और प्रकृति के मद्देनजर निचली अदालत में सेंगर को मिली सजा को कानून के मुताबिक माना जा रहा था, लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय ने जिस आधार पर उस सजा को निलंबित करने का आदेश दिया, वह स्वाभाविक ही विवादों के घेरे में आ गया। अब सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है। दरअसल, इस घटना के बाद पीड़िता को जिन हालात का सामना करना पड़ा और उसके जीवन तक पर जिस तरह के जोखिम खड़े हुए थे।

एक दावा यह भी है कि अहमद शाह ने अपने पीर हज़रत शेख़ अहमद खट्टू गंज बख़्श की सलाह पर अहमदाबाद शहर बसया। लेकिन एक और लेखक खान बहादुर ने अपनी पुस्तक 'हिस्ट्री ऑफ़ गुजरात' में लिखा है कि अहमद शाह ने चार अहमदों, जिनमें एक उनके गुरू भी थे, के नाम पर शहर का नाम अहमदाबाद रखा। गुजरात के जाने-माने पत्रकार अच्युत याज्ञनिक और उनकी साथी सुचित्रा सेठ ने अपनी किताब अहमदाबाद फ्रॉम रॉयल सिटी टू मेगा सिटी में अहमदाबाद, कर्णावती और असावल की चर्चा की है। अहमदाबाद को अरबी और फ़ारसी इतिहासकारों ने इसे असावल कहा है, जबकि संस्कृत और प्राकृत साहित्य में इसे आशापल्ली कहा गया है।

राष्ट्रमंडल खेलों के बहाने क्या अहमदाबाद बन पाएगा कर्णावती

(उमेश चतुर्वेदी)

गुजरात के इस प्रमुख नगर को पहले कर्णावती के ही नाम से जाना जाता था। दस्तावेजों के मुताबिक, इसकी स्थापना 11वीं सदी में सोलंकी शासक कर्णदेव ने की थी। उसी के नाम के चलते इसे कर्णावती कहा जाता था। लेकिन बाद में वहां सुल्तान अहमद शाह ने आक्रमण किया और कब्जे के बाद उसने इस शहर के बगल में 1411 में 'अहमदाबाद' बसाया। राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी वर्ष के आयोजन की जिम्मेदारी अहमदाबाद को मिलने के बाद एक बार फिर उसका नाम बदलकर कर्णावती करने को लेकर सोशल मीडिया पर मांग तेज हो गई है। तर्क दिया जा रहा है कि राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन यानी साल 2030 तक गुजरात की पहली राजधानी को कर्णावती के नाम से जाना चाहिए। यह पहला मौका नहीं है, जब इस शहर का नाम बदलने की मांग हो रही है। जब साल 2018 में गुजरात के सहोदर राज्य महाराष्ट्र की तत्कालीन सरकार ने कई शहरों के नाम बदले, तब भी यह मांग उठी थी। लेकिन तब इसे अस्वीकार कर दिया गया था। वैसे भी भारतीय जनता पार्टी का जोर भारत के प्राचीन रूप और नाम पर रहा है, फिर गुजरात की सत्ता पर भाजपा तकरीबन तीन दशक से काबिज है, इसकी वजह से शहर को पुराने नाम की पहचान दिलाने की चाहत रखने वाले रह-रहकर मांग करते रहे हैं। गुजरात के इस प्रमुख नगर को पहले कर्णावती के ही नाम से जाना जाता था। दस्तावेजों के मुताबिक, इसकी स्थापना 11वीं सदी में सोलंकी शासक कर्णदेव ने की थी। उसी के नाम के चलते इसे कर्णावती कहा जाता था। लेकिन बाद में वहां सुल्तान अहमद शाह ने आक्रमण किया और कब्जे के बाद उसने इस शहर के बगल में 1411 में 'अहमदाबाद' बसाया। कर्णावती नाम करने की मांग के पीछे इस शहर को उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़ों से फिर से जोड़ने की चाहत से प्रेरित है। कुछ वैसे ही, जैसे उत्तर प्रदेश में फैजाबाद को बदलकर अयोध्या, मुगलसराय को बदलकर दीनदयाल उपाध्याय नगर, इलाहाबाद को बदलकर प्रयागराज कर दिया गया है। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद गौरवशाली अतीत से जुड़ने और उसकी संज्ञाओं को बहाल करने का दौर तेज हो गया है। अयोध्या में राममंदिर, वाराणसी में काशी-विश्वनाथ कॉरीडोर और उज्जैन में महाकाल कॉरीडोर बनने के बाद पुनरूत्थानवादी सोच और प्रक्रिया को और बल मिला है। ऐसे में अहमदाबाद को पुराने कर्णावती नाम से जानने-पुकारने की इच्छा होना अचरज की बात नहीं है। कर्णावती नाम करने को लेकर कभी इसी शहर के एलिसब्रिज से विधायक और अब गांधीनगर से सांसद गृहमंत्री अमित शाह और अहमदाबाद पूर्व से लोकसभा सदस्य रहे हंसमुख भाई पटेल नकार चुके हैं। यह बात और है कि कभी हसमुख पटेल खुद भी कर्णावती नाम करने के लिए अभियान चला चुके थे। उन्होंने खुद 1995 और 2000 में नाम बदलने के लिए आवेदन भी दिया था, लेकिन इसे नकार दिया गया था। बाद में उन्होंने ही 2005 में शहर को हेरिटेज सिटी यानी विरासत शहर का दर्जा देने की मांग की थी। इसके बाद वे कर्णावती नाम किए जाने की मांग से पीछे हट गए थे। तब उन्होंने कहा था कि अब अगर अहमदाबाद शहर का नाम बदलकर कर्णावती किया गया तो उसे वर्ल्ड हेरीटेज सिटी का दर्जा मिलना मुश्किल हो जाएगा। साल 2018 में गुजरात के तत्कालीन उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा था कि राज्य सरकार अहमदाबाद का नाम बदलकर कर्णावती करने पर विचार कर रही है। राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी ऐसा कहते रहे। तब उनकी राय सामने आने के बाद अहमदाबाद के इतिहास को लेकर नई बहस छिड़ गई थी। इसी तरह जब से अहमदाबाद को 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन का जिम्मा मिला है, एक बार फिर यही बहस तेज हो गई है। अहमदाबाद ही कर्णावती था, इसकी जानकारी कई ऐतिहासिक पुस्तकों में मिलती है। ऐसी ही एक पुस्तक है, गुजरात विश्वविद्यालय में फ़ारसी के प्रमुख रहे छोटूभाई नायक की किताब 'हिस्ट्री ऑफ़ इस्लामिक सल्तनत इन गुजरात'। इसमें छोटू भाई नायक ने बताया है कि गुजरात के पहले स्वतंत्र शासक मुज़फ़्फ़रशाह ने अपने चार लड़कों को दरकिनार करते हुए अपने पोते अहमद शाह को अनहिलवाद के सिंहासन पर बैठा दिया था। जिसे आज हम पाटन के नाम से जानते हैं। इसी मुज़फ़्फ़र शाह के पांच बेटे थे, फ़िरोज़ ख़ान, हैबत ख़ान, सादत ख़ान, तातार ख़ान और शेर ख़ान। जिस अहमद शाह ने अहमदाबाद बसाया, वह तातार ख़ान का बेटा था। अहमद शाह के चाचाओं को इस बात का मलाल रहा कि राज्य में उन्हें हिस्सा नहीं मिला। गुजरात के इतिहास पर अंग्रेज लेखक एडवर्ड क्लाइव बेले की मशहूर किताब है, 'द लोकल मौह्मडन डायनेस्टीज़- गुज़रात'। इसमें उन्होंने मुजफ्फरशाह परिवार के संघर्ष पर प्रकाश डाला है। इस पुस्तक में बताया गया है कि फ़िरोज़ ख़ान का बेटा और अहमद शाह का चचेरा भाई मौदूद तब बड़ोदा का गवर्नर था। मौदूद ने अपने पिता फ़िरोज़ ख़ान के साथ मिलकर अहमद शाह के ख़िलाफ़ बग़ावत छेड़ने की तैयारी की और अपने साथ अमीर मुसलमानों को मिलाना शुरू किया। इस पुस्तक के मुताबिक, तत्कालीन दो हिंदू सरदारों, जीवनदास खत्री और प्रयागदास ने भी फ़िरोज़ ख़ान का साथ दिया। छोटू भाई शाह की पुस्तक के अनुसार, मालवा के सुल्तान हुशांग शाह ने भी अहमद शाह के ख़िलाफ़ बग़ावत में फ़िरोज़ ख़ान का साथ दिया था। अहमद शाह के ख़िलाफ़ खड़ी हो रही सेना की अगुआई मौदूद के हाथ थी, उसने जीवनदास को अपना वज़ीर घोषित कर दिया। जीवनदास ने पाटन पर हमले की सलाह दी। लेकिन कई ने इसका विरोध किया। कुछ लोग ऐसे भी रहे, जिन्होंने समझौते का प्रस्ताव रखा था। लेकिन दोनों पक्षों में विवाद इतना बढ़ा कि कुछ लोगों ने पलट कर अहमद शाह से मिल गए। बहरहाल बाद में संघर्ष हुआ, जिसमें जीवनदास खत्री मारा गया। इसके बाद मौदूद को मजबूरी में खंबात का रूख करना पड़ा। वहां सूरत के शेख मलिक और रेंडर से उसकी मुलाकात हई। इस बीच अहमद शाह उसका पीछा करता रहा और उसने जल्द ही मौदूद को गिरफ्तार करके भरूच किले को घेर लिया। बाद में सुल्तान को मौदूद पर दया आ गई और उसने मौदूद को रिहा करके वापस लौट गए। पाटन लौटते वक्त अहमदशाह ने साबरमती के किनारे असावल नामक कस्बे के पास डेरा डाला था। जिसके प्रमुख आशा भील थे। इसका जिक्र फारसी भाषा में लिखी अली मुहम्मद ख़ान की किताब मिरात-ए-अहमदी में जिक्र मिलता है। छोटूभाई नायक भी अपनी किताब में यही बात लिखते हैं। जहां सुल्तान रुका था, वहीं उसने नया शहर बसाने का फ़ैसला किया। इसके बाद सुल्तान अपनी सेना लेकर आए जिसके बाद असावल के सरदार आशा भील को अपना क़स्बा छोड़कर भागना पड़ा। लेकिन आशा भील इसका विरोध कर रहे थे। लेकिन अहमदशाह की सेना के सामने वह टिक नहीं पाए और उन्हें पलायन करना पड़ा। फिर अहमदाबाद शहर की नींव 1411 के फरवरी-मार्च महीने में रखी गई।

गुरु की गर्जना, सभ्यता की शपथ- सवा लाख से एक लड़ाने वाला महासंत

(प्रणय विक्रम सिंह)

इतिहास के कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जब कोई व्यक्ति नहीं, पूरी सभ्यता बोलती है। गुरु श्री गोबिन्द सिंह जी महाराज ऐसे ही क्षणों की आवाज हैं। वे किसी युग के साधु नहीं, सभ्यता के सेनापति थे। वे उस समय खड़े हुए, जब सनातन संस्कृति को मिटाने की योजनाएं तलवार से कम और विश्वासघात से अधिक रची जा रही थीं। उस समय गुरु ने समझौता नहीं किया, संघर्ष का शंखनाद किया।उस अंधकार में गुरु का जीवन दीपशिखा बनकर जला, न केवल सिख पंथ के लिए, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय चेतना के लिए। गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज ने धर्म को पूजा की परिधि से निकालकर जीवन का साहस बनाया। उनके लिए स्वधर्म का अर्थ आत्मरक्षा भर नहीं था, बल्कि समाज और संस्कृति की रक्षा था। वे जानते थे कि जब अन्याय संगठित हो जाए, तो सत्य को भी संगठित होना पड़ता है। ऐसे समय पर धर्म का मौन अपराध बन जाता है। यही कारण है कि गुरु ने शास्त्र से शील और शस्त्र से शौर्य दोनों को एक ही श्वास में साधा। यही संत-सैनिक परंपरा है। यही खालसा है। और यही सनातन की वह चेतना है, जो संकट में तपकर और तेजस्वी होती है। इसी कारण इतिहास में वह गर्जना गूंजती है कि सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं। यह पंक्ति कविता नहीं, घोषणा है। यह अहंकार नहीं, आत्मविश्वास है। यह संख्या की चुनौती नहीं, चरित्र की कसौटी है। गुरु कहते हैं कि मैं तब ही गुरु कहलाऊंगा, जब भयभीत भी वीर बनें, जब कमज़ोर भी शेर बनें, जब दमन के आकाश में उड़ती चिड़िया भी बाज से भिड़ने का साहस करे। यही खालसा का संकल्प हैज गिनती से नहीं, गुण से लड़ना। सिख पंथ कोई पृथक मार्ग नहीं, सनातन चेतना का ओजस्वी, उज्ज्वल और निर्भीक विस्तार है।सनातन परंपरा के पुनरुत्थान की उद्घोषणा है। गुरु गोबिन्द सिंह जी की वाणी में वेदों का विवेक है, गीता का कर्मयोग है और शक्ति-उपासना का ओज है। चंडी चरित्र में वे महाशक्ति का आह्वाहन करते हैं, चौबीस अवतार में विष्णु परंपरा का विस्तार करते हैं और 'शुभ करमन से कबहुँ न टरौं' में उसी सनातन प्रतिज्ञा को स्वर देते हैं, जिसने भारत को कभी पराजित नहीं होने दिया। गुरु के लिए राम, कृष्ण, दुर्गा प्रतीक नहीं संस्कार हैं। युद्धभूमि की प्रेरणा हैं। उनका जीवन सुविधाओं का नहीं, संघर्षों का सिंहनाद है। बलिदानों की बरछी है। आनंदपुर की घेराबंदी, चमकौर का रण, सरहिंद का रक्तरंजित अध्याय ये सब बताते हैं कि गुरु ने धर्म के लिए केवल प्रवचन नहीं दिए, वंश अर्पित कर दिया। 'जफरनामा' कोई शिकायत नहीं, बल्कि विजय-पत्र है। उस सत्य की विजय, जो सत्ता के सिंहासन से भी ऊंचा होता है। जब गुरु कहते हैं कि अब झूठी कसमों पर भरोसा नहीं, तो वह केवल औरंगज़ेब को नहीं, पूरी इस्लामी छल-परंपरा को ललकार रहे होते हैं। चार साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास का वह शिखर है, जहां काल भी नतमस्तक हो जाता है।

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन परिवारजनों के साथ गुजरेगा। शाम से लेकर रात तक पत्नी व बच्चों के साथ आस-पास की यात्रा का योग बन रहा है। आज व्यापार में भी आरको प्रगति देखने को मिलेगी। इससे आप प्रसन्न रहेंगे और आपका दिन अच्छा बीतेगा। वैवाहिक जीवन भी आज आनन्द दायक दिख रहा है। छात्रों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा महसूस होगा।

वृष

आज दिन शुभ दिखाई दे रहा है। राशि स्वामी शुक्र की अष्टम आयु भाव में स्थिति और चन्द्रमा का मीन राशि में संचार आश्चर्य और मन को संतोष का देने वाला रहेगा। इस दौरान लंबे समय से इंतजार कर रहे किसी शुभ समाचार को सुनकर मन प्रसन्न हो जाएगा। वही, रात का समय घर-परिवार के लोगों के साथ हास्य विनोद में व्यतीत होगा।

मिथुन

आज आपको सांसारिक सुखों की प्राप्ति होगी, मान-सम्मान में वृद्धि होगी और भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। इस दौरान नई खोजों में भी आपकी रुचि बढ़ेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात के योग बन रहे हैं। इससे आपके अंदर नई आशाओं का संचार होगा।

कर्क

आज आपके स्वभाव, कार्यक्षेत्र और मानसिक स्थिति पर दिखाई देगा। आज जो भी काम आप करेंगे सरलता बनते चले जाएएंगे। व्यर्थ के कार्यों में समय बर्बाद न करें। खर्च में कटौती करना बहुत आवश्यक है। जायदाद या किसी अन्य मूल्यवान वस्तु की सौदेबाजी करने से पहले उसके सारे वैधानिक दस्तावेजों का अच्छी तरह अध्ययन कर लें।

सिंह

आज का दिन अत्यंत शुभ फल देने वाला संयोग बना रहे हैं। इसके प्रभाव से आपके किए गए प्रयासों में सफलता मिलने की संभावना प्रबल रहती है। वहीं, आपके पराक्रम में वृद्धि से शत्रुओं का मनोबल गिरेगा। बच्चे खेल कूद में व्यस्त रहेंगे। दूसरों की मदद करने से आपको सुकून मिलेगा। शाम के समय में किसी विद्वान व्यक्ति से मिलने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

कन्या

आज संतान पक्ष से हर्ष और लक्ष्मी की बड़ी मात्रा में प्राप्ति के संकेत दे रहा है। अपनी उत्तम कार्यशैली व विनम्र स्वभाव का आज भी आपको लाभ मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

तुला

आज आपकी अपने साथियों के बीच लोकप्रियता बढ़ेगी। किसी राजनयिक से निकटता व दोस्ती होगी। आगे चलकर उसके अनुभव का लाभ भी आपको होगा। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। छात्रों को सलाह है कि अपना अधिक से अधिक समय अध्ययन में लगाएं। सायंकाल से लेकर रात्रि का समय पूजा व किसी धार्मिक अनुष्ठान में व्यतीत होगा।

वृश्चिक

आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। हालांकि, आपको थोड़ा सतर्क भी रहना होगा। किसी भी मामले में जल्दबाजी में लिया फैसला नुकसान का कारण बन सकता है। व्यक्तिगत मतभेदों को व्यावसायिक मामलों के बीच में लाने से हानि हो सकती है। प्रेमी या किसी अन्य निकट के व्यक्ति से कोई कहासुनी हो सकती है। ऐसे में बातचीत से मामले को सुलझाना बेहतर रहेगा।

धनु

आज अपने स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान देना होगा। आज किसी प्रिय व्यक्ति के स्वास्थ्य को लेकर भी आप चिंतित रह सकते हैं। काम का भार भी आज कुछ ज्यादा देखने को मिलेगा। अपने जूनियर से काम निकालने के लिए प्यार से काम लेना आपके लिए बेहतर होगा। घर में भी वातावरण हल्का फुल्का बना रहेगा। आपके सभी काम खुशी-खुशी बनते जाएंगे।

मकर

आज विरोधियों पर जीत मिलेगी। आज आपके विरोधी परास्त होते चले जाएंगे। पारिवारिक जीवन भी सुखमय रहेगा। राजनीतिक सहयोग से सफलता का मार्ग प्रशस्त होगा। हालांकि, इस दौरान वाणी पर संयम रखना आपके लिए जरूरी होगा। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें। सायंकाल से लेकर रात्रि तक जीवनसाथी के साथ स प्रगाढ़ होंगे। यात्रा में सावधान रहें।

कुंभ

आज आपके ग्रह आपकी प्रगति कर रहे हैं। हालांकि, सुबह से ही आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है। किसी मंगलमय या धार्मिक आयोजन की व्यवस्था में व्यस्त रहेंगे। पिता व उच्चाधिकारियों से शाबाशी मिलेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि देर तक जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। थकान से थोड़ी परेशानी हो सकती है। इससे आपके दिमाग को भी रिलेक्स मिलेगा।

मीन

आज का दिन शुभ समाचार लेकर आया है। आज आपको कोई उपहार या सम्मान मिल सकता है। कोई पुरानी महिला मित्र से अकस्मात् धन लाभ होने के योग बनते दिख रहे हैं। रोजी-रोजगार की दिशा में भी आपको अप्रत्याशित सफलता मिलेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक अनचाही यात्रा का योग है। यह यात्रा आपके लिए लाभप्रद सिद्ध होगी।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5958

	9	6		4			3	
	5	7	8	2				
1			9			5		
		9		1				8
5								2
4				9		6		
		4			3			1
				7	9	2	6	
	2			5		9	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5957

2	3	5	6	4	7	9	8	1
1	8	9	5	3	2	4	7	6
7	4	6	8	9	1	2	5	3
4	5	1	9	7	8	3	6	2
3	6	8	1	2	5	7	9	4
9	7	2	3	6	4	5	1	8
6	9	7	4	1	3	8	2	5
8	1	3	2	5	9	6	4	7
5	2	4	7	8	6	1	3	9

वर्ग पहेली 5958

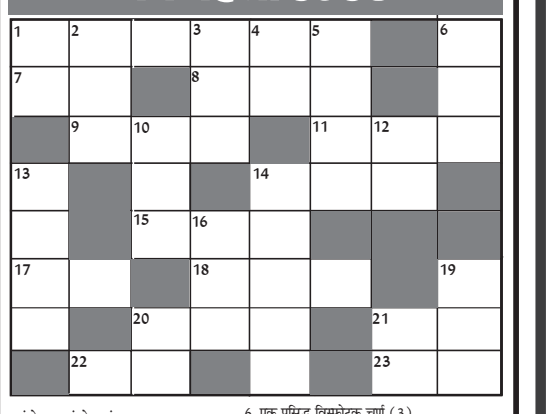

संकेतः बाएं से दाएं
1. 5 मई 1916 को भारत के इस पूर्व राष्ट्रपति (25 जुलाई 1987) ने जन्म लिया था (6)
7. अंधकार, तमोगुण, विषय वासना रूपी अज्ञान (2)
8. अगाध, गहन, घनिष्ठ (3)
9. चक्षु, नेत्र, आंख (3)
11. पावती, पहुंच पत्र (3)
14. राष्ट्र, देश, मुल्क (3)
15. कुली से करोड़पति बनने की अमिताभ बच्चन की एक फिल्म (3)
17. स्वांग, आउटफिट, ड्रैस (2)
18. अक्षदंड, आक का पौधा, गंध द्रव्य (3)
20. अनुनय, नम्र व्यवहार (3)
21. पेट के बल, अनुत्तान, यवनिका (2)
22. घोड़ा, कीकान, रथ वाहक (2)
23. समूह, गुट, फूल की पंखुडी (2)

ऊपर से नीचे
1. मालूम, जो जानकारी में हो (2)
2. नीरोग, चंगा, तंदरूस्त (3)
3. वे दिन जिसमें विवाह आदि संपन्न कराऐ जाते हो (3)
4. शेर, फलित ज्योतिष की बारह राशियों में से एक (2)
5. हल्का बुखार आने की अवस्था यह कहलाती है (4)
6. एक प्रसिद्ध विस्फोटक चूर्ण (3)
10. हजरत मूसा के धर्म का अनुयायी (3)
12. फ्रांस कीयह नदी इंग्लिश चैनल में जाकर गिरती है, पेरिस शहर इस नदी के किनारे स्थित है (2)
13. भारतीय आर्यों के सर्वप्रधान धार्मिक ग्रंथों में से एक जिसकी एक संहिता है जिसमें 1810 ऋचाऐं है भारतीय संगीत शास्त्र का आरंभ इसी से होता है (4)
14. वरदाता, वर देने वाला (5)
16. विष्णु का पांचवां अवतार जो राजा बलि को छलने के लिए हुआ था (3)
19. जिसे टाला न जा सके, स्थाई (3)
20. जगत, संसार, दुनिया (2)
21. ओहदा, पदवी (2)

वर्ग पहेली 5957 का हल

ब्रि	टे	न	■	र	घु	वं	श
ज	ल	ज	■	■	न	■	ल
■	र	फ	बु	क	■	न	भ
सु	■	■	डा	ल	दा	र	■
ख	रा	■	पे	श	गी	■	क
दा	■	पे	स्ट	■	■	■	र्ना
य	म	ज	■	क	र	व	ट
क	ला	■	भ्र	ष्ट	■	ह	क

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, स्थानीय संपादक- साकेत अम्बष्ट, -9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, RNI-BIHHIN/2017/72765

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

आनंद मार्ग का विश्व स्तरीय धर्म महासम्मेलन 30 से पुंदाग में

बोकारो, एजेंसी। आनंद मार्ग प्रचारक संघ की ओर से आनंद नगर में 30 व 31 दिसंबर को बाबा नाम केवलम कीर्तन महामंत्र के गायन से विश्व स्तरीय धर्म महासम्मेलन में पुंदाग में होगा। यह जानकारी रविवार को आनंद मार्ग के आचार्य रमेन्द्रानन्द अवधूत व आचार्य अवनिन्द्रानन्द अवधूत ने प्रभात कॉलोनी आनंद मार्ग जागृति चास में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में कही। बताया कि आनंदनगर श्री श्री आनंदमूर्ति जी (आनंद मार्ग के संस्थापक) का भावी विश्व समाज की परिकल्पना का केंद्र बिंदु है। यहां प्रतिवर्ष शीतकाल में वर्ष के अंत और नए वर्ष की शुरुआती तिथि को देश विदेश में फैले आनंद मार्ग के अनुयायी धर्म महासम्मेलन में नियमित आते रहे हैं। कहा कि 72 घंटे का बाबा नाम केवलम अखंड कीर्तन 29 दिसंबर को प्रारंभ होगा। इस अखंड कीर्तन में अष्टाक्षरी सिद्ध महामंत्र 'बाबा नाम केवलम् ' का गायन किया जायेगा। इस अवसर पर आनंद मार्ग प्रचारक संघ के पुरोधा प्रमुख व अध्यक्ष आचार्य विश्वदेवानन्द अवधूत दो दिन दोपहर व रात्रि में हजारों साधक साधिकाओं को आध्यात्मिक प्रवचन देंगे। कहा कि आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल की ओर से चिकित्सीय सेवायें दी जायेगी। तांडव एवं कौशिकी नृत्य के प्रतियोगिता का आयोजन हरि परिमंडल गोष्ठी के महिलाओं और पुरुषों के द्वारा किया जायेगा।

बिहार के सीवान का शशि गलाता था जेवरात

बोकारो, एजेंसी। बोकारो शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटना से बोकारो पुलिस लगातार परेशान थी। हॉफ पैंट चोर गिरोह लगातार चोरी की घटना को अंजाम देकर बोकारो पुलिस को चैलेंज कर रहा था। एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह के देखरेख में तत्कालीन थानेदार चंदन कुमार दूबे ने चोरों के खिलाफ जाल बिछाना शुरू कर दिया था। बिहार के कई ठिकानों पर दबीश दी गयी थी। इसी बीच चंदन का तबादला पिंड्राजोरा हो गया। इसके बाद प्रभारी पुष्पराज ने कमान संभाल ली। एसपी का छापेमारी दल लगातार काम में जुटा रहा। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि शनिवार की देर रात पुष्पराज को सूचना मिली कि केके सिंह कॉलोनी में संदिग्ध गतिविधि हो रही है। सूचना पाकर एसपी की विशेष छापेमारी दस्ता केके सिंह कॉलोनी पहुंची। चोरी का प्रयास कर रहे पांच चोरों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। जांच-पडताल में अंतर जिला हॉफ पैंट चोर गिरोह के सदस्य होने की जानकारी पुलिस को मिली। पूछताछ के बाद टीम ने लगातार छापेमारी की। गैंग से जुडे सात बालिग व दो नाबालिग को गिरफ्तार किया गया। गैंग के पकडे जाने के बाद 44 चोरी की घटनाओं का उद्भेदन हुआ है। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 10 लाख 62 हजार रुपया का 90 ग्राम सोना, नौ लाख 10 हजार रूपया का पांच किलो तीन सौ ग्राम चांदी, 52 हजार 850 रूपया नकद, दो बाइक (जेएच09बीएल - 1617 व जेएच09बीजे - 0927), एक बडा एलइडी टीवी, दो इन्वर्टर, एक लेपटॉप, छह मोबाइल, पीतल व कांसा का बर्तन, दो चाकू, एक गैता, टूटा हुआ ताला, एक ग्राइंडर, एक छोटा गैस सिलेंडर, एक गणेशजी की मूर्ति व पूजा का बर्तन बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों पर सात थाना में 44 अपराधिक मामला दर्ज है। इसमें चीरा चास थाना में 20, बालीडीह ओपी थाना में पांच, बालीडीह थाना में चार, चास मुफस्सिल थाना में दो, बीएस सिटी थाना में तीन, सेक्टर चार थाना में चार, सेक्टर 12 थाना में छह मामला दर्ज है। रोहित मेहरा पर बीएस सिटी, सेक्टर चार, सेक्टर 12 थाना व बड़का बांसफोड उर्फ बड़का डोम पर बीएस सिटी थाना में एक मामला दर्ज है।

राष्ट्रीय कांग्रेस में बसती है भारत की आत्मा : जवाहर लाल महथा

बोकारो, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर बोकारो जिला कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर लाल महथा के नेतृत्व में रविवार को कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम की शुरुआत श्री महथा के आवासीय कार्यालय में दर्जनों कार्यकर्ता की उपस्थिति में कांग्रेस का झंडा फहरा व मिठाई बांट कर की गयी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में भारत की आत्मा बसती है। कांग्रेस हीं एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो सबका मान-सम्मान का ख्याल रखती है। देवाशीष मंडल, कौशल किशोर, अशोक मिश्रा, डब्बू रॉय, नेहा यादव, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष नितेश भारद्वाज, पूनम, आशा देवी, ममता, ओमप्रकाश मंडल सहित कई नेता मौजूद थे। श्री महथा ने चास नगर कांग्रेस के तत्वाधान में कांग्रेसी सुशील झा पर आवास में झंडा फहराया गया। गरीबों के बीच कंबल वितरण किया। केक काट कर खुशी का इजहार किया। सुशील झा, गौरव राय, महावीर सिंह चौधरी, शोएब सलमान उपस्थित थे। इसके बाद श्री महथा व अनुपमा सिंह के नेतृत्व में बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्र बसंतपुर, तेलमतिया आदि गांव में दौरा कर घर-घर कांग्रेस का झंडा फहराया गया। अजीत सिंह चौधरी, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल, चास प्रखंड ग्रामीण अध्यक्ष तुलसी महतो, युवा कांग्रेस अध्यक्ष नितेश भारद्वाज, सौरभ शर्मा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन तुलसी महतो ने किया। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग) के मीडिया प्रभारी मोहम्मद कैशफ रजा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के 140 वां स्थापना दिवस पर रविवार को गौसनगर भर्रा चास में कांग्रेस पार्टी का झंडातोलन किया। इस दौरान दर्जनों वरिष्ठ कांग्रेस जनों ने लोगों को मिठाई खिलाकर बधाई और शुभकामनाएं दी। कैशफ ने कहा कि कांग्रेस केवल, एक राजनीतिक दल नहीं। बल्कि आजाद भारत, संविधान और लोकतंत्र की आत्मा है। कांग्रेसियों ने आम लोगों के साथ लोकतंत्र व संविधान को मजबूत करने का संकल्प लिया। मौके पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव निजाम अंसारी, वरिष्ठ कांग्रेसी रवि प्रसाद प्रजापति, नीरज बरनवाल, महेश सिंह, हरेंद्र तिवारी, प्रेम राय, रणधीर, गुलाम हसन, अजीम अंसारी, मुश्ताक आलम, जगदीश यादव, सैयद आफताब आलम, इम्तियाज खान, हाजी नसीमुद्दीन सहित कई मौजूद थे। जैनामोड़। जरीडीह कांग्रेस कमेटी के द्वारा रविवार को तेतरियाडीह स्थित कार्यालय में 140वां स्थापना दिवस मनाया गया।

नई शराब नीति से हजारीबाग में हड़कंप

बंद होने की कगार पर 40 प्रतिशत दुकानें

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड सरकार की नई शराब नीति हजारीबाग जिले में गंभीर संकट का रूप लेती जा रही है। नीति लागू होते ही शराब कारोबारियों पर आर्थिक दबाव इस कदर बढ़ गया है कि अब कई दुकानदारों ने दुकानों को सरेंडर करने की तैयारी शुरू कर दी है। जिले की स्थिति इतनी चिंताजनक हो चुकी है कि करीब 40 प्रतिशत शराब दुकानें लगातार नुकसान में चल रही हैं और बंदी के कगार पर पहुंच चुकी हैं। इसका सीधा असर न केवल कारोबारियों की आजीविका पर पड़ रहा है, बल्कि राज्य सरकार के राजस्व को लेकर भी खतरे की घंटी बजने लगी है।

हजारीबाग जिले में फिलहाल 67 शराब दुकानें संचालित हैं, जिन्हें नई नीति के तहत सरकारी नियंत्रण से हटाकर निजी हाथों में सौंपा गया है। निजीकरण के साथ ही सरकार ने लाइसेंस शुल्क, टैक्स और निर्धारित राजस्व लक्ष्य में लगभग 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी है। दुकानदारों का कहना है कि बाजार में बिक्री की स्थिति पहले जैसी नहीं रही, जबकि टैक्स और देनदारियों का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में मुनाफा कमाना तो दूर, दुकान का खर्च निकाल पाना भी मुश्किल होता जा रहा है।

स्थिति यह है कि झंडा चौक और बस स्टैंड जैसे शहर के सबसे व्यस्त व्यावसायिक इलाकों में संचालित शराब दुकानें भी घाटे में जाने लगी हैं। दुकानदारों के अनुसार कम बिक्री, ऊंचा लाइसेंस शुल्क, जीएसटी, अतिरिक्त टैक्स और तय राजस्व लक्ष्य ने शराब कारोबार को पूरी तरह घाटे का सौदा बना दिया है।

कई दुकानदारों ने बताया कि हर माह तय लक्ष्य पूरा न होने पर जुर्माने और दबाव का सामना करना पड़ता है, जिससे हालात और बिगड़ रहे हैं।

दुकानदारों ने नई शराब नीति की खामियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि सरकार ने खराब और कम ग्राहक वाली लोकेशन की दुकानों को भी निजी हाथों में दे दिया है, जहां स्वाभाविक रूप से बिक्री सीमित रहती है। इसके बावजूद सभी दुकानों पर एक समान टैक्स और राजस्व लक्ष्य लागू कर दिया गया है, जो व्यावहारिक नहीं है। कारोबारियों का मानना है कि यदि नीति में स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार बदलाव नहीं किया गया, तो नुकसान और बढ़ेगा। दुकानदारों और उनके संगठनों ने सरकार से नई शराब नीति की तत्काल समीक्षा, टैक्स दरों में राहत और राजस्व लक्ष्य में यथार्थपरक संशोधन की मांग की है। उनका कहना है कि यदि मौजूदा हालात बने रहे, तो आने वाले दिनों में और भी दुकानों के सरेंडर किए जाने की नौबत आ सकती है।

इससे एक ओर जहां सैकड़ों लोगों की रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार को मिलने वाला राजस्व भी बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। अब देखना यह है कि सरकार इस बढ़ते संकट को गंभीरता से लेते हुए क्या ठोस कदम उठाती है।

कोडरमा में नाबालिग छात्रा ने की आत्महत्या, मां के साथ रह 12वीं की कर रही थी पढ़ाई

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह दर्दनाक घटना गांधी स्कूल रोड स्थित एक मकान में बीती रात हुई। मृतका की पहचान 17 वर्षीय नेहा कुमारी, पिता सकलदेव यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। नेहा कक्षा 12वीं की छात्रा थी। अपनी मां के साथ रहती थी। उसके पिता परिवार से अलग रहते हैं।

घर लौटने पर कमरे में झूलती मिली बॉडी : मृतका के मामा लक्ष्मण यादव ने बताया कि रविवार दोपहर वह और उनकी बहन गुड़िया देवी किसी काम से बाहर गए हुए थे। रात करीब 9 बजे जब दोनों घर लौटे, तो अंदर वाले कमरे में नेहा कुर्सी के सहारे साड़ी से फंदा बनाकर छत के हुक से लटकी हुई मिली। आनन-फानन में उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना तत्काल तिलैया पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

मोबाइल चैट से सामने आई ब्लैकमेलिंग की बात : घटना के बाद नेहा के मामा ने उसका मोबाइल फोन चेक किया, जिसमें जयनगर थाना क्षेत्र के अंकित यादव, पिता अरुण यादव, के साथ हुई व्हाट्सएप चैट सामने आई। परिजनों का आरोप है कि इन चैट्स में अंकित द्वारा नेहा को किसी वीडियो को सार्वजनिक करने और उसे फंसाने की धमकी दी जा रही थी।

लक्ष्मण यादव ने बताया कि नेहा का पैतृक गांव जयनगर प्रखंड के चंद्रपुर में है। उसने कक्षा 10वीं तक की पढ़ाई सतडीहा गांव के एक स्कूल से की थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी दौरान उसकी जान-पहचान अंकित से हुई होगी।

पुलिस ने मोबाइल जब्त किया, जांच में जुटी : सूचना मिलने पर तिलैया थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया है। पुलिस ने नेहा का मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है और उसमें मौजूद चैट व अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। तिलैया थाना प्रभारी ने बताया कि आत्महत्या के कारणों की गहराई से जांच की जा रही है। परिजनों से लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि यदि ब्लैकमेलिंग या आत्महत्या के लिए उकसाने के प्रमाण मिलते हैं, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चतरा में नक्सलियों के दो गुट भिड़े, 2 की मौत :आधी रात गोलियों की तड़तड़ाहट से दहला गांव

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के कुंदा थाना क्षेत्र स्थित गेंदरा गांव में रविवार आधी रात नक्सलियों के दो गुटों के बीच खूनी लड़ाई हो गई। वर्चस्व को लेकर हुई इस हिंसक झड़प में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एनआईए का आरोपी समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रविवार रात करीब 12 से 1 बजे के बीच की बताई जा रही है। अचानक हुई फायरिंग से गांव में दहशत फैल गई और लोग घरों में दुबक गए।

घर पर हमला करने पहुंचे थे हमलावर : पुलिस के अनुसार, लावालौंग निवासी धीरेन्द्र गंझू और चूरामन गंझू अपने समर्थकों के साथ गिरोह बनाकर कुंदा थाना क्षेत्र के गेंदरा गांव में श्याम गंझू के घर पर हमला करने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच पहले से आपसी रंजिश और वर्चस्व को लेकर विवाद चल रहा था। जैसे ही हमलावरों ने हमला किया, दूसरे पक्ष ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से अंधाधुंध फायरिंग हुई, जिसमें हमलावर धीरेन्द्र गंझू और चूरामन गंझू को गोली लग गई और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

एनआईए आरोपी श्याम भोक्ता समेत तीन घायल : इस मुठभेड़ में दूसरे पक्ष से श्याम गंझू उर्फ श्याम भोक्ता, उनकी पत्नी और उनके साले गोपाल गंझू (लावालौंग निवासी) गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घायल श्याम भोक्ता एनआईए का आरोपी रह चुका है और उसका नाम कई संगीन मामलों में सामने आ चुका है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। चतरा एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि यह घटना पूर्व नक्सलियों के बीच आपसी विवाद का परिणाम है। मारे गए धीरेन्द्र गंझू का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है।

रांची के मैक्लुस्कीगंज में 0.9 डिग्री पर पहुंचा पारा

अभी मौसम में नहीं होगा बड़ा बदलाव, कोहरे से हवाई सेवाएं प्रभावित, 13 फ्लाइट

रांची, एजेंसी। रांची समेत पूरे झारखंड में शीतलहर का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल ठंड से राहत के संकेत नहीं हैं। उत्तर-पश्चिम से आ रही ठंडी हवाओं के कारण न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। अगले तीन से चार दिनों तक पारे में खास बदलाव की संभावना नहीं है। 29 दिसंबर को भी न्यूनतम तापमान लगभग स्थिर रहेगा, जबकि 30 दिसंबर के बाद धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इसके बावजूद सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छाया रह सकता है, जिससे जनजीवन प्रभावित रहेगा।

ग्रामीण इलाकों में ठंड का ज्यादा असर : राज्य के लगभग सभी जिलों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। राजधानी रांची में रविवार को न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ठंड का असर और तेज रहा। कांके क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कोल्हान क्षेत्र में भी पारा 2.5 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। ठंडी हवाओं के कारण सुबह और शाम के समय लोगों को ज्यादा परेशानी हो रही है। खुले और ग्रामीण इलाकों में हालात शहरी क्षेत्रों की तुलना में ज्यादा गंभीर बने हुए हैं।

मैक्लुस्कीगंज का पारा 0.9 डिग्री पहुंचा पारा : रांची और आसपास के इलाकों में ठंड ने पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मैक्लुस्कीगंज के जोभिया स्थित राणा कंट्री कॉटेज में लगे डिजिटल मीटर में न्यूनतम तापमान 0.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह पिछले दो दशकों में पहली बार है जब तापमान 1 डिग्री से नीचे पहुंचा है। रांची में भी रविवार इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। 24 घंटे में न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री गिरकर 6.2 डिग्री पर आ गया, जो सामान्य से 2.3 डिग्री कम है। हालांकि अधिकतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी से दिन में हल्की राहत मिली।

कोहरे से हवाई सेवाएं प्रभावित, 13 फ्लाइट रद्द : घने कोहरे का असर रांची एयरपोर्ट पर भी देखने को मिला। बीते 24 घंटे में बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से संचालित 13 फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ीं, जबकि कई उड़ानें देरी से रवाना हुईं। सुबह की उड़ानें सबसे ज्यादा प्रभावित रहीं।

रांची से कोलकाता, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, पटना, मुंबई और अहमदाबाद जाने वाली फ्लाइट्स अपने निर्धारित समय से देर से उड़ीं। फ्लाइट रद्द होने और देरी के कारण यात्रियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। एयरपोर्ट प्रशासन ने मौसम साफ होने पर परिचालन सामान्य होने की बात कही है, लेकिन कोहरे की स्थिति बनी रहने पर आगे भी दिक्कतें हो सकती हैं।

खूंटी के कर्रा में कांग्रेस नेता सुमित तिग्गा की हत्या मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, रनिया हत्याकांड का भी खुलासा

खूंटी, एजेंसी। जमीन खरीद-बिक्री में हिस्सेदारी के 85 हजार रुपये को लेकर उपजे विवाद ने दोस्ती की डोर को खून से रंग दिया गया. कर्रा थाना क्षेत्र के गुयू गांव में कांग्रेस नेता सुमित तिग्गा की हत्या के मामले का खुलासा खूंटी पुलिस ने कर लिया है. पुलिस ने हत्या में शामिल मृतक के दो दोस्तों संजय बालमुचू और दशरथ मुंडा को गिरफ्तार कर लिया है. दोनों आरोपी गुयू गांव के ही निवासी हैं.

एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि 22 दिसंबर की शाम सुमित तिग्गा की गांव के पास जंगल में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. टीम लगातार सुराग की तलाश में थी. इसी बीच शनिवार को गुप्त सूचना मिली कि दोनों आरोपी अपने घरों में छिपे हुए हैं. तोरपा एएसपी खिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों को धर दबोचा.

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए कहा कि जमीन बिक्री से मिले पैसे में सुमित ने उन्हें 85 हजार रुपये नहीं दिए थे. इसी रंजिश में उन्होंने सुमित की हत्या की योजना बनाई. पुलिस ने उनके पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा गोली और एक मोबाइल फोन बरामद किया है. आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है. छापेमारी दल में एएसपी के साथ कर्रा थाना के पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कांत कुमार, जीतेंद्र राम, जुगेश सिंह, सुनील कुमार दास सहित रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे.

रनिया में हत्या की गुत्थी सुलझी : इधर, खूंटी पुलिस ने एक अन्य हत्या के मामले का भी खुलासा किया है. रनिया थाना क्षेत्र के कोयल नदी डोंगा घाट से 23 दिसंबर को बरामद अज्ञात शव की पहचान सिमडेगा जिले के रोमजोल गांव निवासी बीबीएल मड़की के रूप में की गई है. एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि जांच में सामने आया कि बीबीएल की हत्या उसी के परिचित नितिर मड़की उर्फ नितिन ने की थी.

दोनों नदी पार कर रहे थे, तभी किसी बात पर गाली-गलौज शुरू हो गई. इसी दौरान गुस्से में आकर नितिर ने बीबीएल को नदी के बीच जोर से धक्का दे दिया. धक्का लगने से बीबीएल पास की चट्टान से टकरा गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी. आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है.

चतरा में पेट्रोल पंप पर फिल्मी अंदाज में लूट, दो बाइक में पहुंचे नकाबपोश

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक बार फिर बेखौफ होकर बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। चतरा-इटखोरी मुख्य पथ पर पांडेयमहुआ स्थित इंदु फ्यूल पेट्रोल पंप पर रविवार देर रात करीब 12:40 बजे नकाबपोश अपराधियों ने धावा बोलकर 3 लाख की लूट कर ली। इस दौरान अपराधियों ने पंप पर तैनात कर्मियों को बंधक बनाकर बेरहमी से पिटाई की। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

अपाचे बाइक से पहुंचे 5-6 अपराधी, रिवॉल्वर के बल पर लूट : जानकारी के अनुसार, दो सफेद अपाचे बाइक पर सवार 5 से 6 नकाबपोश अपराधी पेट्रोल पंप पहुंचे। आते ही वे सीधे पंप के ऑफिस चेंबर में घुस गए। रिवॉल्वर के बल पर वहां मौजूद दो कर्मियों लातेहार निवासी दयानंद सिंह और गिद्धौर के सौरभ पांडे को बंधक बना लिया गया। अपराधियों ने दोनों से कैश के बारे में पूछताछ की और विरोध करने पर उन्हें लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा। दहशत के माहौल में कर्मी कुछ भी करने में असमर्थ रहे।

लूटपाट के बाद अपराधियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए ऑफिस में लगे सीसीटीवी कैमरे, कंप्यूटर और वाई-फाई का पूरा सेटअप उखाड़ लिया। यही नहीं, जाते समय दोनों कर्मियों के मोबाइल फोन भी अपने साथ ले गए, जिन्हें कुछ दूरी पर फेंक दिया गया। पंप संचालक कविंद्र कुमार ने बताया कि अपराधियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस पर उठे सवाल, रात से छापेमारी जारी : घटना की सूचना मिलते ही गिद्धौर थाना प्रभारी शिवा यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि पेट्रोल पंप पर लूट और मारपीट की घटना हुई है।

पुलिस टीम रात से ही छापेमारी कर रही है और अपराधियों की पहचान के लिए तकनीकी साक्ष्यों का सहारा लिया जा रहा है। जल्द ही गिरोह का भंडाफोड़ किया जाएगा। हालांकि, जिस तरह से नकाबपोश अपराधी बेखौफ होकर लूट की बड़ी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए, उसने पुलिसिया तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

धनबाद के एसएनएमबीएच अस्पताल से चोरी हुआ बच्चा बरामद, 1.5 लाख रुपये में बेचने की थी तैयारी

धनबाद, एजेंसी। कहते हैं कि एक मां के लिए उसके बच्चे से दूर रहने का हर पल एक युग के समान होता है। कुछ ऐसे ही घटना शनिवार - रविवार की रात एसएनएमबीएच में घटी, लेकिन से चोरी हुए नवजात के मामले में धनबाद पुलिस ने मां की तड़प को सिर्फ 36 घंटे के भीतर ही खत्म कर दिया। सरायढेला थाना पुलिस ने फुर्ती दिखाते हुए न केवल बच्चे को सकुशल बरामद किया बल्कि उसे उसकी मां की सूनी गोद में वापस लौटा दिया। धनबाद जिले की सरायढेला थाना पुलिस ने बच्चे को भूली के रेगुनी से बरामद किया है।

सोमवार को जब पुलिस की उपस्थिति में एसएनएमएमसीएच के डॉक्टरों ने मां सरिता मरांडी को जब उनका बच्चा सौंपा गया तो अस्पताल परिसर का माहौल भावुक हो उठा। जब 36 घंटे के लंबे इंतजार के बाद पुलिस ने बच्चे को मां के हाथों में दिया तो मां और पिता की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। बताया जा रहा है कि बच्चा चोरी की इस वारदात के बाद से ही पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही थीं। सीसीटीवी फुटेज खंगालने और तकनीकी सुरागों का पीछा करते हुए पुलिस रविवार देर रात भूली के रेगुनी इलाके में जा पहुंची।

वहां छापेमारी कर पुलिस ने नवजात को बरामद किया। इस मामले में पुलिस ने कड़ा एक्शन लेते हुए अस्पताल के ही एक आउटसोर्सिंग कर्मचारी मोहम्मद हासिम समेत कुल चार लोगों को हिरासत में लिया है। जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि अस्पताल की सुरक्षा में सेंध लगाने वाला और कोई नहीं बल्कि वहीं का एक कर्मचारी था। पुलिस के अनुसार, बच्चा चोरी के बदले आरोपियों के बीच पैसे का लेनदेन भी हो चुका था। फिलहाल पुलिस दो अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पीड़ित महिला सरिता मरांडी टुंडी के मनियाडीह की रहने वाली है। 25 दिसंबर को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जामताड़ा में थाना प्रभारी समेत 5 पुलिसकर्मी निलंबित, मिहिजाम चोरी कांड में रात्रि गश्ती दल पर गाज

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं और अपराध नियंत्रण में शिथिलता को पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता ने गंभीरता से लिया है। इसी के तहत बड़ी विभागीय कार्रवाई करते हुए जामताड़ा थाना प्रभारी सहित कुल छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। एसपी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध नियंत्रण पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपराध रोकने में विफल रहे थाना प्रभारी निलंबित : जामताड़ा थाना क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण नहीं रखने और कर्तव्य पालन में लापरवाही बरतने के आरोप में जामताड़ा थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। एसपी राजकुमार मेहता ने कहा कि थाना क्षेत्र में हो रही लगातार वारदातें पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रही थीं। ऐसे में जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई जरूरी थी, ताकि पुलिस तंत्र में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

मिहिजाम चोरी कांड में रात्रि गश्ती दल पर गाज : इसी क्रम में 25/26 दिसंबर 2025 की रात मिहिजाम थाना क्षेत्र स्थित शिर्डी ज्वेलरी दुकान में हुई बड़ी चोरी की घटना पर भी सख्त रुख अपनाया गया है। रात्रि गश्ती में गंभीर त्रुटि और क्षेत्र में असामाजिक तत्वों पर निगरानी नहीं रखने के आरोप में मिहिजाम थाना के एएसआई अजय कुमार, आरक्षी परमेश्वर मंडल (आ0/567), आरक्षी मनबोध कुमार सिंह (आ0/206) तथा टाइगर मोबाइल टीम के आरक्षी निशांत चक्रवर्ती और आरक्षी प्रदीप दास को निलंबित करते हुए लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने साफ किया कि गश्ती में लापरवाही सीधे जनता की सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

बालाजी ज्वेलर्स लूट के बाद बढ़ा दबाव : यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब 24 दिसंबर बुधवार की शाम जामताड़ा के प्रतिष्ठित बालाजी ज्वेलर्स में चार नकाबपोश अपराधियों ने बंदूक की नोक पर लाखों की डकैती की थी। अपराधियों ने दुकान मालिक अमन बर्मन को दो गोली मारकर फरार होने की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद पुलिस ने 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया, लेकिन अब तक न तो आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकी है और न ही मामले का खुलासा।

घायल अमन बर्मन दुर्गापुर के मिशन अस्पताल में इलाजरत हैं, जहां 28 दिसंबर को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी भी उनसे मिलने पहुंचे थे। बालाजी ज्वेलर्स लूट के महज 36 घंटे के भीतर मिहिजाम में चोरी की घटना ने पुलिस प्रशासन पर दबाव और बढ़ा दिया, जिसके बाद एसपी ने यह बड़ी कार्रवाई कर जिले के पुलिस महकमे में स्पष्ट संदेश दे दिया है।

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनी श्रेया शर्मा, धैर्य और विश्वास के बल पर मस्ती 4 में बनाई जगह

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनने तक श्रेया शर्मा का सफ़र किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। हरियाणा के एक मेडिकल परिवार से निकलकर उन्होंने अपने सुरक्षित करियर को छोड़ अभिनय के सपने को चुना। बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के मुंबई आकर श्रेया शर्मा ने संघर्ष, ऑडिशन और अस्वीकृतियों का सामना किया। मेहनत, धैर्य और अपने सपनों पर अटूट विश्वास के बल पर उन्होंने मस्ती 4 जैसी बड़ी फिल्म में अपनी जगह बनाई।

कितने ऑडिशन दिए और किसी प्रोजेक्ट को करने से पहले कितनी बार रिजेक्ट हुईं?

जब मैं पहली बार मुंबई पहुंची, तो सबसे बड़ी दिक्कत ये थी कि आखिर रहूं कहां। घर ढूंढने में ही एक महीना लग गया। फिर तीन महीने बाद मैंने काम की तलाश शुरू की। मेरा मेडिकल बैकग्राउंड था, इसलिए इंडस्ट्री के बारे में उतना आइडिया नहीं था। मैंने एक लिस्ट बना ली थी कि इंडस्ट्री में किन-किन लोगों से मुझे मिलना है। मैंने अपना एक अच्छा-सा पोर्टफोलियो भी तैयार किया, ताकि ये दिखा सकूं कि मैं किस तरह के काम करना चाहती हूं। मैंने काफी सारे वर्कशॉप्स भी किए हैं। मैं एक वुमन आर्मी हूं और इंडस्ट्री में मैंने थोड़ा लेट कदम रखा है, लेकिन मुझे एक्टिंग से प्यार है और वो मुकाम मैं जरूर हासिल करूंगी।

मस्ती 4 फिल्म कैसे मिली आपको? कितना पापड़ बेलना पड़ा इस फिल्म को हासिल करने के लिए?

मैंने एक फिल्म की शूटिंग खत्म की थी। उस फिल्म के बाद मैं एक प्रोड्यूसर के ज़रिए मिलान मिलाप जावेरी सर से मिली। उस वक्त मस्ती 4 के ऑडिशन चल रहे थे। मैंने अपनी फिल्म के किरदार 'आंचल' नाम की लड़की के लिए ऑडिशन दिया। जब मिलाप सर मुझे उस किरदार के बारे में बता रहे थे कि वो लड़की अपने हसबैंड का फोन चेक करती है, लोकेशन मंगवाती है, तो मैंने उनसे कहा कि सर, मैं तो रियल लाइफ में भी ऐसी ही हूं। ऑडिशन देने के बाद मैंने बहुत लंबा इंतज़ार किया और डेली कॉल करके पूछा करती थी। मैं किसी भी हाल में ये फिल्म करना चाहती थी, क्योंकि इसी फिल्म से मुझे इंडस्ट्री में ब्रेक मिलता। और कौन नहीं चाहता है आफताब शिवदासानी, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख और अरशद वारसी जैसे एक्टर्स के अपोजिट काम करना, मेरे लिए ये एक बहुत बड़ी ऑपर्च्युनिटी थी।

शरारत मेरे लिए सपने सच होने जैसा

सुपरहिट फिल्म धुरंधर इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हर दिन शानदार कमाई कर रही है। एक तरफ जहां लोगों को इसकी कहानी पसंद आ रही है, तो वहीं इसके एक चर्चित गाने शरारत को भी काफी पसंद कर रहे हैं। इस गाने में टीवी की मशहूर एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा ने अपने शानदार डांस और स्टाइलिश अंदाज से दर्शकों का दिल जीत लिया है। शरारत में उनके डांस मूव्स को न सिर्फ पसंद किया जा रहा है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी यह गाना जमकर वायरल हो रहा है। इस गाने में उनके साथ बिग बॉस 17 फेम आयशा खान भी नजर आई और दोनों की केमिस्ट्री को दर्शक खूब सराह रहे हैं। आईएएनएस से बातचीत के दौरान क्रिस्टल डिसूजा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, ‘‘शरारत जैसे गाने के जरिए धुरंधर जैसी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। जब मुझे इस गाने का ऑफर मिला, तब मेरे लिए गाने से ज्यादा फिल्म की स्टारकास्ट मायने रखती थीं, क्योंकि इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। ऐसे बड़े नामों के साथ जुड़ना ही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।

क्रिस्टल ने बताया, जब मैंने गाने की शूटिंग शुरू की, तब मुझे इसका कोई अंदाजा नहीं था कि शरारत गाने को कितना फुटेज मिलेगा, कितनी स्क्रीन टाइम होगी, या यह गाना कितना पॉपुलर होगा। मैंने बिना किसी उम्मीद के इस प्रोजेक्ट को हां किया था, क्योंकि मैं बस इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी। आज जब यह गाना दुनियाभर में पसंद किया जा रहा है, तो यह देखकर बेहद खुशी महसूस हो रही है। उन्होंने बताया कि इस गाने की शूटिंग महज तीन दिनों में पूरी की गई थी, लेकिन मेहनत और एनर्जी पूरी टीम ने भरपूर लगाई।

जब उनसे कोरियोग्राफर विजय गांगुली के एक इंटरव्यू के बयान को लेकर पूछा गया, जिसमें उन्होंने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का दिया था, तो इस सवाल पर क्रिस्टल ने बेहद सादगी के साथ जवाब देते हुए कहा, तमन्ना बेहद खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं और उनका अंदाज सबसे अलग है। लेकिन मेरा मानना है कि जो चीज आपकी किस्मत में होती है, वही आपको मिलती है। यह गाना मेरी और आयशा खान की किस्मत में लिखा था और इसलिए यह हमें मिला।

किच्चा सुदीप ने कैमियो कल्चर पर निकाली भड़ास

साउथ एक्टर किच्चा सुदीप की फिल्म मार्क 25 दिसंबर, 2025 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इसमें उन्होंने अजय मार्कंडेय का किरदार निभाया है, जो सस्पेंडेड पुलिस ऑफिस है। अब इस मूवी को जहां क्रिटिक्स का पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। वहीं, एक्टर ने एक इंटरव्यू में कैमियो को लेकर कुछ विवादित कह दिया है। एक इंटरव्यू में किच्चा सुदीप ने कहा कि एक्टर के तौर पर उन्होंने दूसरी भाषाओं की फिल्मों में कैमियो रोल किया है लेकिन एक्टर्स साउथ की फिल्मों में एक्ट करने नहीं आ रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि उन्होंने कुछ कलाकारों को पर्सलनी भी कहा था। उनसे गुजारिश की थी लेकिन कुछ नहीं हुआ।

किच्चा सुदीप ने दूसरी इंडस्ट्रीज पर निकली भड़ास

एक्टर ने कहा, हम दूसरी भाषाओं की फिल्मों में कैमियो रोल कर रहे हैं, लेकिन कलाकार हमारी फिल्मों में आकर अभिनय नहीं कर रहे हैं। मैंने कुछ आर्टिस्ट्स से व्यक्तिगत रूप से अनुरोध भी किया, लेकिन बात नहीं बनी। यह दोनों पक्षों के सहयोग से होना चाहिए, लेकिन मुझे अभी ऐसा होता नहीं दिख रहा है। यहां तक कि शिवराजकुमार सर ने भी जेलर में अभिनय किया था, जिससे ये साफ दिखता है कि दूसरी इंडस्ट्रीज के बीच आपसी सहयोग कैसा होना चाहिए।

किच्चा सुदीप ने फी में की थी दबंग 3

पैसे से ज्यादा दोस्ती को अहमियत देने की बात करते हुए एक्टर ने दबंग 3 के बारे में कहा, मैंने दूसरी भाषाओं में फिल्में दोस्ती के लिए कीं, पैसे के लिए नहीं। मैंने दबंग 3 में इसलिए काम किया क्योंकि सलमान भाई ने मुझसे खुद गुजारिश की थी, और मैंने इसके लिए कोई फीस नहीं ली। मैंने पुली भी थलपति विजय की वजह से की। वो कभी किसी के बारे में बुरा नहीं बोलते, और मुझे ये बात अच्छी लगती है। लेकिन नानी की स्क्रिप्ट ऐसी थी, जिसने मुझे सच में इम्प्रेस किया।

सलमान की फिल्म से क्लैश नहीं करेगी आलिया की फिल्म, अल्फा की रिलीज डेट आगे बढ़ाई गई

आलिया भट्ट और सलमान खान की फिल्मों के बीच होने वाली बॉक्स ऑफिस टक्कर अब नहीं होगी। यह टक्कर अगले साल अप्रैल के महीने में होने वाली थी। आलिया की आने वाली फिल्म अल्फा की रिलीज तारीख बदल दी गई है। यह फिल्म पहले 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली थी। अब मेकर्स नई रिलीज तारीख जल्द बताएंगे। इस फैसले की जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने शनिवार को अपने एक्स अकाउंट पर दी।

उन्होंने लिखा कि यह फैसला सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान से सीधी टक्कर से बचने के लिए लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रोडक्शन हाउस यश राज फिल्म्स अब थिएटर कैलेंडर देखकर नई तारीख तय करेगा। पोस्ट में उन्होंने लिखा कि पहले 2 अप्रैल 2026 की तारीख तय थी, लेकिन अब उस तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। आने वाले कुछ महीनों में नई रिलीज तारीख का ऐलान होगा। यह दूसरी बार है जब अल्फा की रिलीज टली है। इससे पहले यह फिल्म क्रिसमस 2025 पर रिलीज होनी थी। बाद में पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए ज्यादा समय देने के चलते इसकी रिलीज डेट 2 अप्रैल 2026 तय की गई। फिल्म में आलिया भट्ट के साथ शरवरी और बॉबी देओल अहम रोल में हैं। हाल ही में फिल्म वार 2 के पोस्ट क्रेडिट सीन में अल्फा से जुड़ा एक सीन दिखाया गया था। उस सीन में बॉबी देओल की एंट्री दिखाई गई। सीन में वह एक लड़की के हाथ पर एजेंसी का लोगो लगाते हैं। लड़की पूछती है कि इसका क्या मतलब है। वह जवाब देते हैं कि अल्फा ग्रीक अल्फाबेट का पहला अक्षर है। यह उनके प्रोग्राम का मोटो है। इसका मतलब है, सबसे पहला, सबसे तेज और सबसे मजबूत।

बैटल ऑफ गलवान में नजर आएंगे सलमान

वहीं सलमान खान स्टारर बैटल ऑफ गलवान की बात करें, तो इसे अपूर्व लाखिया डायरेक्ट कर रहे हैं। यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है, जो बिना एक भी गोली चलाए लड़ी गई थी।

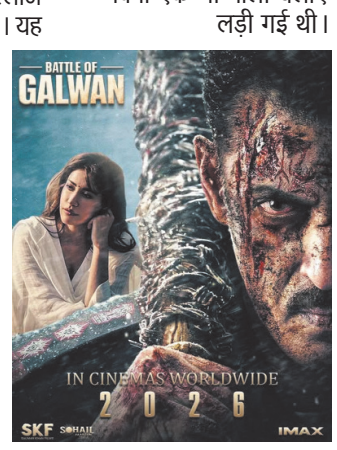

नागिन 7 में प्रियंका जैसी सच्ची दोस्त मिलने के लिए शुक्रगुजार हूं

बिग बॉस 18 से निकलकर नागिन फ्रैंचाइजी में एंट्री करने वाली टीवी एक्ट्रेस ईशा सिंह ने बातचीत के दौरान अपनी जर्नी, फैमिली सपोर्ट, प्रियंका और नमिक जैसे को-स्टार्स से बॉन्डिंग, मुंबई-भोपाल के फर्क और नेगेटिविटी से दूर रहने की सीख शेयर कीं।

नागिन इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी है। बिग बॉस 18 में रहते हुए ही इसकी बात पता चल गई थी। उस वक्त तो बता नहीं सकती थीं। पहली बार जब पता चला, तो क्या फीलिंग हुई?

कलर्स मेरे लिए घर जैसा है। इतना बड़ा फ्रेंचाइजी, ऊपर से एकता मैम का शो और बालाजी टेलीफिल्म्स,सब कुछ परफेक्ट। ऑफर आया तो सोचा क्यों न ट्राई करें, कैरेक्टर बिल्कुल अलग था। नागिन शूटिंग ने नए मौके खोले।

फैंस सोच रहे हैं कि आप खतरों के खिलाड़ी करेंगी?

पिछले साल खतरों के खिलाड़ी में बहुत बुरा अनुभव हुआ था। अभी कोई प्लान नहीं है, लेकिन कभी-कभी नेवर कहकर भी कर लिया जाता है। बिग बॉस से पहले भी मैंने मना किया था, लेकिन कर लिया। हो सकता है अगले साल सांप-बिच्छू वाले स्टंट्स कर रही हूं।

बहुत शानदार शुरुआत हुई है। प्रियंका भी बिग बॉस में रह चुकी हैं, नामिक पॉल भी हैं, ये कमाल के कलाकार हैं। इनके साथ आपकी बॉन्डिंग कैसी रही? शूटिंग का आपका अनुभव कैसा रहा?

बहुत अच्छा रहा। सिर्फ ये दो नहीं, बाकी सारे कलाकार भी बहुत अच्छे लोग थे। प्रियंका तो मेरी बहन जैसी लगने लगी है, शो में भी सिस्टर-सिस्टर का बॉन्ड है और ऑफ-स्क्रीन भी। वो फैमिली जैसी हैं, बहुत खूबसूरत इंसान हैं, प्यारी लड़की। हम दोनों बहुत अटैच्ड हैं। इस शो से मुझे कई अच्छे दोस्त मिले, और नागिन 7 में प्रियंका जैसी सच्ची दोस्त मिलने के लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी।

आप कमाल लग रही हैं। प्रियंका का लुक भी शानदार है, क्योंकि उन्हें डबल रोल निभाना है। पेरेंट्स, भाई और रुद्राक्ष का रिएक्शन कैसा रहा?

अभी उनका रिएक्शन देखना बाकी है। मैंने सिर्फ फर्स्ट एपिसोड की कुछ क्लिप्स देखी हैं, लेकिन वो लोग देख चुके हैं। इंतजार कर रही हूं कि उन्हें कैसा लगा। रुद्राक्ष तो हमेशा मेरा मजाक उड़ाता है, बिग बॉस में भी उड़ाया था। लेकिन वो बहुत सपोर्टिव है और ऑनेस्ट फीडबैक देता है। कैसी लग रही हो, वैसी लग रही हो। उसका रिएक्शन बहुत मायने रखता है।

बिग बॉस से भी बहुत कुछ सीखा होगा आपने?

हां, बहुत कुछ सीखा। उस शो ने 3 महीनों में जितना सिखाया, वैसा शायद कहीं और न मिले। वहां सिचुएशन, लोगों और स्ट्रेस को मैनेज करना सीख जाते हो। बाहर आते वक्त इतना कॉन्फिडेंट हो जाते हो कि एक शील्ड लग जाती है। अब फर्क नहीं पड़ता। पहले जो चीजें अफेक्ट करती थीं, रुलाती थीं, अब वो कुछ नहीं करतीं।

वीकेंड पर आपके दो शोज बैक-टू-बैक आ रहे हैं। लाफ्टर शेफ्स तो कमाल चल रहा है, और नागिन की जोड़ी भी। ये एक्सपीरियंस कैसा रहा? कभी सोचा था कि प्राइम टाइम पर ऐसा होगा?

भगवान ने सपनों से कहीं ज्यादा दिया है। इसके लिए हमेशा आभारी हूं। लाफ्टर शेफ्स को इतना प्यार मिला, नागिन को भी मिलेगा। शनिवार-रविवार 8 से 9 बजे नागिन में मिलूंगी, 9 से 10 बजे लास्ट शेफ्स में।

आपकी लॉयल्टी कमाल की है, पुराने को-स्टार्स के साथ बार-बार काम करते रहते हो?

अविनाश के साथ मेरी जोड़ी इतनी जबरदस्त है कि जब तक बाल नोचते नहीं, दुनिया हमें अलग नहीं कर सकती। शायद लास्ट शेफ्स के आखिरी शॉट्स में ही बाल नोचने वाले होंगे।

संक्षिप्त समाचार

भूमाफिया पर कठोर कार्रवाई हो, समय से की जाए जमीन की पैमाइश

गोरखपुर, एजेंसी। यूपी के गोरखपुर में कड़ाके की ठंड के बावजूद सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनता दरबार में पहुंचे। उन्होंने फरियादियों से मुलाकात की। करीब 150 फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भूमाफियाओं पर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही जमीन की पैमाइश सही समय पर हो। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में फरियादी भूमि विवाद लेकर पहुंचे थे। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई दबंग, माफिया किसी जमीन पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कत्तई बख्शे नहीं जाएंगे। जहां पैमाइश की जरूरत हो वहां समय से पैमाइश हो। विवाद का निस्तारण कराया जाए। जनता दर्शन में बीमारी को लेकर तीमारदार भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि इलाज में अस्पताल से इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूरा कर कर शासन भेजें। विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

महात्मा गांधी और नेहरू का भारत लिंचिस्तान में तब्दील हो रहा: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार जारी हैं और दावा किया कि सांप्रदायिक सद्भाव का सबसे अच्छा उदाहरण जम्मू कश्मीर है। अनंतनाग में 'कठ बात' नामक एक सार्वजनिक संवाद के बाद पत्रकारों से महबूबा ने कहा, 'अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बेरोकटोक जारी हैं। गांधी (महात्मा गांधी) और नेहरू (जवाहरलाल नेहरू) का भारत लिंचिस्तान में तब्दील होता जा रहा है।' जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंसा की घटनाओं का अंत होना चाहिए और सभी समुदायों को पहले की तरह एक साथ रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'सांप्रदायिक सद्भाव का सबसे अच्छा उदाहरण जम्मू कश्मीर है, जहां लोग कंधे से कंधा मिलाकर रहते हैं।' महबूबा ने कहा कि 'कठ बात' लोगों, विशेषकर युवाओं के लिए एक ऐसा मंच है, जहां वे अपने सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'जम्मू कश्मीर के लोग एक कठिन दौर से गुजर रहे हैं क्योंकि वे घुटन महसूस कर रहे हैं और अपनी राय व्यक्त करने में असमर्थ हैं। यह उनके लिए अपनी आवाज उठाने का एक मंच है।' सामान्य वर्ग के छात्रों द्वारा आरक्षण नीति के विरोध में आयोजित प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया है। उन्होंने पूछा, 'उन्हें (छात्रों को) शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति क्यों नहीं दी जा रही है?'

ग्रेट खली को राहत, उनकी पुश्तैनी जमीन पर कब्जे का दावा सही

शिमला, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के पूर्व चैंपियन ग्रेट खली को हिमाचल प्रदेश में लंबे समय से चल रहे पुश्तैनी जमीन विवाद में जीत मिली है। उनकी पैतृक जमीन पर दूसरे पक्ष के अवैध तरीके से कब्जे की जांच की मांग स्वीकार ली गई है। इसके लिए एक विशेष जांच दल बनाया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, तत्कालीन तहसीलदार और अधीनस्थ राजस्व कर्मचारियों ने राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर कर यह जमीन दूसरे पक्ष को सौंप दी थी। शिकायतों के बाद जिला प्रशासन ने जमीन ट्रांसफर करने की वैधता का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) ने निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक अवकाश प्राप्त नायब तहसीलदार और एक अवकाश प्राप्त कानूनगो के साथ-साथ दूसरे राजस्व मंडल के एक सेवारत कानूनगो और एक पटवारी को मिलाकर विशेष जांच दल बनाया है।

हिमाचल में डॉक्टरों ने वापस ली हड़ताल

सीएम सुक्खू ने दिया बर्खास्त डॉक्टर को बहाल करने का आश्वासन

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में पिछले दो दिनों से जारी रेजिडेंट डॉक्टरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त हो गई है। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) शिमला की रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने रविवार देर शाम एक प्रेस रिलीज जारी कर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से मिले आश्वासन के बाद हड़ताल तत्काल प्रभाव से वापस लेने की घोषणा की। हड़ताल समाप्त होने से प्रदेश के अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी राहत मिली है। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन आईजीएमसी शिमला की ओर से कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने एसोसिएशन को आश्वासन दिया है कि डॉ. राघव नरूला की टर्मिनेशन से जुड़े मामले में विस्तृत जांच शुरू की जाएगी और उनकी सेवाएं समाप्त करने के आदेश को रद्द किया जाएगा। एसोसिएशन ने कहा कि मुख्यमंत्री के आश्वासन पर भरोसा जताते हुए व बड़े जनहित को ध्यान में रखते हुए रेजिडेंट डॉक्टरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल को तत्काल समाप्त किया जा रहा है। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी स्पष्ट किया गया है कि रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन पूरी तरह से इस जांच प्रक्रिया से जुड़ी रहेगी, जब तक कि डॉ. राघव नरूला की टर्मिनेशन को औपचारिक रूप से रद्द नहीं किया जाता। एसोसिएशन की अगली रणनीति और आगे की कार्रवाई को लेकर 3 जनवरी 2026 को बैठक आयोजित की जाएगी। आरडीए ने प्रदेश और देशभर की सभी रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशनों, हिमाचल मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन, मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन और अन्य संगठनों का समर्थन के लिए आभार जताया है।

दिलचस्प ये है कि हड़ताल वापसी की घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू दिल्ली से शिमला लौटे और उन्होंने रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल को लेकर सख्त बयान दिया। मुख्यमंत्री ने हड़ताल को गलत बताते हुए डॉक्टरों से 'अहंकार छोड़कर' ड्यूटी पर लौटने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने स्वयं डॉक्टरों को उनके मामले में दोबारा जांच का आश्वासन दिया था, इसके बावजूद हड़ताल पर जाना उचित नहीं था। मुख्यमंत्री सुक्खू ने बयान दिया था कि सरकार 75 लाख प्रदेशवासियों के हित में काम कर रही है और किसी एक पक्ष के साथ खड़ी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार मरीजों के साथ भी है और डॉक्टर भी सरकार के परिवार का हिस्सा

सीएम की सख्ती के बाद आदेश जारी

12वीं तक के स्कूल बंद

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मौसम के बदले मिजाज और पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं ने मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भीषण शीतलहर और घने कोहरे की चेतावनी जारी किए जाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों की सेहत और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्कूलों को बंद करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के इस निर्देश के तत्काल बाद माध्यमिक और बेसिक शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी बोर्डों के कक्षा 12वीं तक के स्कूलों को बंद करने का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश के अधिकतर जिलों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे जाने की संभावना है। वाराणसी, लखनऊ, कानपुर और मेरठ समेत कई जिलों में दिन का तापमान भी सामान्य से काफी नीचे दर्ज किया गया है। घने कोहरे के कारण दृश्यता शून्य होने से स्कूली वाहनों के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया था। अभिभावकों और शिक्षक संगठनों की ओर से भी लगातार छुट्टियां घोषित करने की मांग की जा रही थी। शिक्षा निदेशक (बेसिक) प्रताप सिंह बघेल ने आदेश जारी करते हुए कहा कि मौसम विभाग ने प्रदेश में शीतलहर और भीषण कोहरे का अनुमान जताया है। इसे देखते हुए कक्षा एक से 12वीं तक के सभी स्कूलों को 29 दिसंबर सोमवार से 1 जनवरी गुरुवार तक अवकाश घोषित किया जाता है। यह भी कहा कि यह आदेश यूपी बोर्ड के साथ ही सभी बोर्ड सीबीएसई, आईसीएसई और सहायता प्राप्त सभी निजी व सरकारी स्कूलों पर समान रूप से लागू होगा। वहीं, इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि शीतलहर के दौरान किसी भी स्कूल को न खोला जाए। यदि कोई विद्यालय आदेश का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उसकी मान्यता रद्द करने तक की कार्रवाई की जा सकती है।

मणिपुर में उग्रवादियों के नाम पर सड़क, बिना इजाजत के बना दी 'रिंग रोड', एनजीटी ने लगाई रोक

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर से एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने राज्य सरकार की नींद उड़ा दी है। यहां पर एक ऐसी 'रिंग रोड' का पता चला है, जिसे कथित तौर पर बिना राज्य सरकार की इजाजत के बनाया जा रहा था। यह रोड कुल मिलाकर छह जिलों से होकर गुजरती है। हैरानी की बात यह है कि रिपोर्ट के मुताबिक इसके कुछ हिस्से को स्थानीय तौर पर जर्मन रोड या टाइगर रोड कहा जाता है, जो यहां के कुकी उग्रवादियों के उपनाम के आधार पर हैं। फिलहाल एनजीटी ने इस पर रोक लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला तब सामने आया जब राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने 23 दिसंबर को मणिपुर सरकार को इस रिंग रोड पर किसी भी तरह के काम को आगे बढ़ाने से रोक दिया है। इसके अलावा एनजीटी ने मणिपुर के मुख्य सचिव को भी निर्देश दिया है कि वह इससे प्रभावित छह जिलों के जिलाधिकारियों और पुलिस अधिक्षकों को आदेश के पालन के लिए निर्देश दें। आपको बता दें कि स्थानीय वन क्षेत्र से गुजरने वाली यह रिंग रोड, राज्य की राजधानी इम्फाल में एशियाई बैंक की मदद से बन रही रिंग रोड से अलग है। उसे सरकार की मान्यता प्राप्त है। रिपोर्ट के मुताबिक कोलकाता स्थित एनजीटी कार्यालय का यह आदेश मणिपुर के मैतेई समुदाय के नागरिक संगठन सीओसीओएमआई की तरफ से दायर याचिका पर आया। याचिका में कहा गया कि यह सड़क जंगल क्षेत्र में बिना किसी पर्यावरणीय और भू-वैज्ञानिक सुरक्षा आंकलन के बनाई जा रही है। इसे ऐसे जारी नहीं रेहने दिया जा सकता। इसलिए इस पर तुरंत रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके बाद एनजीटी ने कार्रवाई करते हुए इसके बारे में जानकारी निकालनी शुरू की। अदालत में बताया कि चुराचांदपुर, कांगपोकपी,नोनी और उखरूल जिलों के वन और पहाड़ी इलाकों से गुजरने वाली इस सड़क का निर्माण कुकी समुदाय के लोगों द्वारा किया जा रहा है।

क्या वेणुगोपाल हैं सुपर सीएम? कर्नाटक सरकार में हस्तक्षेप पर भड़की भाजपा

बेंगलुरू, एजेंसी। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार द्वारा बेंगलुरू में किया गया बुलडोजर ऐक्शन उनके लिए गले की फांस बनता जा रहा है। पार्टी हाई कमान की आलोचना झेल रही सिद्धा सरकार पर अब विपक्षी पार्टी भी हमलावर हो गई है। दरअसल, भाजपा ने राज्य में हुए बेदखली के मामले में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल पर प्रशासन में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए रविवार को सवाल किया कि क्या वह राज्य के ''सुपर सीएम'' हैं।

कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने कहा कि कर्नाटक सम्मान, स्वायत्तता और ईमानदार शासन का हकदार है, न कि हाई कमान के ''नाटक'' का। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा, ''कर्नाटक राहुल गांधी और उनकी मंडली की कॉलोनी नहीं है।''

अशोक ने सवाल किया, ''कर्नाटक के

प्रशासन में दखल देने वाले केसी वेणुगोपाल कौन होते हैं? क्या वह कोई सुपर सीएम (मुख्यमंत्री) हैं, या क्या कांग्रेस आलाकमान मानता ??है कि चुनी हुई राज्य सरकारें दिल्ली के इशारों पर चलती हैं?'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक में संवैधानिक रूप से निर्वाचित मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल का शासन है, न कि एआईसीसी महासचिव का। भाजपा नेता ने कहा कि किसी पार्टी की राय व्यक्त करना एक बात है, लेकिन राज्य सरकार पर नैतिक उपदेश देना और दबाव बनाने की रणनीति अपनाना ''स्पष्ट रूप से अपनी सीमा से बाहर जाना'' और संघवाद का अपमान है।

अशोक ने सवाल किया, ''सबसे चिंताजनक बात तो दोहरी नीति है। क्या केसी वेणुगोपाल ने कभी उतनी ही तत्परता दिखाई है जब केरल से चिकित्सा और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को अवैध रूप से कर्नाटक की सीमाओं पर फेंका गया था, जिससे बांदीपुर वन क्षेत्र, जन स्वास्थ्य और वन्यजीवों को खतरा पैदा हो रहा है? क्या उन्होंने कर्नाटक के पर्यावरण, किसानों या सीमावर्ती जिलों के लिए उसी चिंता और सहानुभूति के साथ आवाज उठाई है?'' उन्होंने कहा, ''वहां चुप्पी साधे हुए हैं और यहां उपदेश दे रहे हैं।''

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा अशोक कोगिलु गांव में अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के लिए किए गए बुलडोजर ऐक्शन को लेकर विवाद बढ़ा हुआ है।

अडानी की जीवन यात्रा मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा है, शरद पवार ने की जमकर तारीफ

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को तारीफ करते हुए कहा कि उद्योगपति गौतम अडानी की जीवन यात्रा बड़े सपने देखने वाले मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। पवार ने पुणे जिले के बारामती में शरदचंद्र पवार कृत्रिम मेधा उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित किया। अडानी समूह के अध्यक्ष द्वारा वित्त-पोषित यह उत्कृष्टता केंद्र पवार परिवार द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान विद्या प्रतिष्ठान के अंतर्गत स्थापित किया गया है। शरद पवार ने कहा कि अडानी गुजरात के सूखा-प्रभावित बनासकांठा जिले से आते हैं। वह मुंबई आए और बिल्कुल शून्य से शुरुआत की तथा आज उनका व्यवसाय देश के 23 राज्यों में फैला हुआ है।

उन्होंने कहा, ''अडानी का यह सफर मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो बड़े सपने देखते हैं।'' अडानी ने शरद पवार को अपना मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि वरिष्ठ नेता ने जमीनी हकीकत को राष्ट्रीय एजेंडे के साथ सफलतापूर्वक जोड़ा है। अडानी ने कहा, ''मुझे पवार साहब को तीन दशक से अधिक समय से जानने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैंने उनसे जो कुछ सीखा है, उसकी कोई तुलना नहीं है, लेकिन ज्ञान से परे उनकी बुद्धिमत्ता और गहरी सहानुभूति ही है, जिसने मुझ पर गहरा प्रभाव डाला है।''

उद्योगपति ने कहा, ''बारामती परिवर्तन और असीम संभावनाओं का प्रतीक है, जो उनके दूरदर्शी नेतृत्व के कारण संभव हुआ है। यहां दर्जनों बार आने के बाद, उन्होंने यहां जो हासिल किया है वह स्थानीय विकास से कहीं बढ़कर है।'' पवार के लिए बारामती इस बात का प्रतिबिंब है कि भारत को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। अडानी ने कहा कि पवार चाहे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे हों या केंद्रीय मंत्री रहे हों, उन्होंने दलगत सीमाओं से ऊपर देश की कृषि नीति, सहकारी संस्थाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आकार दिया है। उन्होंने कहा, ''उनके जैसे नेता हमें यह याद दिलाते हैं कि अच्छी राजनीति केवल नारों तक सीमित नहीं होती, बल्कि इस समझ पर आधारित होती है कि हमारा देश अकेली जीत से नहीं, बल्कि जनता और संस्थाओं के निरंतर और संतुलित सहयोग से आगे बढ़ता है।''

इस दौर में तमाम भारत विरोधी ताकतें बांग्लादेश में हैं: असदुद्दीन ओवैसी

हैदराबाद, एजेंसी। दीपू चंद्र दास और अमृत मंडल की मॉब लिंचिंग पर एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी का बयान आया है। उन्होंने कहा कि हम इन दोनों की मौत पर चिंतित हैं। साथ ही उन्होंने बांग्लादेश के हालात को लेकर भी चिंता जताई। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि इस दौर में तमाम भारत विरोधी ताकतें बांग्लादेश में हैं। इसके अलावा उन्होंने देश में लिंचिंग की घटनाओं पर भी चिंता जताई। ओवैसी ने कहा कि हम भी भारत सरकार के हर उस कदम का समर्थन करते हैं, जो बांग्लादेश के साथ संबंधों को मजबूत बनाने के लिए उठाया जाएगा। असदुद्दीन औवैसी ने कहा कि बांग्लादेश का निर्माण सेक्युलर बांग्ला राष्ट्रवाद पर हुआ था। बांग्लादेश में 20 मिलियन अल्पसंख्यक रहते हैं जो मुस्लिम नहीं हैं।

सांसद ने आगे कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव नहीं बढ़ेगा। दीपू चंद्र दास और अमृत मंडल के साथ जो कुछ हुआ वह बेहद दुखद है। यह चीजें बांग्लादेश के संविधान के अनुकूल नहीं हैं। ओवैसी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मोहम्मद यूनुस यह सुनिश्चित करेंगे कि बांग्लादेश में रहने वाले सभी अल्पसंख्यक सुरक्षित रहें।

उन्होंने आगे कहा कि साथ ही मैं यह भी चाहूं कि बांग्लादेश में स्थिरता भी बनी रहे। यह भारत, खासतौर पर नॉर्थ-ईस्ट की सुरक्षा के लिए बेहद अहम होगा। ओवैसी ने कहा कि बांग्लादेश में एक मशहूर क्रांति हुई है। हम उम्मीद करते हैं कि जब फरवरी में चुनाव होंगे तो भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में सुधार होगा और यह बेहतर भी होंगे। इसके साथ ही ओवैसी ने चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि आईएसआई, चीन और भारत विरोधी अन्य ताकतें अब बांग्लादेश में हैं। ओवैसी ने कहा कि लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भारत में क्या हो रहा है।

56 गांव होकर से गुजरेगा लिंक एक्सप्रेसवे, भूमि अधिग्रहण को योगी सरकार ने दिए 995 करोड़

ग्रेटर नोएडा/मेरठ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 56 गांवों की भूमि पर नया लिंक एक्सप्रेसवे बनेगा, जो मेरठ-प्रयागराज गंगा एक्सप्रेसवे से वाया बुलंदशहर अब जेवर एयरपोर्ट भी लिंक होगा। इस लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए अब जल्द भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू होगी। इसके लिए योगी सरकार ने 995 करोड़ की राशि जारी कर दी है। इस लिंक एक्सप्रेसवे निर्माण से मेरठ से लोगों को गंगा एक्सप्रेसवे होते हुए जेवर एयरपोर्ट पहुंचना आसान हो जाएगा। शासन की ओर से गंगा एक्सप्रेसवे से जेवर एयरपोर्ट को कनेक्ट करने के लिए बुलंदशहर लिंक एक्सप्रेसवे की घोषणा की गई थी। अब इस लिंक एक्सप्रेसवे के भूमि अधिग्रहण, निर्माण को लेकर 1734 करोड़ के अनुमानित लागत को मंजूरी देते हुए पहली किस्त के तौर पर 995 करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं। शासन ने बुलंदशहर जिले को 995 करोड़ रुपये जारी करते हुए शीघ्र भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई प्रारंभ करने को कहा है। उक्त राशि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए दी गई है। मार्च-2026 तक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया करने को कहा गया है। माना जा रहा है गंगा एक्सप्रेसवे के इस लिंक से मेरठ से वाया बुलंदशहर जेवर एयरपोर्ट जाना आसान हो जाएगा। एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ सेक्टर बसेंगेः गंगा को यमुना से जोड़ने वाले 74 किलोमीटर लंबा लिंक एक्सप्रेसवे नोएडा-ग्रेनो की तर्ज पर बनेगा। एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ दस से ज्यादा आवासीय और औद्योगिक सेक्टरों को बसाया जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए 74.3 किलोमीटर लंबा ग्रीन फिल्ड लिंक एक्सप्रेसवे बनाएगा।

यमुना सिटी के इन सेक्टरों को फायदा

यह लिंक एक्सप्रेसवे यमुना सिटी के सेक्टर-4, 4ए, 5, 5ए,10, 11, 21, 28, 33, 34 और अन्य सेक्टरों को जोड़ेगा। इनमें सेक्टर 5ए जापानी सिटी, 4ए कोरियन, 11 फिनटेक और 21 फिल्म सिटी के लिए प्रस्तावित है। सेक्टर-5 शहर का सबसे प्राइम आवासीय सेक्टर होगा। सेक्टर-10 में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, 28 में सेमीकंडक्टर और मेडिकल डिवाइस पार्क, 33 व 34 में अन्य सामान्य औद्योगिक गतिविधियां होगी। 56 गांवों की भूमि पर बनेगा : लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण यूपीडा करेगा। कुल 56 गांवों की भूमि पर इसका विकास होगा। इनमें गौतमबुद्धनगर के आठ और बुलंदशहर के 48 गांव हैं। इनमें 14 गांव खुर्जा तहसील के हैं। बाकी बुलंदशहर, सियाना और शिकारपुर तहसील के रहेंगे। यह परियोजना करीब 4000 करोड़ रुपये में पूरी होगी। जमीन खरीद से लेकर एक्सप्रेसवे के निर्माण तक पूरा खर्च यूपीडा उठाएगा। लिंक एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे पर 44.3 किलोमीटर यानी बुलंदशहर के सियाना क्षेत्र से शुरू होगा और यमुना एक्सप्रेसवे के 24.8 किलोमीटर यानी सेक्टर-21 फिल्म सिटी के पास आकर जुड़ेगा। प्रयागराज तक बन रहे गंगा एक्सप्रेसवे के यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ने के बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर आगरा से ग्रेटर नोएडा तक की राह आसान हो जाएगी।

एमपी और मुंबई की लगातार तीसरी जीत

मुंबई (एजेंसी)। मध्य प्रदेश और मुंबई ने विजय हजारे ट्रॉफी के मौजूदा सीरीज में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। मप्र ने सोमवार को अहमदाबाद में केरल पर 47 रन की जीत दर्ज की। जबकि, मुंबई ने छत्तीसगढ़ को 9 विकेट से हराया। दोनों टीमें 12-12 अंक के साथ अपने-अपने ग्रुप के टॉप पर हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में केरल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। मध्य प्रदेश ने 46.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 214 रन बनाए। जवाब में केरल की टीम 41.1 ओवर में 167 रन पर ऑलआउट हो गई। 93 रनों की पारी खेलने वाले हिमांशु मंत्री को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इधर, जयपुर में मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी।

6 वेन्यू पर खेले जा रहे हैं तीसरे राउंड के मैच

विजय हजारे ट्रॉफी के तीसरे राउंड के मुकाबले सोमवार को अलग-अलग 6 वेन्यू पर खेले जा रहे हैं। इनमें अहमदाबाद, राजकोट, सौराष्ट्र, जयपुर, अलूर, बेंगलुरु और रांची शामिल हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा इस राउंड में नहीं खेल रहे हैं।

टीम ने पहले तो छत्तीसगढ़ को 39.1 ओवर में 142 रन पर समेट दिया। उसके बाद 24 ओवर में एक विकेट पर 144 रन बनाते हुए जीत दर्ज की। कप्तान शार्दूल ठाकुर प्लेयर ऑफ द मैच हुए। उन्होंने 4 विकेट झटके। शम्स मुलानी ने 5 विकेट लिए।

दिल्ली के 5 बैटर्स आउट, पंत ने 22 रन बनाए- सौराष्ट्र के खिलाफ 320 रन का टारगेट चेज कर रही दिल्ली ने 36 ओवर में 5 विकेट पर 236 रन बना लिए हैं। तेजस्वी फिफ्टी बना चुके हैं। जबकि, कप्तान ऋषभ पंत 22 और प्रियांश आर्या 78 रन बनाकर आउट हुए। यहां एक अन्य मैच में पंजाब ने उत्तराखंड को 270 रन का टारगेट दिया है।

इधर, राजकोट में उत्तर प्रदेश ने ध्रुव जुरेल के नाबाद 160 रन के सहारे बड़ौदा को 370 रन का टारगेट दिया। रिंकू सिंह ने 63 और अभिषेक गोस्वामी ने 51 रन बनाए।

शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी, मुंबई ने छत्तीसगढ़ को रौंदा

कप्तान शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने विजय हजारे वनडे ट्रॉफी के ग्रुप सी मैच में सोमवार को यहां छत्तीसगढ़ को 9 विकेट से हराकर अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की। टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद शार्दुल ने सुबह में तेज गेंदबाजों की मददगार परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए पांच ओवर के अंदर छत्तीसगढ़ का स्कोर चार विकेट पर 10 रन कर दिया।

फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में कोनेरू हम्पी ने जीता ब्रॉन्ज

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने बधाई दी

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कोनेरू हम्पी को फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'चैंपियन एक नतीजे से नहीं, बल्कि बार-बार उच्चतम स्तर पर मुकाबला करने के साहस से परिभाषित होते हैं। विश्व मंच पहले ही फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में 5 पदक जीत चुकी हैं। भारत को उनकी इन उपलब्धियों पर गर्व है।'

खेल मंत्री ने कोनेरू हम्पी को सभी महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बताते हुए कामना की है कि वह भविष्य में और भी पदक अपने नाम करें।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने अर्जुन एरिगैसी

पर कांस्य पदक सच्ची उत्कृष्टता को दर्शाता है। आपकी यात्रा, निरंतरता और आप भारत को जिस तरह गौरवान्वित करती हैं। वह लाखों लोगों को प्रेरित करता है।' इसके साथ ही सीएम ने वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने पर अर्जुन एरिगैसी को भी बधाई दी।

सीएम नायडू ने लिखा, 'पोडियम फिनिश करना उन्हें ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला एकमात्र भारतीय पुरुष बनाता है। तेलंगाना के बेटे अर्जुन ने भारत की शानदार शतरंज विरासत में गौरव का एक और अध्याय जोड़ा है। इस मौके पर खेल मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने कहा, 'हम्पी को बधाई देते हुए लिखा, 'फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल हासिल करने पर धरती के बेटे को बधाई। इस उपलब्धि के साथ, वह विश्वनाथन आनंद के बाद इस इवेंट में पोडियम तक पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। तेलंगाना को आपकी उपलब्धियों पर गर्व है।' इसके साथ उन्होंने फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने पर कोनेरू हम्पी को भी बधाई देते हुए कहा है कि वह भारत को गौरवान्वित करती रहेंगी। आंध्र प्रदेश खेल प्राधिकरण (एसएएपी) के अध्यक्ष ए. रवि नायडू ने कहा है कि हम्पी ने फिडे चैंपियनशिप में 5 मेडल जीतकर भारत को गौरवान्वित किया है।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने का ऐलान किया है। 35 साल के ब्रेसवेल ने अपने करियर के दौरान 2011 से 2023 तक 28 टेस्ट, 21 वनडे और 20 टी20 मैच खेले। ब्रेसवेल ने कुल 74 टेस्ट विकेट लेकर रिटायरमेंट लिया है। अपने तीसरे ही टेस्ट मैच में उन्होंने होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया को हराने में न्यूजीलैंड की मदद की थी, जिसमें उन्होंने मैन ऑफ द मैच परफॉर्मेंस देते हुए रोमांचक आखिरी पारी में 6-40 विकेट लेकर सात रन से जीत दिलाई थी। यह आखिरी बार था जब न्यूजीलैंड ने टेस्ट लेवल पर ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपने ट्रांस-तस्मान प्रतिद्वंद्वियों को हराया था।

ब्रेसवेल ने न्यूजीलैंड के लिए व्हाइट-बॉल मैचों में भी 46 विकेट लिए। उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच 2023 में वेलिंगटन में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैच था, लेकिन हाल ही में पसली में चोट लगने के कारण ब्रेसवेल को न्यूजीलैंड की घरेलू टीम सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के साथ अपना करियर खत्म करना पड़ा। ब्रेसवेल ने एक बयान में कहा, 'यह मेरी जिंदगी का एक गौरवपूर्ण हिस्सा रहा है। एक युवा क्रिकेटर के तौर पर मैं हमेशा से यही चाहता था। मैं क्रिकेट के जरिए मिले मौकों और अपने देश के लिए खेलने के मौके के लिए हमेशा आभारी रहूंगा। साथ ही, अपने पूरे घरेलू करियर में सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के लिए खेलने के मौके के लिए भी। उन्होंने कहा, 'मैं इस मौके पर उन सभी टीम के साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिनके साथ मैं खेला हूं। मैं उन कोच और मैनेजमेंट को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जो इस सफर में मेरे साथ रहे और मेरे लिए कुछ किए। ब्रेसवेल ने आगे कहा कि फर्स्ट-क्लास और इंटरनेशनल क्रिकेट खेलना एक सौभाग्य की बात है।

हर खिलाड़ी को जीरो से करनी होती है शुरुआत

तिरुवनंतपुरम (केरल) (एजेंसी)। स्मृति मंधाना इंटरनेशनल क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाली दूसरी भारतीय और कुल मिलाकर चौथी महिला खिलाड़ी बन गई हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में 10,000 रन का मील का पत्थर हासिल करने के बाद मंधाना ने कहा कि एक खिलाड़ी को जीरो से शुरुआत करनी होती है, और ऐसा कभी नहीं होता कि किसी खिलाड़ी ने पिछले मैच या पिछली सीरीज में क्या किया है।

मंधाना ने कहा, मेरा मतलब है, ऐसा कभी नहीं होता कि हम सोचें कि हमने यह पहले भी किया है। मुझे लगता है कि क्रिकेट में आपको फिर से जीरो से शुरुआत करनी होती है। स्कोरबोर्ड हमेशा जीरो पर होता है। यह कभी भी ऐसा नहीं होता कि आपने पिछले मैच या पिछली सीरीज में क्या किया है। भारतीय क्रिकेटर ने कहा, तीनों फॉर्मेट के लिए मेरी अंदरूनी उम्मीदें बहुत अलग हैं। बेशक टी-20 थोड़ा ऐसा है जहां आप आउट होने के बाद खुद पर बहुत ज़्यादा सख्त नहीं हो सकते क्योंकि आप ऐसी गति से खेल रहे हैं जहां कुछ दिन ऐसे होंगे जब आप अच्छा खेलेंगे, कुछ दिन ऐसे होंगे जब आप अच्छा नहीं खेल पाएंगे।

बाएं हाथ की बल्लेबाज ने आउट होने के बाद या मैदान पर अच्छा दिन न होने पर ज्यादा न सोचने के बारे में बात की। मंधाना ने कहा, मैं वनडे क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट में खुद पर बहुत, बहुत सख्त रहती हूं क्योंकि बेशक आपके पास बहुत समय होता है। अगर मैं वहां आउट हो जाती हूं, तो यह मेरे लिए एक पाप जैसा लगता है। लेकिन कुछ दिन ऐसे होते हैं जब आप देश के लिए मैच जीतते हैं, लेकिन कुछ दिन ऐसे भी होते हैं जब आप रन नहीं बना पाते। लेकिन मुझे लगता है कि आपको दोनों चीज़ों को स्वीकार करना होगा क्योंकि आप ज्यादा सोच नहीं सकते। यह बस जल्दी-जल्दी होता है। जैसे अगर मैंने पहले तीन मैचों के बारे में बहुत सोचा होता, तो हमारे पास इस मैच से पहले सिर्फ एक दिन था।

मंधाना ने आगे कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट के लिए सबसे बड़ी बात आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 का खिताब जीतना था। उन्होंने इस साल के उतार-चढ़ाव और युवा भारतीय टीम के हर दिन काम करने के तरीके पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, तो यह सब इस बारे में है कि आप अपने क्रिकेट को कैसे आगे बढ़ाना चाहते हैं। एक दिवसीय विश्व कप जीत महिला क्रिकेट के लिए सबसे बड़ी बात थी और हमने उसकी शुरुआत की। तो यह एक बहुत बड़ी जीत है। लेकिन फिर से आप सिर्फ सफलताओं के बारे में नहीं सोच सकते। ऐसे भी समय आए हैं जब हम मैच जीत सकते थे, लेकिन हम इस साल नहीं जीत पाए। फिर से, मुझे लगता है कि यह टीम इतनी युवा है, हम हमेशा काम कर रहे हैं।

बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने रविवार को ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के चौथे टी-20 के दौरान यह मुकाम हासिल किया। बाएं हाथ की यह बल्लेबाज मिताली राज, सूजी बेट्स, चार्लोट एडवर्ड्स के बाद 10000 रन तक पहुंचने वाली चौथी महिला बल्लेबाज और मिताली के बाद दूसरी भारतीय बनीं।

मंधाना ने टेस्ट क्रिकेट में मंधाना ने सात मैचों और 12 पारियों में 57.18 की औसत से 629 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। 117 वनडे और पारियों में 48.38 की औसत से 5,322 रन, जिसमें 14 शतक और 34 अर्धशतक शामिल हैं, के साथ मंधाना वनडे फॉर्मेट में छठी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। मंधाना ने टी-20में 157 मैचों और 151 पारियों में 29.94 की औसत, 124.22 के स्ट्राइक रेट, एक शतक और 32 अर्धशतकों के साथ 4,102 रन बनाए हैं। वह इस फॉर्मेट में दूसरी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं।

महिला हॉकी इंडिया लीग का शानदार आगाज

SG पाइपर्स ने रांची रॉयल्स को 2-0 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला हॉकी इंडिया लीग 2025-26 सीजन के पहले मुकाबले में स्ट्र पाइपर्स ने दमदार प्रदर्शन करते हुए रांची रॉयल्स को 2-0 से शिकस्त दी। यह मुकाबला रविवार को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में खेला गया। स्ट्र पाइपर्स की जीत में कप्तान नवनीत कौर और टेरेसा वियाना के गोल निर्णायक साबित हुए।

रांची की कोशिशें नाकाम, पाइपर्स का दबदबा कायम

तीसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स ने तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन वे बराबरी का गोल नहीं कर सके। दूसरे हाफ की शुरुआत में नवनीत कौर और सुनेलिता टोप्पो ने शानदार तालमेल दिखाया, हालांकि गोलकीपर बिचू देवी खारीबाम ने अहम बचाव किया। रांची की ओर से लुसिना वॉन डेर हेडे का पेनल्टी कॉर्नर शॉट भी गोल में तब्दील नहीं हो सका, जिसे स्ट्र पाइपर्स की डिफेंडर लोला रिएरा ने लाइन पर रोक लिया।

टेरेसा वियाना ने जीत पर लगाई मुहर

अंतिम क्वार्टर के पहले ही मिनट में टेरेसा वियाना (46') ने बाएं फ्लैंक से शानदार ड्रिबल करते हुए गोलकीपर को छकाया और गेंद को जाल में डालकर स्ट्र पाइपर्स की बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद पाइपर्स ने सधे हुए खेल का प्रदर्शन किया और मुकाबला 2-0 से अपने नाम किया।

पहले हाफ में कड़ा मुकाबला, नवनीत ने दिलाई बढ़त

मैच की शुरुआत दोनों टीमों के बीच काफ़ी तेज़ और संतुलित रही। पहले क्वार्टर में दोनों ओर से जबरदस्त मूवमेंट देखने को मिला, लेकिन मजबूत डिफेंस के चलते कोई भी टीम पेनल्टी कॉर्नर हासिल नहीं कर सकी। रांची रॉयल्स की ओर से हैना कॉटर बाएं फ्लैंक से लगातार दबाव बना रही थीं, जबकि स्ट्र पाइपर्स के लिए नवनीत कौर और दीपिका ने सर्कल में सबसे ज्यादा एंट्री ली। दूसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन मारिया ऑर्टिज़ का ड्रैग फ्लिक गोलकीपर ने रोक दिया। इसके बाद स्ट्र पाइपर्स को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, मगर लोला रिएरा के प्रयास नाकाम रहे। आखिरकार 27वें मिनट में कप्तान नवनीत कौर ने जोरदार शॉट के साथ पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए लीग के पहले मैच का पहला गोल दागा।

विजय हजारे ट्रॉफी

वैभव सूर्यवंशी का कहर, 310 की स्ट्राइक रेट से खेली तूफानी पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में बिहार के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी से सभी का ध्यान खींचा है। महज 14 साल की उम्र में वैभव ने मेघालय के खिलाफ प्लेट ग्रुप मुकाबले में तूफानी अंदाज दिखाते हुए 10 गेंदों में 31 रन बनाए और 310.00 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की।

पारी की शुरुआत में ही आक्रामक तेवर

सोमवार (29 दिसंबर) को रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मुकाबले में वैभव ने बिहार के लिए पारी की शुरुआत की। 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट्स लगाए।

अपनी छोटी लेकिन प्रभावशाली पारी में उन्होंने 6 चौके और 1 छक्का जड़ा और विपक्षी गेंदबाज़ों पर दबाव बना दिया। हालांकि, पांचवें ओवर की पहली गेंद पर आकाश कुमार ने वैभव को आउट कर दिया, जबकि डिप्पू ने उनका कैच लपका। अच्छी शुरुआत के बावजूद वह इस पारी को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर सके।

पहले ही मैच में रचा था इतिहास

वैभव सूर्यवंशी से इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीदें थीं, खासकर इसलिए क्योंकि टूर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 84 गेंदों में 190 रन की ऐतिहासिक पारी खेली थी। उस मैच में वैभव ने महज 36 गेंदों में शतक पूरा किया, जो किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा चौथा

सबसे तेज़ लिस्ट-ए शतक है। यही नहीं, उन्होंने 59 गेंदों में 150 रन पूरे कर दुनिया का सबसे तेज 150 रन का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया और एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

ग्लोब सॉकर अवॉर्ड्स फुटबॉलर का जलवा

ग्लोब सॉकर अवॉर्ड्स : रोनाल्डो-डेम्बेले या यमाल? विजेताओं की सूची

दुबई , एजेंसी। ग्लोब सॉकर अवॉर्ड्स 2025 में पेरिस सेंट जर्मेन का वर्चस्व स्पष्ट रहा। डेम्बेले ने सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर, क्लब ने सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्लब और एनरिके ने सर्वश्रेष्ठ कोच का खिताब जीता। रोनाल्डो ने मिडिल ईस्ट में अपनी बादशाहत बरकरार रखी, जबकि लामिन यमाल जैसे युवा सितारों ने भविष्य की झलक दिखाई। दुबई में आयोजित ग्लोब सॉकर अवॉर्ड्स 2025 ने वैश्विक फुटबॉल के सर्वश्रेष्ठ चेहरों को एक मंच पर सम्मानित किया। इस भव्य समारोह में जहां क्रिस्टियानो रोनाल्डो की निरंतर प्रभावशाली मौजूदगी चर्चा में रही, वहीं रात का सबसे बड़ा पुरस्कार ओस्मान डेम्बेले ने अपने नाम किया। समारोह ने एक बार फिर दिखाया कि बीते सीजन में पेरिस सेंट-जर्मेन का दबदबा कितना मजबूत रहा।

- **डेम्बेले बने सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर-** पीएसजी के लिए शानदार और निर्णायक सीजन खेलने वाले ओस्मान डेम्बेले को बेस्ट मेल प्लेयर चुना गया। उन्होंने किलियन एम्बाप्पे, लामिन यमाल, विटिन्हा और राफिन्हा जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ा। पूरे सीजन में उनकी निरंतरता और मैच जिताने वाली भूमिका ने उन्हें इस अवॉर्ड का प्रबल दावेदार बना दिया।
- **पीएसजी का वर्चस्व : क्लब से कोच तक-** समारोह में पीएसजी की छाप हर स्तर पर दिखी। क्लब को बेस्ट मेल क्लब चुना गया, जबकि लुइस एनरिके को बेस्ट कोच का अवॉर्ड मिला। एनरिके को उन रणनीतियों के लिए अवॉर्ड मिला, जिनसे टीम ने घरेलू और यूरोपीय स्तर पर सफलता हासिल की। मिडफील्ड में नियंत्रण के लिए विटिन्हा को बेस्ट मिडफील्डर चुना गया।

रोनाल्डो का मिडिल ईस्ट में दबदबा बरकरार

40 वर्ष की उम्र में भी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक और अवॉर्ड अपने साथ जोड़ा। अल-नस्र के लिए खेलते हुए उन्हें बेस्ट मिडिल ईस्टर्न प्लेयर का सम्मान मिला। मैदान पर प्रदर्शन के साथ-साथ सऊदी अरब में उनके खेल और व्यावसायिक प्रभाव को भी इस अवॉर्ड में सराहा गया। इस श्रेणी में उन्होंने करीम बेंजेमा, रियाद महरेज और सालेम अल-दवसारी को पछाड़ा।

युवा सितारों की चमक

बार्सिलोना के युवा फॉरवर्ड लामिन यमाल ने बेस्ट फॉरवर्ड का खिताब जीता और अपने तेज उभार की पुष्टि की। वहीं पीएसजी के डेसायर डूए को इमर्जिंग प्लेयर चुना गया।

2 दिन में निपटा टेस्ट फिर भी 'गुड' पिच!

ICC के डबल स्टैंडर्ड पर भड़के सुनील गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज 2025-26 का चौथा मुकाबला मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया था. यह मुकाबला दो दिनों में ही खत्म हो गया था, जिसमें इंग्लैंड ने चार विकेट से जीत हासिल की थी. देखा जाए तो मौजूदा सीरीज में चारों टेस्ट मैच लगभग 13 दिनों में खत्म हुए हैं, ऐसे में पिच को लेकर काफी शोर मचा है. भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल पर पिच रेटिंग को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है. गावस्कर का कहना है कि हाल ही में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला गया चौथा एशेज टेस्ट महज दो दिन के अंदर खत्म

हो गया, इसके बावजूद एमसीजी की पिच को 'गुड' रेटिंग मिल सकती है. मेलबर्न टेस्ट के पहले दिन ही 20 विकेट गिर गए, जो ऑस्ट्रेलिया में 1951 के बाद किसी टेस्ट मैच के पहले दिन गिरे सबसे ज्यादा विकेट हैं. दूसरे दिन भी 16 विकेट गिरे और पूरा टेस्ट मुकाबला महज 142 ओवर में समाप्त हो गया. गावस्कर ने याद दिलाया कि इसी एशेज सीरीज के पहले टेस्ट (पर्थ) में भी मुकाबला दो दिन में खत्म हो गया था, लेकिन उस पिच को आईसी ने 'वेरी गुड' रेटिंग दी थी.

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

मामा के अफेयर में भांजे की हत्या, कुएं से मिली की लाश

निज संवाददाता। आरा

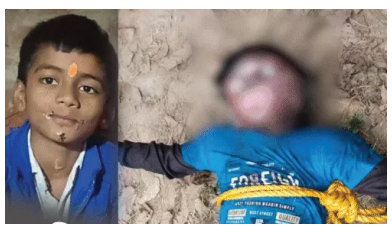

'5 दिनों तक बेटे के लिए थाना का चक्कर लगाता रहा, आरोपियों की जानकारी दी, खोजी कुत्ता बुलाने के लिए गिड़गिड़ाते रहे, लेकिन हमारी बात किसी ने नहीं सुनी। आज बेटे की लाश घर से सिर्फ 300 मीटर की दूरी पर कुएं से बरामद की गई। पुलिस गंभीर होकर मामले की जांच करती तो आज मेरा बेटा जिंदा होता।' भोजपुर में 10 साल के बच्चे की हत्या के बाद उसके पिता रजनीकांत पांडेय ने बातचीत में ये बातें कही। मृतक की पहचान आदित्य कुमार के रूप में हुई है, जो 22 दिसंबर से गायब था। 28 दिसंबर को उसकी लाश कुएं से मिली है। पिछले 7 दिनों तक उसकी बॉडी कुएं में पड़ी रही। घटना बड़हरा थाना क्षेत्र के बड़का लाहौर की है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 10 साल का बच्चा आखिर कब और कैसे गायब हुआ, उसकी हत्या कब की गई, बच्चे की हत्या किसने और क्यों की।

क्रिकेट खेल रहे बच्चों ने देखा शवः रविवार की सुबह गांव के बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। इस दौरान कुएं की ओर गेंद चला गया। गेंद लाने गए बच्चों ने कुएं में शव देखा, फिर ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। मासूम बच्चे की बॉडी देखने लायक नहीं थी। उसका शरीर सूज गया था। जीभ और आंखें बाहर आ गई थी। शव मिलने के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और आरा-बड़हरा सड़क पर बड़का लौहर गांव के पास 9 घंटे तक बॉडी रखकर प्रदर्शन किया। शाम 5 बजे तक विरोध प्रदर्शन के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

आदित्य के पिता बोले- मेरे बेटे की हत्या की जिम्मेदार पुलिस हैः आदित्य के पिता रजनीकांत पांडेय ने कहा कि, मैंने पुलिस से कहा था डॉग स्क्वॉड की टीम, FSL की टीम को बुलाकर जांच करवाइए, लेकिन पुलिस ने मेरी मदद नहीं की। पुलिस कार्रवाई के बजाय मुझसे पूछताछ करती थी। थाने में कई बार जाकर न्याय की गुहार लगाता रहा। जिसपर शक था, उसके बारे में पुलिस को बताते रहे। पुलिस सख्ती से पूछताछ करती तो मेरे बेटे की डेडबॉडी नहीं मिलती। आदित्य की हत्या के पीछे पुलिस प्रशासन की लापरवाही है। मेरे बेटे की जिसने हत्या की है, उसे फांसी की सजा दी जाए।

लाश छिपाने के लिए कुएं में फेंकाः रजनीकांत पांडेय के मुताबिक, कन्हैया ने मेरे बेटे आदित्य की हत्या की है। मेरी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। कन्हैया ने मेरी पत्नी को धमकी दी थी। 22 दिसंबर को जब पुलिस को बेटे की गुमशुदगी का लिखित आवेदन दिया था, तो उसमें कन्हैया का नाम नहीं लिखा था, लेकिन पुलिस को मौखिक रूप से बताया था। इसके बाद कन्हैया से पुलिस ने पूछताछ भी की, लेकिन बाद में छोड़ दिया।

मामा के अफेयर में चली गई 10 साल के भांजे की जानः आदित्य की मां ट्विंकल पांडेय ने बताया कि, मेरा मायका दुबे छपरा है, जो मेरे ससुराल से 2 से 3 किलोमीटर दूर है।

युवक ने की खुदकुशी

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में एक युवक की फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पत्नी शराब पीने से मना करती थी। झगड़ा के बाद गुस्से में आकर उसने फांसी लगा ली। मृतक की पहचान एरौड़ा गांव वार्ड नंबर 5 निवासी राजू मांझी के पुत्र अनिल मांझी(24) के तौर पर हुई है। घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र की है। पिता राजू मांझी ने बताया कि अक्सर नशा करता था। शराब पीने के बाद घर में पत्नी, मां और बहन के साथ मारपीट करता था। 15 दिन पहले भी घर में मारपीट की थी। नशा और मारपीट करने के कारण उसकी पत्नी भी उससे बातचीत नहीं करती है। रविवार को घर पर था। बहू और दो बेटी छत पर दूसरे रूम में बैठकर बातचीत कर रही थी। तभी वह नशे में आया और छत पर जाकर झगड़ा करने लगा। पत्नी को भगा दिया। इसके बाद वह नीचे आया। कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। जब बच्चों के लिए दूध मांगा तो बहु बोली कि वह रूम में गए हैं। जब उसके रूम में झांक कर देखा तो वह गमछा से लटक रहा था। अपनी संतुष्टि के लिए सदर अस्पताल लेकर गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के पुलिस अस्पताल पहुंची। पोस्टमार्टम के बाद शव सौंप दिया।

हमेशा नशे में रहते थेः पत्नी समुद्री देवी ने बताया कि हर दिन शराब पीकर घर आते थे। बेवजह गाली-गलौज करते थे। कहते थे तुम किसी और से बात करती हो, लेकिन मैं शादी के बाद घर से बाहर तक नहीं निकली हूं। मेरे सास-ससुर बहुत मानते है। उसके बावजूद भी पति शराब पीते थे। जुड़वा बेटा हुआ था। बच्चों को देखते तक नहीं थे। सिर्फ दोस्तों के साथ बैठकर नशा करते थे। वर्ष 2022 में शादी हुई थी।

घर में मचा कोहरामः परिवार में मां जोना देवी, पत्नी समुद्री देवी, दो पुत्र प्रेम और प्रिंस है। पिता उदवंतनगर पंचायत के एरौड़ा गांव में विकास मित्र कर्मचारी हैं। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है।

संक्षिप्त समाचार

स्टेडियम में घुसकर क्रिकेट खिलाड़ियों और दर्शकों से मारपीट

आरा। बड़हरा थाना के ठीक सामने पड़रिया गांव स्टेडियम में 35-40 सामाजिक तत्वों ने पिस्टल, लाठी और रॉड से लैस होकर क्रिकेट खेल रहे खिलाड़ियों पर हमला कर दिया। इस दौरान पड़रिया और करजा गांव के बच्चों और खिलाड़ियों को पीट दिया। इस घटना में पड़रिया गांव के सुमित सिंह और कुणाल सिंह गंभीर घायल हो गए। दोनों गांव के कुछ बच्चे और खिलाड़ियों को चोट लगी है। पुलिस को सूचना देने के बाद डायल 112 की गाड़ी वहां पहुंची और घायल खिलाड़ियों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बड़हरा ले गई। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज कराया गया। इस घटना के बाद तनाव की स्थिति है। लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दिया है। घायल सुमित के बयान पर बड़हरा थाना में बगल के लालाटोला गांव के पिंटू यादव, विमल यादव, धारा यादव सहित 40 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। घायल सुमित सिंह ने बताया पड़रिया खेल के मैदान में दो गेट लगा हुआ है। जहां 40 की संख्या में आए लोगों ने गेट बंद कर दिया। क्रिकेट खेल रहे खिलाड़ी एवं दर्शकों पर हमला कर दिया। सभी लोग अपना चेहरा मफलर और गमछा से बांधे हुए थे।गमछा खुल जाने पर पिंटू यादव, विमल यादव, और दारा यादव की पहचान गई। कुछ लोग हाथ में बंदूक, पिस्टल, पिस्टल और लाठी -डंडा हाथ में लिए हुए थे। हमले का नेतृत्व शराब धंधेबाज कर रहा था हमलावरों का नेतृत्व एक शराब धंधेबाज कर रहा था। जो हमलावरों के गांव का है। वह शराब की होम डिलीवरी भी करता है। घटना का विवाद जबरन खेल मैदान को खराब करने से मना करना है। खिलाड़ी मैदान को खेलने के लिए तैयार कर रहे थे। तभी एक युवक बाइक को मैदान पर चलाने लगा। इस पर उनको कहा गया कि गेट के पास बाइक खराब कर दीजिए। यह सुनकर वह युवक लौट गया और असामाजिक तत्वों के साथ स्टेडियम में हमला कर दिया।

ठंड में पुलिसकर्मियों को सक्रिय रहने का एसपी ने दिया निर्देश

बक्सर। बढ़ते ठंड और घने कोहरे को देखते हुए पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने जिले के सभी थाना प्रभारियों और पुलिस पदाधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने का सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में असामाजिक तत्वों की गतिविधियां सामान्य दिनों की तुलना में बढ़ जाती हैं, ऐसे में पुलिस को पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी निभानी होगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसपी डुमरांव थाने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि कोहरे के कारण चोरी, लूट और अन्य आपराधिक घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहना होगा।उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार्य नहीं है। डुमरांव थाना पहुंचने पर एसपी ने पदाधिकारियों से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उनके इस सख्त रुख से पुलिस महकमे में सक्रियता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने भी उम्मीद जताई कि पुलिस की सख्ती से क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण लगेगा और आमजन खुद को अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे।

रघुनाथपुर रेल यात्री कल्याण समिति की बैठक में विकास कार्यों की हुई समीक्षा

ब्रह्मपुर। रघुनाथपुर रेलयात्री कल्याण समिति की बैठक समिति के कार्यालय रघुनाथपुर में अध्यक्ष सह संयोजक नागेन्द्र मोहन सिंह की अध्यक्षता में हुई जिसमें रघुनाथपुर स्टेशन पर हो रहे विकास कार्य की समीक्षा की गई। एक नम्बर से चार नम्बर पर फुट ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य एवं भवन निर्माण को देख धीमी गति से हो रहे कार्यो एवं श्रमजीवी एक्सप्रेस एवं मडुआडीह बनारस पटना जनशताब्दी को एवं अन्य स्टेशन विकास सम्बंधित वार्ता हेतु 6 जनवरी को दानापुर एवं 17 से 20 जनवरी के बीच दिल्ली जाने का कार्यक्रम बना है। बैठक में पूर्व अध्यक्ष डॉ चन्द्रशेखर पाठक, सीताराम ठाकुर,जावेद अख्तर, प्रभु मिश्रा, मनीष भारद्वाज, राजगृही साह, इमरान अंसारी, जलील मोहम्मद उर्फ नेताजी, अनिल कुमार सिंह, धीरेंद्र कुमार सिंह, हीरालाल वर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे, नागेन्द्र मोहन सिंह ने बताया कि समिति की अगली बैठक चार जनवरी को रघुनाथपुर में होगी जिसमें अगली रणनीति पर विचार किया जाएगा।

चिकित्सा सेवा में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए

आरा। वर्ष 2025 के अंतिम रविवार पर रमना मैदान के निकट द होली सेवियर चर्च में विशेष धन्यवाद प्रार्थना सभा हुई। इस अवसर पर सेवा और मानवता को केंद्र में रखते हुए कंबल वितरण एवं निशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व फादर अनिल जीउत ने किया। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ से जुड़े आनंद हॉस्पिटल के डॉक्टर केएन सिन्हा, डॉक्टर सागर आनंद, डॉक्टर रवि कुमार एवं डॉक्टर प्रेमसागर के सहयोग से विधवा, गरीब एवं असहाय लोगों के बीच कंबल वितरित किया गया। फादर अनिल जीउत के निवेदन पर 20 विधवा एवं गरीब महिला-पुरुषों को कंबल देकर सहायता की गयी। चर्च परिसर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 40 मरीजों की जांच कर उन्हें मुफ्त दवाएं दी गईं। डॉक्टर केएन सिन्हा ने कहा कि ठंड के मौसम में गरीब और असहाय लोगों पर सबसे अधिक असर पड़ता है। ऐसे में मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। चिकित्सा सेवा में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए, क्योंकि मानव की सेवा करना ही सच्चा धर्म है। उन्होंने कहा कि ठंड के कारण सर्दी, खांसी, बुखार, कमर दर्द और सीने के दर्द जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। जबकि गरीबों को अस्पतालों तक पहुंचने में कठिनाई होती है। इसलिए निशुल्क शिविर के माध्यम से उनके पास जाकर सेवा देना हमारा कर्तव्य है। लोगों को ठंड से बचने के बताए गए उपाय शिविर में मरीजों को ठंड से बचाव को लेकर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई।गर्म पानी अधिक मात्रा में सेवन करने की सलाह दी गई। बताया गया कि सर्दी के मौसम में गर्म और ऊनी कपड़े पहनें। चेहरा और कानों को ढक कर रखें। बच्चों को खुले आसमान में देर तक नहीं खेलने दें, उन्ह ठंडा पानी के नजदीक जाने में रोके, फ्रिज का पानी और कोल्ड ड्रिंक नहीं पिए। बुजुर्ग के और बीमार लोगों के कमरों को ज्यादा देर तक खुला नहीं रखें। उन्हें ठंड नहीं महसूस हो, इसका ध्यान रखें।

आत्मा से परमात्मा का योग ही सुरति योग

आरा। विहंगम योग के प्रणेता महर्षि सदाफल देव महाराज का 72वां परम निर्वाण दिवस, प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र में 23 जनवरी से 27 जनवरी तक मनाया जाएगा। इस अवसर पर 1100 कुंडीय विश्व शांति वैदिक हवन यज्ञ, सदुरु की दिव्य अमृतवाणी और विशाल सत्संग होगा, जिसमें देश-विदेश से लाखों अध्यात्म प्रेमियों के शामिल होने की संभावना है। भोजपुर जनपद से भी हजारों श्रद्धालु इस महामहोत्सव में भाग लेंगे। समारोह की तैयारी को लेकर आरा प्रखंड के बभनगांवा प्राथमिक विद्यालय परिसर (अंचल बड़हरा) में सत्संग हुआ। सत्संग को संबोधित करते बिहार राज्य समन्वयक सह दक्षिण बिहार महामंत्री भूपेंद्र राय ने कहा कि आत्मा से परमात्मा का योग ही सुरति योग है। जब मनुष्य स्वयं से हटकर शून्यता की ओर स्थिर होता है, तभी वह निर्वाण की अवस्था को प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि विहंगम योग की साधना, सत्संग और सेवाभाव मानव को इस योग्य बनाते हैं। मंत्री उमेश कुमार ने कहा कि सेवा ही मानव जीवन के उत्थान का एकमात्र साधन है। जिला सचिव विजय पाण्डेय ने अधिक से अधिक लोगों को प्रयागराज में आयोजित समारोह में भाग लेने का संकल्प दिलाया। मंच संचालन गुरु भाई हरे राम पाठक ने किया। मंच पर जिला मीडिया प्रभारी सुरेश कुमार सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में आरा प्रखंड प्रभारी उमेश कुमार सिंह, भावना देवी, आरा अनुमंडल पत्रिका प्रभारी डॉ. अंशु सिंह, मोहन साह, शिवानंद चौबे, श्री कुमार यादव, जय राम यादव, मिथलेश ठाकुर, नरेंद्र कुमार सिंह, आरा अनुमंडल संयोजिका रीना गुप्ता, सरिता पाठक, रानी देवी, पुनम देवी, गुड़ी देवी, पिंकी प्रसाद, शोभा देवी, कंचन तिवारी, प्रियंका गुप्ता, उमा कुमारी आदि थीं।

लापता युवक का शव बरामद

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में लापता युवक का शव अर्धनिर्मित घर से मिला है। 2 दिन पहले दिल्ली दाने के लिए घर से निकला था। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चल रहा है। बाएं पैर पर जख्म के निशान मिले हैं। ठंड से मौत की आशंका जताई जा रही है। हालांकि स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। मृतक गुलशन कुमार(20) मटियारा चकिया गांव का रहने वाला था। दिल्ली में लेबर का काम करता था। घटना गीधा थाना क्षेत्र की है।

किसी से विवाद नहीं थाः मृतक की नानी पियरिया कुंअर ने बताया कि शुक्रवार की सुबह करीब 11 बजे घर से बोलकर निकला था कि मैं बाहर कमाने जा रहा हूं। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों सोचा कि बाहर चला गया। इस बीच रविवार की सुबह कायमनगर स्थित वास्तु बिहार परिसर से उसका शव बरामद किया गया। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव में गुलशन का किसी से विवाद नहीं है। कोई दुश्मनी नहीं है। अब उसकी हत्या हुई या कैसे मौत हुई है। ये पुलिस जांच में ही पता चल सकेगा।

घर में मचा कोहरामः मृतक तीन भाई और एक बहन में बड़ा था। परिवार में मां चांदनी देवी, भाई रौशन कुमार, रोहित कुमार और एक बहन दिशा सुंदर है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। मां और परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अवैध हथियार बरामद, एक अपराधी गिरफ्तार

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में हथियार और कारतूस बरामद किए हैं। इस दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य फरार है। बक्सर के डीएसपी गौरव पाण्डेय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी विस्तृत जानकारी दी। डीएसपी पाण्डेय ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि राजपुर थाना क्षेत्र के रसेन गांव निवासी ईश्वर चंद्र सिंह उर्फ झगरू यादव ने अपने घर में अवैध हथियार छिपा रखे हैं। इस सूचना पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तलाश जारीः गठित टीम ने झगरू यादव के घर पर छापा मारा, जहां से एक एकनाली राइफल, एक देसी कट्टा और छह जिंदा कारतूस बरामद हुए। हालांकि, छापेमारी के दौरान झगरू यादव मौके पर नहीं मिला। बरामद हथियारों को जब्त कर राजपुर थाना में कांड संख्या 398/25 दर्ज किया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तलाश जारी है। इसी क्रम में पुलिस को एक और सूचना मिली कि राजपुर थाना क्षेत्र के रूपपोखर से बारूपुर जाने वाले रास्ते पर एक व्यक्ति हथियार लहराकर लोगों को डरा रहा है, जिससे इलाके में भय का माहौल है। सूचना मिलते ही SIT टीम को तत्काल मौके पर भेजा गया।

तलाशी के दौरान उसकी कमर से दो देसी कट्टे बरामद हुएः पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगा, लेकिन सशस्त्र बल की मदद से उसे पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसकी कमर से दो देसी कट्टे बरामद हुए, जिनमें से एक में एक जिंदा कारतूस भी था। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बारूपुर निवासी चंदन राजभर पुत्र रामकिशोर राजभर के रूप में हुई। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह अवैध रूप से हथियार रखता था और लोगों को डराने-धमकाने तथा अपना वर्चस्व कायम करने के लिए उनका इस्तेमाल करता था। इस मामले में राजपुर थाना में कांड संख्या 397/25 दर्ज कर चंदन राजभर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गिरफ्तार चंदन राजभर का आपराधिक इतिहास भी रहाः पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार चंदन राजभर का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ पूर्व में राजपुर थाना कांड संख्या 141/2006 (धारा 376/34 भादवि) तथा कांड संख्या 147/2013 (धारा 386/307/506 भादवि) दर्ज है। डीएसपी गौरव पाण्डेय का बाइटः"बक्सर पुलिस अवैध हथियारों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है और आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।"

चौसा रेलवे ओवरब्रिज चार साल बाद भी अधूरा

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के चौसा रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चार साल बीत जाने के बाद भी अधूरा है। 16 फरवरी 2022 को तत्कालीन सांसद सह केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमि पूजन किया था। इसके कुछ महीनों बाद बिहार राज्य पुल निर्माण निगम की ओर से काम भी शुरू हुआ, लेकिन तय समय सीमा में पुल का निर्माण पूरा नहीं हो सका। साल 2025 तक लोगों को पुल नहीं, बल्कि इंतजार और निराशा ही हाथ लगी।

अधूरे पुल से रोजाना जाम की मारः रेलवे गुमटी बंद होने के बाद यहां अस्थायी डायवर्सन बनाया गया है, लेकिन यह डायवर्सन दोनों ओर से बेहद संकीर्ण है। नतीजतन सुबह से शाम तक यहां वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। कई बार जाम की स्थिति घंटों बनी रहती है। स्कूली बच्चे, मरीज, नौकरीपेशा लोग और यात्री रोज इस जाम से जूझने को मजबूर हैं।

यात्रियों और स्थानीय लोगों की बढ़ी परेशानीः स्थानीय लोगों का कहना है कि अधूरे पुल की वजह से रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। अस्पताल जाने वाले मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता, स्कूली बच्चों को देर से स्कूल पहुंचना पड़ता है और यात्रियों की ट्रेन तक छूट जाती है। कई लोगों ने बताया कि जाम में फंसे रहना अब रोज़ की समस्या बन चुकी है।

धीमी रफ्तार से निर्माण पर उठे सवालः चौसा और आसपास के इलाकों के लोगों का आरोप है कि पुल निर्माण की गति बेहद धीमी है। कई दिनों तक काम पूरी तरह ठप रहता है, जिससे लोगों में नाराज़गी बढ़ती जा रही है। उनका कहना है कि अगर काम तेज़ी से होता, तो अब तक पुल बनकर तैयार हो चुका होता और क्षेत्र को बड़ी राहत मिलती।

कारोबार और सुरक्षा पर भी असरः लगातार लगने वाले जाम का असर स्थानीय व्यापार पर भी पड़ रहा है। व्यापारी वर्ग का कहना है कि ग्राहक समय पर बाजार नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे कारोबार प्रभावित हो रहा है। वहीं, संकरी सड़क और भारी वाहनों की आवाजाही के कारण दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। कई बार छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

प्रशासन से की गई शिकायतः इस समस्या को लेकर स्थानीय लोगों ने बक्सर प्रशासन को पत्र लिखकर जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सरकार और जिला प्रशासन को इस मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए और संबंधित निर्माण एजेंसी को सख्त निर्देश देने चाहिए, ताकि वर्षों से लंबित इस परियोजना को पूरा कराया जा सके।

2024 और 2025 की समय-सीमा भी हुई फेलः गौरतलब है कि बक्सर के जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने वर्ष 2024 में ही इस रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण उसी साल पूरा करने का निर्देश दिया था। हालांकि भूमि अधिग्रहण से जुड़ी समस्याओं के कारण यह लक्ष्य पूरा नहीं हो सका। इसके बाद प्रशासन और निर्माण एजेंसी की ओर से कहा गया कि वर्ष 2025 में पुल को आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा, लेकिन 2025 में भी निर्माण अधूरा ही रहा।

अब 2026 का दावा, फिर सवाल वहीः अब पुल निर्माण एजेंसी की ओर से दावा किया गया है कि वर्ष 2026 में चौसा रेलवे ओवरब्रिज को जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

फुटबॉल में दक्षिण एकौना को 2–1 से पराजित कर बेरथ फाइनल में

निज संवाददाता। आरा

जिला फुटबॉल लीग चैंपियनशिप का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला आदर्श फुटबॉल क्लब बेरथ और दक्षिण एकौना फुटबॉल क्लब एकौना के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में आदर्श फुटबॉल क्लब बेरथ ने दक्षिण एकौना को 2–1 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। मैच की शुरुआत से ही बेरथ टीम के खिलाड़ियों का प्रदर्शन आक्रामक रहा। खेल के पहले हाफ में मध्यांतर से कुछ देर पहले बेरथ के खिलाड़ी लक्ष्मण सिंह उर्फ बच्चा ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पहला गोल दागा। मध्यांतर तक बेरथ की टीम 1–0 से आगे रही। मध्यांतर के बाद दक्षिण एकौना के खिलाड़ी देवेंद्र कुमार को गलत तरीके से खेल खेलने पर मुख्य निर्णायक धनजी कुमार द्वारा पीला कार्ड दिखाकर चेतावनी दी गई। बेरथ टीम के डिफेंडर जर्सी नंबर 4 रोहित कुमार और फॉरवर्ड जर्सी नंबर 12 गुड्डू कुमार का प्रदर्शन दर्शकों को खासा प्रभावित करता रहा। खेल के दौरान एक बार फिर लक्ष्मण सिंह उर्फ बच्चा ने दूसरा गोल कर बेरथ को 2–0 की बढ़त दिला दी।

सेवा, समर्पण और संवेदना के प्रतीक हैं पवन सत्यार्थी

निज संवाददाता। आरा

जिन्हें लोग प्रेम से पवन सत्यार्थी के नाम से जानते हैं, वे बीते आठ वर्षों से निरंतर सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद की निस्वार्थ सेवा कर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उनका मानना है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुँचाना ही सच्ची समाजसेवा है। पवन सत्यार्थी ने गरीब एवं असहाय बच्चियों की शादी में विभिन्न माध्यमों से सहयोग प्रदान किया है। मरीजों और उनके परिजनों की निस्वार्थ सेवा कर मानवता की मिसाल पेश की हैं। कई अवसरों पर गरीबों के बीच भोजन एवं वस्त्र का वितरण किया। दीपावली जैसे त्योहारों पर गरीब बच्चों के बीच पटाखे और मिठाइयां बांटकर उनके जीवन में खुशियां भरने का काम करते हैं । स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी वे लोगों को निरंतर सहयोग प्रदान करते रहे हैं। रक्तदान शिविर लगाते हैं वर्तमान में वे प्रेरणा फाउंडेशन के साथ मिलकर रक्तदान शिविर लगाते हैं,वें खुद रक्तदान कर लोगों को जीवनदान देने का कार्य कर चुके हैं। तथा जरूरतमंदों के लिए रक्त व्यवस्था भी करते हैं।

मोतियाबिंद के 1,500 सफल ऑपरेशन

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के कृतपुरा स्थित दानी कुटिया के पास रणछोड़दासजी बापू चेरीटेबल हॉस्पिटल, राजकोट (गुजरात) द्वारा एक निःशुल्क मोतियाबिंद नेत्र महाशिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में अब तक 1,500 से अधिक मरीजों का सफलतापूर्वक मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जा चुका है। यह महाशिविर 31 मार्च 2026 तक चलेगा, जिसमें 50,000 से अधिक जरूरतमंद लोगों की आंखों की रोशनी लौटाने का लक्ष्य रखा गया है।

आधुनिक फेको मशीन तकनीक से होता ऑपरेशनः शिविर में मरीजों का ऑपरेशन आधुनिक फेको मशीन तकनीक से बिना चीरा लगाए किया जा रहा है, जिसमें उच्च गुणवत्ता वाले लेंस प्रत्यारोपित किए जाते हैं। आमतौर पर लगभग 20,000 रुपये का यह ऑपरेशन यहां पूरी तरह निःशुल्क किया जा रहा है। अस्पताल के अनुसार, जिन 1,500 मरीजों की एक आंख का ऑपरेशन हो चुका है, वे एक महीने के अंतराल के बाद दूसरी आंख का भी निःशुल्क ऑपरेशन करवा सकते हैं। दोनों आंखों का ऑपरेशन तीन महीने की अवधि में पूरा किया जाएगा।

काला मोतिया, पथ्थरिया मोतिया और ब्राउन मोतियाबिंद का ऑपरेशनः महाशिविर के मैनेजिंग ट्रस्टी प्रवीण भाई वासानी ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि शिविर में काला मोतिया, पथ्थरिया मोतिया और ब्राउन मोतियाबिंद सहित सभी प्रकार के मोतियाबिंद का इलाज उपलब्ध है। मरीजों की सुविधा के लिए गुजरात के जाने-माने नेत्र चिकित्सकों सहित कुल 100 सदस्यीय मेडिकल टीम तैनात की गई है।

काला चश्मा और 100 रुपये मिल रहा यात्रा भत्ताः शिविर में आने वाले मरीजों के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्हें निःशुल्क चाय-नाश्ता, शुद्ध घी का हलवा, गर्म भोजन, एक कंबल, एक साड़ी, दो किलो चावल, एक किलो गेहूं का आटा, आधा किलो मीठी बूंदी, आवश्यक दवाइयां, काला चश्मा और 100 रुपये नकद यात्रा भत्ता दिया जा रहा है। ऑपरेशन के एक महीने बाद पावर वाला चश्मा भी निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। महाशिविर की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कृतपुरा के पास लगभग सवा लाख वर्गफुट क्षेत्र में एक भव्य टेंट लगाकर आंखों की जांच, रहने और खाने की पूरी व्यवस्था की गई है। मरीजों को केवल आधार कार्ड की दो प्रतियां साथ लानी होंगी। इस कार्य में स्थानीय समाजसेवियों जैसे राजेश यादव और राकेश राय उर्फ कल्लू राय सहित कई अन्य की भी सक्रिय भागीदारी है।